नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार 17 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 297 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड विधानसभा में आयोजित शिविर में रक्तदान करते सीएम हेमंत सोरेन

झारखंड में गैस संकट गहराने की आशंका, 3.27 लाख रिफिल पेंडिंग

कमर्शियल गैस की आपूर्ति 80 फीसदी घटी : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में एलपीजी की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। झारखंड विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य में गैस आपूर्ति की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हालात के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है और इसका असर झारखंड में भी दिखाई दे रहा है। मंत्री ने बताया कि राज्य में कमर्शियल और घरेलू एलपीजी की डिलीवरी में परेशानी उत्पन्न हो गई है। इसकी वजह से गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि भी बढ़ा दी गई है। अब शहरी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग की अवधि 15 दिन से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 45 दिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहले गैस बुकिंग के 48 घंटे के भीतर सिलेंडर की आपूर्ति हो जाती थी लेकिन अब डिलीवरी में 3 से 4 दिन तक का समय लग रहा है। 16 मार्च 2026 तक राज्य में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की ओर से गैस आपूर्ति में कुल 3,27,630 रिफिल पेंडिंग हैं। मंत्री ने बताया कि 13 मार्च को केंद्र सरकार के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जानकारी दी गई कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति को 80 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। 14 मार्च को राज्य सरकार

और तेल कंपनियों के साथ हुई बैठक में यह सामने आया कि झारखंड में हर महीने औसतन 2273.11 मीट्रिक टन कमर्शियल गैस की जरूरत होती है जबकि अब केवल 454.6 मीट्रिक टन की आपूर्ति ही हो पाएगी। इस तरह राज्य को हर महीने 1818.51 मीट्रिक टन गैस की कमी झेलनी पड़ सकती है। मंत्री ने कहा कि रांची और जमशेदपुर जैसे औद्योगिक शहरों में कई बड़े उद्योग संचालित होते हैं। इन उद्योगों के कैंटीन में काम करने वाले हजारों श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था गैस सिलेंडर पर निर्भर है। गैस आपूर्ति बाधित होने से औद्योगिक गतिविधियों और उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, होटल और दूसरी कमर्शियल जगहों को भी चलाने में मुश्किलें आ सकती हैं। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने युद्ध जैसे हालात और वैश्विक ऊर्ज़ा बाजार की स्थिति का असर भारत और झारखंड पर भी पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस स्थिति पर स्पष्ट रणनीति और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर अंतरराष्ट्रीय संकट लंबा खिंचता है तो देश की ऊर्ज़ा आपूर्ति, आर्थिक नीति और आम लोगों की रसोई पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। मंत्री ने केंद्र सरकार से एलपीजी के साथ-साथ उर्वरक की आपूर्ति को लेकर भी स्पष्ट तैयारी बताने की मांग की। संसदीय कार्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि आपकी सरकार के मालिक डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व को रुस से तेल खरीदने की अनुमति दे दी है पर जो तेल आप रुस से लेंगे वे वैश्विक दर पर होगा। इस दौरान इंडिया स्पेसिफिक डिस्काउंट नहीं मिलेगा।

पुलिस ने मुठभेड़ में अपराधी प्रिंस खान गैंग के दो गुर्गों को किया घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के खिलाफ धनबाद-रांची पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने अपराधी प्रिंस खान के दो गुर्गों का एनकाउंटर किया है। इस क्रम में दोनों के पैर में गोली लगी है जबकि एक का भागने के क्रम में पैर टूट गया है। घटना के बाद सभी को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार अहले सुबह धनबाद पुलिस ने भागाबांध ओपी क्षेत्र और जोड़ापोखर ओपी क्षेत्र के बॉर्डर इलाके में प्रिंस खान के दो गुर्गों का एनकाउंटर किया है। पुलिस की इस एनकाउंटर में प्रिंस खान के दो गुर्गे अमन सिंह उर्फ कुबेर और विक्की डोम के पैर में गोली लगी है जबकि अफजल अमन का भागने के दौरान पैर टूट गया है, जिससे वह घायल हो गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने घटना की पुष्टि की है। एसएसपी ने कहा कि पुलिस के द्वारा एनकाउंटर की गई है जिसमें दो को पैर में गोली लगी है जबकि एक आरोपी का पैर टूटा है। पैर में गोली लगने वालों में अमन सिंह और विक्की डोम शामिल है। वहीं पैर टूटने वाला का नाम अफजल अमन है। एसएसपी ने बताया कि अमन सिंह पलामू का जबकि विक्की डोम और अफजल अमन दोनों धनबाद का ही रहने वाला है। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही प्रिंस खान के गुर्गों ने पुलिस के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें दो अपराधियों के पर में गोली लगी है जबकि खंडहरनुमा बिल्डिंग से कूदने के क्रम में एक अपराधी का पैर फैक्चर हो गया है। एसएसपी ने कहा कि कितने की संख्या में अपराधी थे, यह कहना अभी मुश्किल है। फिलहाल पुलिस की सघन जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम भी पहुंच रही है।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के काचन स्थित गुरियाही में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के सागर जिले के मंगरदहा निवासी अरविंद मगरधा के रूप में हुई है। वह पिछले 15 साल से गुरियाही में अपने ससुर नंदू मोची के घर रह रहा था।

जेटेट परीक्षा में होगा बड़ा बदलाव

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) की नई नियमावली को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और इसे 31 मार्च तक फाइनल किए जाने की तैयारी चल रही है। राज्य का स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है ताकि लंबे समय से इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को जल्द स्पष्ट दिशा मिल सके।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला की मौत

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे की है। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने नेशनल हाइवे को जाम कर दिया जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मॉर्निंग वॉक के दौरान सुबह टहलने निकली महिला को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट मामले में टीओपी प्रभारी और टाइगर टीम निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट मामले में प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हो गई है। एलपीजी डीलर के लाइसेंस को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं लापरवाही बरतने के आरोप में टीओपी-3 के प्रभारी समेत टाइगर मोबाइल के जवानों को निलंबित कर दिया गया है। दरअसल पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के बैरिया चौक के पास रविवार को एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हुआ था। इस ब्लास्ट की चपेट में आने से चार लोग घायल हुए थे। पलामू में जिस जगह पर ब्लास्ट हुआ था, वहां पर एक गैस एजेंसी का डंप सिलेंडर रखा हुआ था। पूरे मामले में प्रशासन और पुलिस की टीम अलग-अलग जांच कर रही है। अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने रविवार को घटनास्थल का जायजा लिया था। संबंधित डीलर का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की गई है और उनके खिलाफ अन्य कानूनी कार्रवाई के बिंदुओं पर योजना तैयार की जा रही है। पलामू डीसी समीरा एस ने मामले में प्रशासनिक कार्रवाई की पुष्टि की है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई थी कि घटनास्थल पर खाली और भरा हुआ चार दर्जन के करीब एलपीजी सिलेंडर मौजूद थे लेकिन सोमवार को घटनास्थल से मात्र 18 एलपीजी सिलेंडर होने की पुष्टि हुई। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि लापरवाही बरतने के मामले में टीओपी-3 के प्रभारी समेत पूरी टीम को निलंबित किया गया है। घटनास्थल से कुछ सिलेंडर गायब मिले हैं। इधर पलामू के हरिहरगंज के पथरा ओपी में तैनात मंटू कुमार को टीओपी-3 का नया प्रभारी बनाया गया है। पाटन थाना में तैनात एएसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह को पथरा ओपी का नया प्रभारी बनाया गया है।

सीएम, स्पीकर सहित कई माननीयों ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ब्लड की कमी को दूर करने के उद्देश्य से राज्य सरकार इन दिनों ब्लड डोनेशन कैंप लगाने पर जोर दिया है। बजट सत्र के दौरान झारखंड विधानसभा में सोमवार को ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो, मंत्री दीपिका पांडे सिंह के अलावा कई विधायक और विधानसभा सचिवालय के कर्मियों ने रक्तदान किया। इस मौके पर स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने कहा कि यह महादान है जिसके माध्यम से किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि खून की कमी की वजह से जान गंवाने वाले लोगों के लिए जरूर रक्तदान करना चाहिए। खून किसी लैब में नहीं बनता है बल्कि आदमी के शरीर में यह रहता है जिसे हर छह महीने पर डोनेट

किया जाय तो शरीर के लिए फायदेमंद होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ महिला एवं पुरुष को रक्तदान करना चाहिए। रक्त की कमी से प्रत्येक साल न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता है तो सड़क दुर्घटना हो या कोई अन्य गंभीर बीमारी से हजारों लोगों की समय जान चली जाती है। रक्तदान करना बहुत जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में रक्त की कोई कमी नहीं होती है छह माह में आप रक्तदान कर सकते हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि रक्त की कमी के कारण कई लोग परेशान होते हैं ऐसे में रक्तदान जरूर करना चाहिए जिससे विपरीत परिस्थिति में किसी की जान बच सके। झारखंड हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में अपने एक फैसले में कहा था कि सूबे के किसी भी अस्पताल में मरीजों या उनके परिजनों से खून के बदले खून की मांग नहीं की जा सकती। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि जरूरतमंद मरीज को खून मुहैया कराना अस्पताल और संबंधित ब्लड बैंक की जिम्मेदारी है। किसी भी परिस्थिति में मरीज या उनके परिजनों पर डोनर लाने का दबाव नहीं बनाया जा सकता। अगर कोई अस्पताल या ब्लड बैंक इस आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

दो युवकों को हाइवा ने कुचला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। अपने परिवार के साथ ईद का त्योहार मनाने अपने घर जा रहे दो युवकों को विपरीत दिशा से आ रहे एक हाइवा ने सीधी टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने थोड़ी देर के लिए एनएच 114ए को जाम कर दिया। दरअसल देवघर में रहकर कबाड़ी खरीदने और बर्तन वगैरह सामानों की फ़ेरी करने वाले हारून शेख और बाबुल अली शेख सोमवार को एक ही बाइक से अपने घर बीरभूम जिला के रामपुरहाट थाना क्षेत्र के बेलडंगा गांव स्थित अपने घर जा रहे थे। रास्ते में दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार के समीप विपरीत दिशा से स्टोन चिप्स लोड कर आ रहे एक हाईवा ने उनकी बाइक को सीधे ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हारून शेख

और बाबुल अली के जिस्म के चिथड़े उड़ गए और मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान उनके अन्य साथियों ने की। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस दुर्घटना की जानकारी पाकर शिकारीपाड़ा सीओ कपिलदेव ठाकुर और थाना प्रभारी अमित लकड़ा जैसे ही मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी और सड़क जाम कर दिया। लोगों का कहना है कि आये दिन सड़क दुर्घटना होती है पर प्रशासन किसी तरह का कोई ठोस कदम नहीं उठाता। इससे लगातार लोगों की बेवजह जान जा रही है। साथ ही वे मृतकों के लिए मुआवजा की भी मांग करने लगे। इधर प्रशासन ने हाइवा को पकड़ लिया। काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों को सीओ और थाना प्रभारी ने समझा-बुझाकर शांत किया। सीओ कपिलदेव ठाकुर ने बताया कि हमने यह आश्वस्त किया है कि दुर्घटना रोकने के लिए अब जो भी मालवाहक वाहन शिकारीपाड़ा बाजार के पास पहुंचेगा उसे अपनी गति अत्यंत धीमी करनी होगी। चालक का सहयोगी (खलासी) वाहन से उतरकर गाड़ी के आगे-आगे चलेगा ताकि हादसे पर अंकुश लगे। साथ ही हाईवा ने दोनों युवकों को ठोकर मारी है, उससे इंश्योरेंस वगैरह का क्लेम भी परिजनों को दिलाने में प्रशासन सहयोग करेगा।

छापेमारी में 70 सिलेंडर जब्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। शहरी क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में अभी भी लोग आपदा में अवसर तलाश रहे हैं। गढ़वा सदर एसडीएम संजय पांडेय द्वारा रसोई गैस कालाबाजारी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गयी है। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में सदर प्रखंड के हूर गांव में छापेमारी कर 70 एलपीजी सिलेंडर से लदा एक पिकअप वाहन जब्त किया गया है। इसमें 17 सिलेंडर भरे हुए जबकि 53 सिलेंडर खाली थे। बड़ी मात्रा में खाली सिलेंडर मिलने से ग्रामीणों के उस आरोप की पुष्टि हुई कि गांव में एक व्यक्ति द्वारा सिलेंडर बेचने का काम किया जा रहा है। एसडीएम संजय कुमार को व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया के माध्यमों से हूर गांव में उक्त व्यक्ति के द्वारा ऊंचे दाम पर गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त हो रही थी। सूचना के सत्यापन के पश्चात एसडीएम ने ग्राम हूर स्थित सचिन चौबे के ठिकाने पर औचक छापेमारी की तो घर के बाहर ही अहाते में सिलेंडरों से भरा हुआ वाहन खड़ा मिल गया। मौके पर मौजूद सचिन चौबे इन भरे और खाली सिलेंडरों के स्रोत और वितरण के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज या संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में विफल रहे। मामला संदिग्ध पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया। एसडीएम ने अंचलाधिकारी शफी आलम और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल मिंज के साथ ग्राम हूर स्थित सचिन चौबे के पास से मिले इन सिलेंडरों की गिनती करवाई। अधिकारियों ने जब्त किए गए इस स्टॉक को जनहित और सुरक्षा की दृष्टि से कल्याणपुर स्थित भारद्वाज भारत गैस एजेंसी की सुपूर्दगी में दे दिया। एसडीएम के आदेश पर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कराया है।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका के मानदेय में वृद्धि को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका का मानदेय घोषणा के अनुरूप नहीं बढ़ाए जाने के विरोध में भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। हाथों में तख्ती लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों ने इस दौरान सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने इस मौके पर सरकार के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बात कही जाती है वहीं दूसरी ओर इन सहिया बहनों का मानदेय नहीं बढ़ाया जाता है। चुनाव के वक्त बड़ी-बड़ी बातें कहकर महिलाओं से वोट लेने का काम किया गया और जब वक्त उन वादों को पूरा करने का आया तो सरकार इन्हें ठगने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका हों या रसोइया दीदी या जेएसएलपीएस के कर्मचारी-पदाधिकारी हों, सभी को इस सरकार ने ठगने का काम किया। 2019 और 2024 के चुनाव में बड़ी-बड़ी घोषणा की गई और मानदेय बढ़ाने की बात जब उठने लगी तो सरकार

उससे मुकर गई है। इसके विरोध में आज सभी सड़क पर हैं और आंदोलन कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके आंदोलन का समर्थन करती है और सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन तेज किया जायेगा। भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता ने कहा कि इतने कम पैसे में यह दीदियां काम करती हैं, इन्हें सम्मानजनक मानदेय दिलाने के लिए हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार को चाहिए कि इनसे जो वादा किया गया था उसे जरूर पूरा करें। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने विपक्ष के आंदोलन पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं सबसे ज्यादा काम करता हूं। उसके बाबजूद सबसे अधिक मुझे ही टारगेट किया जाता है। उन्होंने कहा कि सहिया का मानदेय भले ही 2000 रुपए है मगर स्कीम के तहत उन्हें 15 हजार रुपए मिलते हैं। हाल ही में हमलोगों ने उन्हें टैब दिया है। इस तरह से लगातार उनकी सुविधा बढ़ाई जा रही

खेत पटवन को लेकर हुए विवाद में बुजुर्ग की हत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पतरा कला इलाके में खेत पटवन विवाद में एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। बुजुर्ग के साथ मारपीट का आरोप उनके ही रिश्तेदारों पर लगा है। बुजुर्ग की मौत के बाद नाराज परिजनों ने हुसैनाबाद-छतरपुर रोड को जाम कर दिया। बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने-बुझाने के बाद सड़क जाम खोल दिया गया है। दरअसल हुसैनाबाद के पतरा कला के रहने वाले जय नारायण यादव रविवार को बाइक से जा रहे थे, इसी क्रम में तीन लोगों ने उन्हें रोका था और लाठी-डंडे से उनकी पिटाई की थी। गंभीर हालत में उन्हें हुसैनाबाद के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल रेफर कर दिया। बाद में मेडिकल कॉलेज ने भी बेहतर इलाज के लिए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया था। रिम्स में इलाज के क्रम में जगनारायण यादव की मौत हो गई।

धनवार में धावा दल की कार्रवाई, तीन बाल मजदूरों का रेस्क्यू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । गिरिडीह जिले के राजधनवार प्रखंड में बाल एवं किशोर श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे पैन इंडिया रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन अभियान के तहत धावा दल ने कार्रवाई करते हुए तीन बाल मजदूरों को मुक्त कराया। रेस्क्यू किए गए बच्चों को आगे की कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति, गिरिडीह के समक्ष प्रस्तुत किया गया जानकारी के अनुसार, राजधनवार प्रखंड में श्रम प्रवर्तन अधिकारी दीपिका कुमारी के नेतृत्व में धावा दल ने सूचना के आधार पर हिन्दुस्तान गैरेज और रॉकस्टार होटल में छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान वहां तीन नाबालिग बच्चों से काम कराया जा रहा था। जांच में बाल श्रम की पुष्टि होने पर टीम ने तत्काल बच्चों को वहां से मुक्त कराया रेस्क्यू के बाद बच्चों को आवश्यक देखभाल और कानूनी प्रक्रिया के तहत बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उनके पुनर्वास और आगे की सहायता के लिए निर्देश दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि बाल श्रम एक गंभीर अपराध है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी अभियान में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम, गिरिडीह की टीम ने भी अहम भूमिका निभाई। संस्था की ओर से कार्यक्रम समन्वयक उत्तम कुमार, उज्जवल मिश्रा, रूपा कुमारी तथा सामुदायिक कार्यकर्ता उत्तम कुमार सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

टीम के सदस्यों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा और सुरक्षित बचपन मिलना उनका अधिकार है, इसलिए समाज के सभी लोगों को बाल श्रम के खिलाफ आगे आकर सहयोग करना चाहिए। वहीं श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों को जागरूक करते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम कराना कानूनन अपराध है धावा दल ने स्पष्ट किया कि जिले में बाल श्रम के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और जहां भी बच्चों से अवैध रूप से काम कराया जाएगा, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की हत्या कर शव गंगा में बहाया, आरोपित पति गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ । इस्लामपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को गंगा नदी में बहा दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मृतिका की पहचान 30 वर्षीय कांति देवी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति 35 वर्षीय अंतेश कुमार है। घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला के पिता जहानाबाद जिले के काको थाना क्षेत्र के देवचंद बिगहा निवासी योगेंद्र प्रसाद ने अपनी बेटी की गुमशुदगी को लेकर इस्लामपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान संदेह के आधार पर आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच के क्रम में पुलिस को एक महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसके आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

नगर निगम के उप महापौर पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ उप विकास आयुक्त सह निवार्ची पदाधिकारी उप महापौर स्मृता कुमारी ने औपचारिक घोषणा करते हुए सुमित कुमार को नगर निगम का उप महापौर निर्वाचित किया घोषित

गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में नगर निगम के उप महापौर पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। निर्धारित कार्यक्रम के तहत समाहरणालय सभागार में निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस अवसर पर नगर निगम के सभी नव निर्वाचित वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी, नगरपालिका की देखरेख में उप महापौर पद के लिए नामांकन, जांच एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी की गईं। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उप महापौर पद के लिए सुमित कुमार का नाम प्रस्तावित किया गया। निर्धारित समय सीमा के भीतर उनके विरुद्ध कोई अन्य प्रत्याशी सामने नहीं आने के कारण उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उप विकास आयुक्त सह निवार्ची पदाधिकारी उप महापौर स्मृता कुमारी ने औपचारिक घोषणा करते हुए सुमित कुमार को नगर निगम का उप महापौर निर्वाचित घोषित किया। घोषणा के बाद उपस्थित महापौर, श्रीमती प्रमिला मेहरा ने सुमित कुमार को उप महापौर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ के पश्चात जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर सभी वार्ड पार्षदों ने भी सुमित कुमार को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उप महापौर के रूप में श्री सुमित कुमार नगर निगम के विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएंगे उपायुक्त रामनिवास यादव ने नव निर्वाचित उप महापौर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से प्राप्त यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी तथा समर्पण के साथ निभाना आवश्यक है। उपायुक्त ने आशा व्यक्त की कि उप महापौर नगर निगम के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर शहर के समग्र विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उपायुक्त ने विश्वास जताया कि नव निर्वाचित उप महापौर जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम क्षेत्र के विकास और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे शपथ ग्रहण के बाद महापौर, प्रमिला मेहरा ने उप महापौर को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के विकास और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में उप महापौर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। महापौर ने आशा व्यक्त की कि उप महापौर सभी वार्ड पार्षदों एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शहर के समग्र विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे उप विकास आयुक्त, स्मृता कुमारी ने नव निर्वाचित उप महापौर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त समाचार

जिला खनन निरीक्षक हरेंद्र प्रसाद गुप्ता को बालू लदे ट्रैक्टर ने कुचलने का किया प्रयास बाल- बाल बचे, प्राथमिकी दर्ज

मेदिनीनगर/पलामू (नबिटासं)। पलामू जिले में बालू तस्करों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। खनन विभाग बालू की अवैध ढुलाई पर रोक लगाने का प्रयास करता है तो बालू तस्कर इसे विफल करने के लिए जानलेवा हमला भी कर रहे हैं। इसी तरह का वाकया छतरपुर थाने में सोमवार की सुबह घटी है। पलामू जिला खनन विभाग के खान निरीक्षक हरेंद्र प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल अवैध बालू परिवहन को रोकने के लिए सोमवार निरीक्षण करने पहुंचा था। सुबह के 4 से 5 बजे के बीच खान निरीक्षक हरेंद्र प्रसाद गुप्ता छतरपुर थाना क्षेत्र के रूद क्षेत्र में भ्रमण पर थे। इसी क्रम में उन्हें एक बालू लदा ट्रैक्टर आता दिखा। उन्होंने सरकारी वाहन से उतारकर उसे रोकने का इशारा किया। लेकिन ट्रैक्टर चालक उनकी ओर स्टेरिंग काटते हुए कुचलने का प्रयास किया। इस तरह खान निरीक्षक हरेंद्र प्रसाद गुप्ता सहित अन्य पुलिसकर्मी बाल बाल बच गए। गाड़ी को पुनः मोड़कर बालू लदे ट्रैक्टर का पीछा किया गया। लगभग 10 किलोमीटर तक गाड़ी का पीछा किया गया। बारा नहर के पास जगह मिलने पर ओवरटेक करके ट्रैक्टर को रोका गया। इस बीच ट्रैक्टर चालक ने सरकारी वाहन में जोर से धक्का मार दिया। इससे खान निरीक्षक समेत अन्य पुलिसकर्मी व चालक को हल्की चोट आई है। सरकारी वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसी बीच चालक जोर-जोर से हल्ला कर भीड़ जुटाने लगा। इस बीच 40- 50 की संख्या में लोग वहां पहुंच गए। स्थिति को भांपते हुए खान निरीक्षक हरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने उन सभी के सामने छतरपुर थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी। इसी बीच मौका पाकर चालक बालू लदा ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। खान निरीक्षक ने छतरपुर थाना पहुंच कर छतरपुर थाना क्षेत्र के विरुद्ध गांव के उदेश चंद्रवंशी के पुत्र पवन चंद्रवंशी पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करा दी है। इधर पुलिस ट्रैक्टर व ट्रैक्टर मालिक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

मनातू थाना पुलिस ने छोटकी नागद में छापेमारी कर आलोक भारती को 2.860 किलोग्राम अफीम के साथ किया गिरफ्तार

मेदिनीनगर/पलामू (नबिटासं)। गुप्त सूचना के आधार पर मनातू थाना पुलिस द्वारा की गई छापामारी में अवैध मादक पदार्थ (अफीम) के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने मनातू थाना के ग्राम छोटकी नागद स्थित आलोक कुमार भारती उर्फ आलोक भुईयां, पिता - बोघ भारती के घर पर छापामारी की। छापामारी के क्रम में अभियुक्त के घर से मिट्टी के

चूल्हे के बीच छिपाकर रखे दो प्लास्टिक जार में लगभग 2.860 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। अभियुक्त के पास से अफीम की बिक्री से संबंधित 21 हजार 400 रुपये भी बरामद किए गए। पुलिस ने इस संबंध में मनातू थाना में एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 18/29 के अंतर्गत कांड दर्ज कर अभियुक्त आलोक कुमार भारती उर्फ आलोक भुईयां को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को विधिवत जप्त किया व प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय में भेजा। छापामारी अभियान में पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन के साथ पुअनि सह थाना प्रभारी विक्की कुमार, सअनि सनेश राम, सअनि श्रवण दास, सअनि अशोक कुमार रविदास सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

ट्रेनों की संख्या बढ़े, पत्रकारों व बुजुर्गों को फिर मिले किराया में रियायत : सांसद

बिहारशरीफ (नबिटासं)। नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने संसद में वर्ष 2026-27 के रेल बजट पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत अब तक के सबसे बड़े रेल बजटीय प्रावधान की सराहना करते हुए रेल मंत्री और वित्त मंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आम बजट के साथ रेलवे के व्यय के लिए करीब 3 लाख 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8.4 प्रतिशत अधिक है। सांसद ने कहा कि रेलवे देश की लाइफलाइन रही है, लेकिन कोरोनाकाल के दौरान ट्रेनों के संचालन में कमी और किराए में बढ़ोतरी से आम यात्रियों को परेशानी हुई। उन्होंने मांग की कि ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए और सीनियर सिटीजन, पत्रकारों, दिव्यांगजनों तथा 55 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मिलने वाली किराया रियायत को फिर से बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना लंबे समय से लंबित है, जिसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इसके साथ ही फतुहा-इसलामपुर-नटेसर रेलखंड के दोहरीकरण की मांग करते हुए कहा कि इस मार्ग पर भारी माल ढुलाई होने के कारण यात्री ट्रेनों के संचालन में बाधा आती है। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि वर्ष 2026-27 के रेल बजट में बिहार के लिए करीब 10,379 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का प्रस्ताव है। इसके अलावा 14 वंदे भारत और 21 अमृत भारत ट्रेनों के संचालन, वाराणसीझपटनाझसिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर तथा गया जंक्शन सहित पूर्व मध्य रेलवे के 15 स्टेशनों के पुनर्विकास की योजना शामिल है। उन्होंने कहा कि बिहार में 98 रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा और राज्य में लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। सांसद ने अपने संसदीय क्षेत्र नालंदा से जुड़ी कई मांगें भी रेल मंत्री के समक्ष रखीं। इनमें रामपुर-बमपुर हाल्ट पर टिकट काउंटर की व्यवस्था, ओंदा, तिउरी, आमावां और कैड़ी गांव में रेलवे हाल्ट का निर्माण, कुकहरिया के पास आरओबी/आरयूबी का निर्माण, राजगीर और बिहारशरीफ स्टेशन पर कोच डिस्प्ले बोर्ड और नेशनल इंक्वायरी सिस्टम लागू करने की मांग शामिल है।

नगर निगम के महापौर व वार्ड पार्षदों ने ली शपथ

प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में गिरिडीह नगर निगम के नव निर्वाचित महापौर प्रमिला मेहरा तथा सभी वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय स्वशासन की नई शुरूआत का प्रतीक बना।

महापौर एवं वार्ड पार्षदों ने संविधान के प्रति पूर्ण निष्ठा रखते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान सभागार में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के विकास में महापौर और वार्ड पार्षदों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा जताई कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए नगर के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत स्थानीय निकायों में निहित होती है। जब जनप्रतिनिधि ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हैं तो विकास की गति तेज होती है और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं उपायुक्त रामनिवास यादव ने भी नव निर्वाचित महापौर और वार्ड पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने जिन उम्मीदों और विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उस पर खरा उतरना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने भी सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए शहर के विकास, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की इस अवसर पर नव निर्वाचित महापौर प्रमिला मेहरा ने नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में आरके महिला महाविद्यालय की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । आर.के. महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है।महाविद्यालय की छात्रा रूपा कुमारी और पौलोमी सरकार ने विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, हजारीबाग की ओर से आयोजित 39वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लिया।

यह महोत्सव साथयाबामा इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई में 10 से 14 मार्च तक आयोजित हुआ था। प्रतियोगिता में रूपा कुमारी ने हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। वहीं पौलोमी सरकार ने वेस्टर्न सोलो और वेस्टर्न ग्रुप प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया इसके अलावा एनएसएस राष्ट्रीय एकता शिविर, जो न्योटिआ यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल में 10 से 16 मार्च तक आयोजित हुआ, उसमें महाविद्यालय की छात्रा रिया कुमारी ने निबंध प्रतियोगिता तथा रील मेकिंग टीम झारखंड में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एन. शर्मा ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार से बिहार ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद झारखंड से शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में तिसरी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार से बिहार ले जाई जा रही भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब को जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने प्रेस वार्ता कर दी एसडीपीओ ने बताया कि तिसरी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की वोल्क्सवैगन वेंटो कार से अंग्रेजी शराब की तस्करी कर बिहार ले जाई जा रही है।

सूचना के आधार पर तिसरी थाना प्रभारी रंजय कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर पल्मरुआ जंगल के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया चेकिंग के दौरान पुलिस को देख तस्करों में अफरा-तफरी मच गई और एक आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने जमुई जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय सुमित कुमार पिता उमेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया एसडीपीओ ने बताया कि इस तस्करी गिरोह में कुल पांच आरोपी शामिल हैं। गिरोह का मुख्य सरगना लखीसराय निवासी मोहित कुमार बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य चार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।पुलिस ने मौके से 33 कार्टन में कुल 792 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब एक वीवो मोबाइल फोन तथा वोल्क्सवैगन वेंटो कार रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच-01ए क्स-5216 जब्त किया है इस छापेमारी अभियान में तिसरी थाना प्रभारी रंजय कुमार, निरंजन राय, मुकेश कुमार, राहुल यादव सहित अन्य पुलिस जवान शामिल थे।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर सलूजा गोल्ड कॉलेज का जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिक्स द्वारा सोमवार को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस उत्साह और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मोतीलेदा गांव में टीकाकरण के महत्व को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया अभियान के दौरान कॉलेज के छात्रों ने ग्रामीणों से संवाद कर टीकों के लाभ, संक्रामक रोगों की रोकथाम में टीकाकरण की भूमिका तथा बच्चों और वयस्कों के लिए समय पर टीकाकरण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

साथ ही लोगों को सरकार द्वारा निर्धारित टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया इस दौरान छात्रों और संकाय सदस्यों ने टीकों से जुड़ी भ्रांतियों और गलत धारणाओं को भी दूर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ समाज का निर्माण करना था कॉलेज के निदेशक जोरावर सिंह सलूजा ने छात्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज की बेहतरी के लिए भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

जमुआ में सरकारी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की मांग को विधायक मंजू कुमारी ने सदन में उठाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जमुआ की विधायक मंजु कुमारी ने झारखंड विधानसभा में जमुआ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जमुआ एवं देवरी प्रखंड में सरकारी नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में एक भी सरकारी नर्सिंग कॉलेज नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ता है विधायक मंजु कुमारी ने सदन में कहा कि नर्सिंग कॉलेज के अभाव में कई छात्र-छात्राओं को मजबूरी में महंगे निजी संस्थानों में नामांकन लेना पड़ता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे नर्सिंग की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए कहा कि यदि जमुआ विधानसभा क्षेत्र में सरकारी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाती है तो इससे क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर छात्राओं को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा। साथ ही इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी विधायक मंजु कुमारी ने सरकार से आग्रह किया कि जमुआ विधानसभा क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि क्षेत्र के युवाओं का भविष्य संवर सके।

झारखंड का विकास कार्य है ठप, सरकार हो गई है अंधी व बहरी : पंकज सिंह

मनरेगा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पांचवें दिन जारी, सरकार मनरेगा कर्मियों की शीघ्र मांग करे पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पूरे झारखंड का विकास कार्य ठप है। मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से गरीबों को रोजगार नहीं मिल रहा है। मनरेगा कर्मियों की मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। छह माह से वेतन का भुगतान भी नहीं हुआ है। झारखंड सरकार अब पूरी तरह से अंधी व बहरी हो गई है। उक्त बातें झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के पलामू जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कही। वे सोमवार को स्थानीय शिवाजी मैदान में झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर धरना पर बैठे थे।

धरना के पांचवें दिन पंकज सिंह ने कहा कि मनरेगा कर्मियों की जब तक मांग पूरी नहीं होगी, हड़ताल किसी भी हाल में नहीं टूटेगा। इसके पूर्व संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास पांडेय ने कहा कि झारखंड के 350 जिले में 6000 से ज्यादा मनरेगा कर्मी स्थायीकरण की बाट बरसों से जोह रहे हैं। लेकिन राज्य सरकार को मनरेगा कर्मियों की फिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्थायीकरण नीति लाना होगा। उन्होंने कहा कि मृत मनरेगाकर्मी को उचित मुआवजा देना होगा। उन्होंने कहा कि बेगुनाह मनरेगा कर्मियों को बर्खास्त करने की कार्रवाई की गई है। बर्खास्त मनरेगा कर्मियों को पुणः बहाल करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में शत प्रतिशत विकास कार्य ठप पड़ गए हैं। मगर सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है।समान वेतन संरचना व सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर रोजगार सेवक पुष्पा तिवारी ने कहा कि संघ ने 9, 10 व 11 मार्च को सांकेतिक हड़ताल किया था। प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर मंत्री तक को मांग पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई गई थी। उनकी मांग नहीं माने जाने पर 12 मार्च से वे सभी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। लेकिन सरकार चुप्पी साधे खड़ी है। उन्होंने कहा कि 6 माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है इस कारण उन सब की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। मौके पर संघ के प्रदेश संयोजक देवेन्द्र उपाध्याय, रामाकांत तिवारी, संजीव गुप्ता, अमोद सिंह, कृष्णा राम, श्रीकांत सिंह, मनोज चौबे, संजय कुमार सूरज, उमेश पाण्डेय, अनुज कुमार, नवीन कुमार, अख्तर हुसैन, सुषमा कुमारी, अनुपा टोप्पो, प्रेम सागर सिंह, रविंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मी आंदोलन में शामिल थे।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष निःशुल्क शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ । जिला द्विव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, नालंदा की ओर से छत्र योजना (सम्बल) के अंतर्गत वितरित बैट्री चालित तिपहिया साइकिलों की तकनीकी मरम्मत एवं खराब बैट्री/चार्जर बदलने के लिए सोमवार को विशेष निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला द्विव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, नालंदा कार्यालय में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन वरीय उप समाहर्त्ता सह सहायक निदेशक प्राची रिया के नेतृत्व में किया गया। इसमें बिहारशरीफ, हरनौत, रहुई, नूरसराय प्रखंड तथा नगर निगम बिहारशरीफ क्षेत्र के दिव्यांगजन लाभुकों ने भाग लिया। शिविर में कुल 17 लाभुक पहुंचे, जिनमें से 11 लाभुकों की बैट्री चालित तिपहिया साइकिलों की तकनीकी खराबी को मौके पर ही ठीक कर दिया गया।

गैस वितरण व्यवस्था को लेकर गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। उपायुक्त आर० रॉनिटा के निर्देशानुसार आज अनुमंडल कार्यालय, खूंटी में अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी की अध्यक्षता में जिले में एलपीजी गैस वितरण से संबंधित सभी गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी भीम उरांव भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता, उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिलने की शिकायत, ओटीपी प्राप्त न होने तथा गैस की संभावित कालाबाजारी से संबंधित विभिन्न शिकायतों एवं विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सभी गैस एजेंसी संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिले में एलपीजी गैस की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। किसी भी परिस्थिति में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए। इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण एवं छापेमारी करने हेतु विशेष दल का गठन भी किया गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि गैस वितरण के दौरान किसी भी प्रकार की विधि-व्यवस्था से संबंधित समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचित किया जाए, ताकि आवश्यकता अनुसार पुलिस बल उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्य आवश्यक संस्थानों में कॉमर्शियल गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सभी सक्रिय उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए भी सभी एजेंसियों को निर्देशित किया गया।

कोडरमा की अंडर 23 और 19 महिला क्रिकेट टीम के गठन की तैयारी शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा पुलिस लाइन मैदान में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जाने वाले इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 और अंडर 23 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए कोडरमा की अंडर 23 और अंडर-19 टीम बनाने को लेकर गठन की प्रक्रिया पिछले कई दिनों से हो रही है। लड़कियों के लिए कैंप आयोजित कर और प्रैक्टिस मैच का आयोजन कर क्रिकेट की बारीकियों को केडीसीए के पदाधिकारी ओम प्रकाश, राजू रंजन सिन्हा और भीम गोस्वामी के द्वारा सिखाया जा रहा है। ज्ञात हो कोडरमा के शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी लड़कियों ने क्रिकेट खेलने में दिलचस्पी दिखाई है। फल स्वरुप पिछले दो-तीन वर्षों से कोडरमा की महिला क्रिकेट टीम जेएससीए द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में भाग ले रही है। आगामी 24 मार्च से होने वाले इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 23 टूर्नामेंट में कोडरमा की अंडर 23 महिला क्रिकेट टीम भाग लेगी।

'विकसित भारत युवा संसद' कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। माय भारत, झारखण्ड द्वारा 'विकसित भारत युवा संसद' की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 17 मार्च से 18 मार्च 2026 तक रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के सभागार में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में झारखण्ड के सभी जिलों से चयनित युवा प्रतिभागी भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन 17 मार्च 2026 को प्रातः 11:00 बजे से किया जाएगा। यह कार्यक्रम 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को दिए गए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता का विषय है — "केंद्रीय बजट 2026: विकसित भारत 2047 की ओर भारतीय युवाओं के मार्ग को सुदृढ़ बनाना"। 'विकसित भारत युवा संसद' कार्यक्रम जिला स्तर से प्रारंभ होकर राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित किया जाता है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित शीर्ष पांच प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। राज्य स्तर पर चयनित शीर्ष तीन विजेताओं को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभागी दिए गए विषय पर अपने विचार स्पष्टता और तार्किकता के साथ प्रस्तुत करेंगे। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता, विभिन्न विचारों को समझने की प्रवृत्ति, नियमों के प्रति सम्मान तथा विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। साथ ही युवाओं को अपने विचार नीतिनिर्धारकों तक पहुंचाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर मीडिया के सभी प्रतिनिधियों को कार्यक्रम की कवरेज हेतु सादर आमंत्रित किया जाता है।

पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने की दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त आर० रॉनिटा के निर्देशानुसार जिला पशुपालन प्रांगण, खूंटी में जिला स्तरीय पशु मेला सह पशु प्रदर्शनी 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 209 पशुपालकों ने भाग लिया। इस अवसर पर पशुपालकों को उन्नत एवं वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा पशु-पक्षियों के नियमित टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों को राज्य सरकार की मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना तथा केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे एनएलएम, एलएचडीसीपी, एनएआईपी एवं मादा पशु गर्भाधान योजना के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही टीकाकरण कराने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया तथा पशुपालकों को बेहतर एवं वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान झारखंड सरकार के विभागीय संयुक्त निदेशक डॉ० विपिन बिहारी महथा ने भी उपस्थित होकर पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी दी और उन्हें आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ० अभिमन्यु प्रसाद (जिला पशुपालन पदाधिकारी, खूंटी), डॉ० संजय प्रसाद (पशु शल्य चिकित्सक), डॉ० नवीन कुमार आर्य (अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी), डॉ० जेनेट भगत (आदर्श ग्राम पदाधिकारी) सहित जिले के सभी प्रखंडों के पशुपालन पदाधिकारी एवं एमवीयू पशु चिकित्सक उपस्थित रहे। इस

अवसर पर पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन के गुर भी बताए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रखंड स्तर पर चयनित प्रगतिशील पशुपालकों — प्रियामिंज (ग्राम-कुडलुड, कर्रा), निमिषान मुंडा (ग्राम-रायसिमला, तोरपा), गोमा हस्सा (ग्राम-तोरपा कोल, खूंटी), मनोज कुमार मांझी (ग्राम-धायरा, मुरहू) तथा नगर पंचायत क्षेत्र के उमेश कुमार महतो एवं कार्तिक राम गोंझू को सम्मानित किया गया। पशु प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को भी पुरस्कृत किया गया। बकरी पालन में प्रथम पुरस्कार सचिन कुमार (ग्राम-कोडाकेल, मुरहू), द्वितीय पुरस्कार रामेश्वर गोप (ग्राम-बरवाजा, कर्रा) तथा तृतीय पुरस्कार श्री रामधन काशी (ग्राम-कुमांग, तोरपा) को प्रदान किया गया। सूकर पालन के लिए बहलेन भेंगरा (ग्राम-निधिया, कर्रा) को पुरस्कृत किया गया। वहीं भेड़ पालन के लिए सावित्री देवी (ग्राम-बांदु, अड़की) तथा कुक्कुट पालन में कैलाश काशी (ग्राम-कुमांग, तोरपा) को सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी देना, पशुधन की गुणवत्ता में वृद्धि करना तथा पशुपालन के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का सफल आयोजन, युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, खूंटी द्वारा 16 मार्च 2026 को नियोजनालय परिसर में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक दंडाधिकारी विपिन चन्द्र विश्वास, जिला नियोजन पदाधिकारी खूंटी आनंद कुमार, सहायक रोजगार अधिकारी श्री अनुज कुमार तथा भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति के प्रतिनिधियों एवं

नियोजकों की गरिमामयी उपस्थिति में संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार ने उपस्थित अभ्यर्थियों का स्वागत करते हुए नियोजनालय द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं जैसे पंजीकरण, कैरियर काउंसलिंग, पुस्तकालय, आईटी लैब आदि की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि समय-समय पर रोजगार मेले एवं भर्ती कैंप का आयोजन कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार से जुड़ने के लिए jharniojan.jharkhand.gov.in पोर्टल पर स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं या जिला नियोजनालय, खूंटी में उपस्थित होकर भी अपना निबंधन करा सकते हैं। रोजगार मेले के दौरान अतिथियों ने विभिन्न नियोजकों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध रिक्तियों और सेवाभार्ती से संबंधित जानकारी प्राप्त की। कुछ अभ्यर्थियों को चयन के उपरांत मौके पर ही नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इस रोजगार मेले में कुल 19 नियोजकों ने भाग लिया तथा लगभग 550 आवेदकों ने पंजीकरण कराया।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मरकच्चो (कोडरमा)। मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत मुर्कमनाय पंचायत के गांव योगियाटील्लाह की एक विवाहित महिला द्वारा फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है। मृतका की पहचान ममता देवी 32 वर्ष पति राजेश नाथ गोस्वामी के रुप में हुई है। मृतका के तीन पुत्र तथा दो बेटी है जिसमें एक बड़ा पुत्र विकलांग है वह लाचारी से जीने को मजबुर है। जानकारी के अनुसार राजेश दिल्ली में दिहाड़ी मजदूर का काम करता है जो पिछले दिनों घर आया था। जहां बुढ़ी मां के साथ पति-पत्नी दोनों ठिक ठाक रह रहे थे।रविवार सुबह राजेश दोनों पति-पत्नी तालाब से स्नान कर घर पहुंच कर खाना बनाकर सभी परिवार मील कर खाए चुंकि राजेश को रविवार को ही दिल्ली जाना था। राजेश जाने से पहले घर का खाने का सामन लाकर रख दिया और अपनी पत्नी को समझा बुझाकर घर से ट्रेन पकड़ने के लिए वह कोडरमा स्टेशन निकल गया। अभी वह ट्रेन बैठा भी ना था की फोन के माध्यम से खबर मीला की पत्नी ममता ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी है।खबर सुनकर राजेश रात की वजह से वापस न आसका सोमवार की सुबह वह घर पहुंचा। उक्त घटना की जानकारी सबसे पहले उनके लड़के को हुई शोर मचाने पर मुहल्ले के लोग दौड़कर आए तब तक उसकी जान जा चुकी थी। घटना की सूचना देर रात मरकच्चो थाना पुलिस को मिली। सोमवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना से गांव में गमगीन का माहौल है और मृतका के परिवारजनों रो रो कर हाल बुरा है।

साल व करंज बीज के संग्रहण एवं विपणन को सुदृढ़ बनाने हेतु कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले में लघु वनोपज के संग्रहण, क्रय एवं विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एआरसीएस कार्यालय, खूंटी में "साल एवं करंज बीज के संग्रहण एवं विपणन" विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला सहकारिता पदाधिकारी रवीन्द्र दास तथा सहायक निबंधक, सहयोग समितियां खूंटी कुमारदीप एक्का की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यशाला में क्रय एजेंसियों की ओर से Belpro India Pvt. Ltd. की प्रतिनिधि सुश्री ईशिका ने साल बीज क्रय से संबंधित जानकारी साझा की, वहीं Terviva India Pvt. Ltd. की प्रतिनिधि सुश्री अनन्या सिंह ने करंज बीज क्रय प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों एवं बाजार की मांग से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सिद्धकोफेड के वरिष्ठ प्रबंधक (ट्रेड एवं मार्केटिंग) कुमार सौरव तथा उत्पादन एवं भंडारण सलाहकार रोहित कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न एमपीसीएस एवं एफपीओएस के प्रतिनिधियों के साथ संवादात्मक सत्र में भाग लेते हुए संग्रहण, भंडारण, गुणवत्ता प्रबंधन एवं विपणन से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य साल एवं करंज बीज के संग्रहण, क्रय एवं विपणन तंत्र को सुदृढ़ बनाना तथा सहकारी समितियों एवं उत्पादक संगठनों को बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ना था। इस दौरान प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला की रूपरेखा साझा की गई तथा गुणवत्ता मानकों, क्रय प्रक्रिया एवं मूल्य निर्धारण तंत्र से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिससे सहभागी संस्थाओं एवं हितधारकों को बाजार की अपेक्षाओं तथा क्रय प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हुई। यह कार्यशाला सरकारी अधिकारियों, क्रय एजेंसियों, सहकारी संस्थाओं तथा उत्पादक संगठनों के बीच ज्ञान-साझाकरण एवं समन्वय को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई। इससे जिले में लघु वनोपज आधारित आजीविका को सशक्त करने तथा टिकाऊ एवं सुदृढ़ मूल्य श्रृंखला के विकास को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद जताई गई।

मकानों के गणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ संपादित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर जिला/चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 18 मार्च तक संचालित होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त आर० रॉनिटा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, उप निदेशक जनगणना निदेशालय, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपायुक्त आर० रॉनिटा ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण करने तथा भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ संपादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े भविष्य की योजनाओं

एवं नीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं। इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सजगता के साथ करें। उपायुक्त ने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दें, जिससे किसी भी प्रकार की शंका या जानकारी का अभाव न रहे, सभी को इसकी जानकारी हो एवं सभी के सहयोग से बिना किसी त्रुटि के सफलतापूर्वक गणना कार्य का निष्पादन हो सके। वहीं भारत की जनगणना 2027 को लेकर जारी मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ने एवं इसके अनुरूप कार्य करने के निर्देश एवं शुभकामनाएं दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उप निदेशक जनगणना निदेशालय द्वारा भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी संबंधित अधिकारियों को उनके कार्य एवं उत्तरदायित्वों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह बताया गया कि किस प्रकार सही एवं वैध डाटा को समय पर संग्रहित कर उसे निर्धारित प्रणाली में सिंक किया जाएगा, ताकि गणना कार्य का सफलतापूर्वक निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को से संबंधित सभी आवश्यक कार्यों की समय-सीमा (टाइमलाइन) की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रचार-प्रसार के माध्यम से आमजनों को भी जनगणना के महत्व एवं प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जाए, ताकि जनगणना कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

युवक को मारपीट कर जख्मी करने का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तिताई बिगहा पार्क के समीप पुरानी विवाद को लेकर कुछ लोगों ने एक 18 वर्षीय युवक की जमकर पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और घटनास्थल पर ही मूर्छित अवस्था में काफी देर तक पड़ा रहा। उसी रास्ते गुजर रहे डायल 112 के पुलिसकर्मियों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां के चिकित्सकों ने उपचार किया। जख्मी युवक की पहचान रिसियप थाना क्षेत्र के शिवन बिगहा गांव निवासी रविशंकर सिंह के पुत्र रौनक कुमार के रूप में हुई है। मामले से संबंधित जख्मी रौनक की मां चिंता देवी ने रिसियप थाना में आवेदन दिया है। जख्मी रौनक की मां चिंता देवी ने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रिसियप थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है आगे की कार्रवाई जारी है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. एएसएन/एडीवीटी/27/03 **दिनांक** 10.03.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **कैटलॉग सं.:** एएसएन-एडीवीटी-27-03, **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** दिनांक 27.03.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. एवं विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एडीवीटी-एएसएन-एएसएन-ओएसडी-179-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-(डिजिटल)), आसनसोल स्टेशन में एन्क्वायरी के पास प्लेटफॉर्म 2 में मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर वाणिज्यिक विज्ञापनों के दायरे के साथ रेलवे से संबंधित सूचना के प्रदर्शन के लिए 1 वीडियो वॉल की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध। **एबी/1,** एडीवीटी-एएसएन-बीडीएमई-ओएसएन-170-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), व्यवहार्य स्थान पर नॉन-लिट मीडिया के रूप में बैद्यनाथ धाम स्टेशन के अंदर 500 वर्ग फुट क्षेत्र का व्यावसायिक विज्ञापन, जिसे सफल बोली के बाद रेलवे द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। **एबी/2,** एडीवीटी-एएसएन-एएसएनजे-ओएसएन-145-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), i) मौजूदा पार्सल कार्यालय के पास हावड़ा छोर पर फुट ओवर ब्रिज पर उपलब्ध कुल 800 वर्ग फुट का क्षेत्रफल। ii) मीडिया का प्रकार: ग्लो साइन/बैक लिट होर्डिंग्स/एलईडी फ्लैंज iii) मास्टर प्लान सफल बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत किया जाना है और इसे स्थान पर उपलब्ध स्थान की व्यवहार्यता के अनुसार रेलवे अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। iv) रेलवे की आवश्यकता के अनुसार स्थान में परिवर्तन किया जा सकता है क्योंकि स्टेशन के पुनर्विकास की योजना है। **एबी/3,** एडीवीटी-एएसएन-एएसएनजे-ओएसएन-144-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), i) हावड़ा छोर पर प्लेटफॉर्म नं. 3/4 एवं हावड़ा छोर पर प्लेटफॉर्म नं. 5/6 पर उपलब्ध कुल 1200 वर्ग फुट का क्षेत्रफल। ii) मीडिया का प्रकार: ग्लो साइन/बैक लिट होर्डिंग्स/एलईडी फ्लैंज iii) मास्टर प्लान सफल बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत किया जाना है और इसे स्थान पर उपलब्ध स्थान की व्यवहार्यता के अनुसार रेलवे अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। iv) रेलवे की आवश्यकता के अनुसार स्थान में परिवर्तन किया जा सकता है क्योंकि स्टेशन के पुनर्विकास की योजना है। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि सूची के अनुसार ऊपर उल्लिखित ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

ASN-392/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जल संरक्षण के लिए जनसहभागिता जरूरी : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। सरकार के निर्देशानुसार जिला जल एवं स्वच्छता समिति, खूंटी द्वारा जिले में 8 मार्च से 22 मार्च तक "जल महोत्सव पखवाड़ा" मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजनों को जल के महत्व एवं उसके संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके। इसी क्रम में आज समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर० रॉनिटा द्वारा जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों एवं गतिविधियों

की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित तिथि तक सभी गतिविधियों का प्रभावी एवं व्यापक रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसके लिए जनसहभागिता अत्यंत जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यालयों, पंचायतों एवं विभिन्न संस्थानों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए लोगों को जल के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राज्य समन्वयक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में दो युवक जख्मी

अंबा (औरंगाबाद)। अंबा-नबीनगर पथ पर सुल्तानपुर गांव के समीप कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। यह घटना रविवार की रात्रि नौ बजे की है। जख्मी युवक की पहचान रिसियप थाना क्षेत्र के जुड़ाही गांव निवास नंदू पासवान के 19 वर्षीय पुत्र सनिस कुमार तथा तुलसी पासवान के 22 वर्षीय पुत्र अमेंद्र कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक रिश्तेदार के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी क्रम में यह दुर्घटना हो गई।

लाठी, रॉड से पीटकर किया अधमरा

स्कॉर्पियो से कुचल कर ले ली जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

परैया। थाना क्षेत्र के खीरी गांव में शनिवार की रात पुराने जमीन विवाद के चलते दो चचेरे भाइयों के बीच हिंसक झड़प हुई। इस घटना में 26 वर्षीय रंजीत यादव की जान चली गई। आरोप है कि चचेरे भाई अखिलेश यादव ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर रंजीत को लाठी, डंडे और लोहे के रड से गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद, सड़क पर गिरे रंजीत पर अखिलेश ने स्कॉर्पियो गाड़ी चढ़ा दी और मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी अपने दल के साथ खीरी गांव पहुंचीं। घायल रंजीत को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने आरोपित अखिलेश यादव की तलाश शुरू की और उसे बेलागंज थाना के समसापुर गांव स्थित साली के घर से गिरफ्तार किया। साथ ही, स्कार्पियो को भी जब्त किया गया।रविवार को शव का पोस्टमार्टम कर स्वजनों को सौंप दिया गया, जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। घटना स्थल पर एफएसएल की टीम ने जांच की और स्कॉर्पियो के चक्के की जांच की। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा है, जबकि रंजीत के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

स्वजनों ने बताया कि रंजीत की शादी की बात चल रही थी। थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और आरोपित अखिलेश यादव तथा प्रियांशु को गिरफ्तार किया गया है।

करंट लगने से अधेड़ की मौत

नगरनौसा(नालंदा)। थाना क्षेत्र के गोराईपुर गांव में सोमवार को करंट लगने से एक अधेड़ की मौत हो गयी। मृतक की पहचान गांव निवासी राजा बिंद के 45 वर्षीय पुत्र रूदल बिंद के रूप में की गयी। जानकारी के अनुसार मृतक गांव के मछार गांव खंधा में अपने खेत देखने गए थे।इसी दौरान रास्ता पर गिरा बिजली के तार के चपेट में आ गए जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गया।

एक मत से अंकुर विजयी निर्वाचित

अंकुर ने कहा-क्षेत्र के मतदाताओं की जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। आदित्यपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर पद के लिए हुए चुनाव में वार्ड 18 के पार्षद अंकुर सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी अर्चना सिंह को महज एक मत से हरा दिया। मतगणना में अंकुर को 18 जबकि अर्चना को 17 मत मिले।

इस नतीजे ने निगम में चली आ रही सियासी खींचतान को विराम दे दिया। पहली बार चुनावी मैदान में उतरे अंकुर सिंह ने अपनी रणनीति और समर्थकों की एकजुटता से यह उपलब्धि हासिल की। वे वार्ड 18 से पार्षद चुने गए थे और सीधे डिप्टी मेयर का पद संभालने में सफल रहे। दूसरी ओर, वार्ड 29 से जीतकर आई अर्चना सिंह ने कड़ा संघर्ष किया।

अंतिम गिनती में एक मत का नुकसान उन्हें महंगा पड़ गया।

अंकुर ने जीत के बाद कहा, ऱ्यह सभी पार्षदों और आदित्यपुरवासियों की जीत है। हम विकास के नए आयाम गढ़ेंगे।ऱ्इस जीत से निगम में नई कार्यकारिणी गठित होगी। मेयर के साथ डिप्टी मेयर के रूप में अंकुर अब विकास योजनाओं और नागरिक सेवाओं पर फोकस करेंगे।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी से 200 फैक्ट्रियां बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कॉमर्शियल गैस की किल्लत का असर अब बेला औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों पर गंभीर रूप से दिखाई देने लगा है। गैस पर निर्भर करीब 200 फैक्ट्रियों में उत्पादन पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे लगभग दो हजार मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

सबसे ज्यादा असर नमकीन, प्लास्टिक और कार्टन निर्माण से जुड़े उद्योगों पर पड़ा है। समय पर कॉमर्शियल गैस नहीं मिलने के कारण कई फैक्ट्री संचालकों को उत्पादन बंद करना पड़ रहा है। जिन इकाइयों के पास पहले से सीमित गैस का स्टॉक है, वे कुछ दिनों तक ही काम चला पा रहे हैं।

उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर प्लास्टिक उद्योग पर पड़ा है। प्लास्टिक दाना, पाइप और अन्य उत्पादों की कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। महंगे कच्चे माल के कारण उद्योगों का उत्पादन करीब 50 प्रतिशत तक घट गया है।

प्लास्टिक उद्योग से जुड़े संचालक अवनीश किशोर ने बताया कि मौजूदा हालात में न तो नए ऑर्डर मिल रहे हैं और न ही उत्पादन सामान्य रूप से हो पा रहा है।

यदि जल्द ही कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई और कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले समय में कई फैक्ट्रियों को पूरी तरह बंद करना पड़ सकता है। इससे उद्योग और रोजगार दोनों पर गंभीर असर पड़ेगा।

साई पैकेजिंग के संचालक पुष्कर शर्मा ने बताया कि उनकी फैक्ट्री में प्रतिदिन करीब तीन टन कार्टन का उत्पादन होता था, जो अब पूरी तरह बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 16 वर्षों से फैक्ट्री चला रहे हैं, लेकिन इस तरह का संकट पहली बार सामने आया है। पहले प्रतिदिन दो कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की खपत होती थी, जो अब मिलना मुश्किल हो गया है।

बताया गया कि बेला औद्योगिक क्षेत्र के साथ शहर के अन्य हिस्सों में भी कॉमर्शियल गैस से संचालित करीब 200 फैक्ट्रियां बंद पड़ी हैं। इससे लगभग दो हजार मजदूरों को फिलहाल अवकाश दे दिया गया है।

बेला औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले बोचहां के सुधीर कुमार ने बताया कि वे एक बेकरी कंपनी में काम करते थे, लेकिन फैक्ट्री बंद होने के कारण उन्हें काम पर आने से मना कर दिया गया है। अब वे गांव में मजदूरी कर गुजारा करने की सोच रहे हैं।

इसी तरह मुकेश कुमार रमण और सबिता देवी ने भी बताया कि फैक्ट्री बंद होने से उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल गांव में मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाना पड़ेगा। फैक्ट्री संचालकों ने आश्वासन दिया है कि उत्पादन शुरू होते ही उन्हें फिर से काम पर बुला लिया जाएगा।

एसबीआई के खातों में 172 करोड़ की राशि लावारिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। अगर आपके किसी भी परिचित व्यक्ति या परिवार के सदस्यों का भारतीय स्टेट बैंक में कभी खाता खुला हुआ है, वह किसी कारणवश बंद हो गया है। वैसे लावारिस खाता में भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार भारतीय स्टेट बैंक में अपना दावा कर सकते हैं।

State Bank of India

भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक ने सूचना के अधिकार में जो जानकारी जारी की है, वह आश्चर्यजनक है। भारतीय स्टेट बैंक के प्रशासनिक कार्यालय के उप महाप्रबंधक ने सूचना के अधिकार में यह जानकारी दी है कि गया समेत 11 जिले के 166 शाखाओं संचालित है।

इन 166 शाखाओं में दो लाख 35 हजार 133 खाता वैसे हैं, इसमें 30 सितंबर 2025 तक 172.61 करोड़ रुपये राशि लावारिस जमा है, जो पिछले कई दशक से लेन-देन नहीं हुआ है।

ऐसे उपभोक्ताओं को खोजने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के सभी भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि वैसे खाताधारी की खोजबीन करें। उन्हें ससम्मान राशि वापस किया जाए।

इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय स्टेट बैंक में खाताधारी के उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर खोजबीन करें, लेकिन बैंक स्तर से जिला मुख्यालय पर सार्वजनिक कैंप लगाकर राशि वापस करने की खानापूर्ति की है। इस कारण से इतनी बड़ी राशि बैंक कोष में जमा है।

करंट लगने से हाथी की मौत

डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास)। सोन नदी की तराई और सोनडीला इलाके में पिछले एक महीने से भटक रहा जंगली हाथी शनिवार रात करंट लगने से काल के गाल में समा गया।

हाथी की मौत औरंगाबाद जिले के मेंह थाना क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आने से हुई। वन विभाग के अनुसार, इससे कुछ घंटे पहले हाथी रोहतास जिले के इंद्रपुरी बराज के गेट में फंस गया था। वन विभाग की टीम ने उसे निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया। हालांकि रेस्क्यू के दौरान हाथी वहां से निकलकर भाग गया और औरंगाबाद जिले के मेंह गांव के पास पहुंच गया। सहायक वन संरक्षक शशि भूषण कुमार ने बताया कि गांव के पास बधार में घूमते समय हाथी 11 हजार वोल्ट तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही डेहरी के रेंजर दीपक कुमार, औरंगाबाद की डीएफओ रुचि सिंह सहित कई वन अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हाथी के पोस्टमार्टम के लिए पटना से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है।

दुल्हनिया नाच नचावे के लिए मनोज भावुक को बेस्ट लिरिसिस्ट अवॉर्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। बिहार के सिवान जिले के चर्चित गीतकार मनोज भावुक को रविवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित 7वें सरस सलिल भोजपुरी सिने अवाड्र्स 2026 में बेस्ट लिरिसिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें फिल्म दुल्हनिया नाच नचावे के गीतों के लिए दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार इम्पा प्रेजिडेंट अभय सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया।

अवार्ड मिलने के बाद मनोज भावुक ने भावुक होकर कहा कि " भोजपुरी अवार्ड समारोह की सार्थकता तब है, जब हम उन लोगो को भी याद करें, जिन्होंने इसकी नीव डाली। हम सिर्फ अपना ही पीठ नहीं थपथपायें। कल हम भी पुराने होगें। मजा तब है जब हमारे इस दुनिया में न रहने पर भी लोग हमारे लिए तालियां बजायें।"

मनोज ने कहा कि मुझे फिल्मों से बतौर लिरिसिस्ट जोड़ने वाले संगीतकार रजनीश मिश्रा ही हैं। यह अवार्ड उन्हीं को समर्पित। साथ ही उन्होंने निर्माता निशांत उज्ज्वल का भी आभार व्यक्त किया।

दरअसल, लिरिसिस्ट मनोज भावुक और म्यूज़िक डायरेक्टर रजनीश मिश्रा की जोड़ी जब भी साथ आई है, यादगार गीत सामने आए हैं। फिल्म मेहंदी लगा के रखना का लोकप्रिय गीत तोर बउरहवा रे माई, फिल्म मेहमान का मेरे राम और फिल्म आपन कहाये वाला के बा के गीत, ...इन सबने भोजपुरी संगीत को नई पहचान दी है।

भोजपुरी जगत में मनोज भावुक की पहचान एक शालीन कवि, गजलकार, संपादक, फिल्म लिरिसिस्ट और फिल्म इतिहासकार के रूप में है। वे आधुनिक भोजपुरी के उन चुनिंदा रचनाकारों में हैं जिन्होंने बौद्धिक गहराई और लोकप्रियता के बीच संतुलन बनाए रखा है। भोजपुरी सिनेमा की गहरी समझ के कारण उन्हें अक्सर भोजपुरी सिनेमा का इनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है। उनकी शोधपरक पुस्तक भोजपुरी सिनेमा के संसार में 2025 तक के भोजपुरी सिनेमा के इतिहास को समेटा गया है। इसके अलावा चलनी में पानी और तस्वीर ज़िंदगी के उनकी चर्चित पुस्तकें हैं।

मनोज भावुक को भोजपुरी का सांस्कृतिक राजदूत माना जाता है। उन्होंने कभी भी व्यावसायिक लाभ के लिए द्विअर्थी या अश्लील गीत नहीं लिखे और हमेशा स्वच्छ व गरिमापूर्ण भोजपुरी की वकालत की है। ऐसे समय में जब भोजपुरी फिल्म संगीत की भाषा पर अक्सर सवाल उठते हैं, उनके गीत एक सकारात्मक उम्मीद जगाते हैं।

पेशे से इंजीनियर रहे मनोज भावुक ने विदेशों में भी काम किया, लेकिन अंततः अपनी भाषाई और सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट आए। लंदन और अफ्रीका में रहने के अनुभव ने उन्हें एक वैश्विक दृष्टि दी है और वे भोजपुरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सम्मानित सांस्कृतिक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में सक्रिय हैं। वर्तमान में मनोज भावुक महुआ नेटवर्क में प्रोग्रामिंग हेड के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले वे भोजपुरी के कई प्रमुख चैनलों के अलावा जी टीवी, न्यूज18, टाइम्स नाउ, एनडीटीवी और सारेगामापा जैसे प्रतिष्ठित मंचों से लेखक और प्रोजेक्ट हेड के रूप में जुड़े रहे हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन में रामनारायण बाबू ने किसानों व छात्रों का किया था नेतृत्व

पूर्वज महापुरुष स्मृति समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। पूर्वज महापुरुष स्मृति समारोह के अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व विधायक स्व. सैनिक रामनारायण सिंह यादव का जिला मुख्यालय के समीप चतरा में पुण्यतिथि मनाया गया। सर्व प्रथम आगंतुकों ने स्व. सैनिक रामनारायण सिंह यादव के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनके जीवन कृत्यों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि रामनारायण बाबू बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह के नेतृत्व में औरंगाबाद से आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में किसानों मजदूरों और छात्रों को संगठित करने में सक्रिय भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन में रामनारायण बाबू ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 1942 की क्रांतिकारी अगुवाई की है जिसके कारण उनका नाम का पहला सैनिक सम्मान से शुभ शोभित किया गया। आज रामनारायण बाबू के किए गए कार्यों पर बुद्धिजीवी चेतना मंच की ओर से उनके स्मारक पर मंच के संयोजक डॉ संतोष यादव, पूर्व शिक्षक रामजन्म सिंह, संतोष कुमार सिंह, श्यामता प्रसाद यादव, संजीत कुमार यादव, डॉ तुलसी यादव, रिसिअप मुखिया पुटूस यादव, मुखिया रविंद्र यादव आदि ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरीय अधिवक्ता प्रमोद कुमार सिंह ने किया। इस दौरान बिहार सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री सुरेश पासवान, संजय रघुवर, अधिवक्ता लव कुमार पांडे, विजय कुमार सिंह, जिला विधिक संघ के महासचिव जगनारायण यादव सहित अन्य मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले के सभी महापुरुषों के योगदान पर आधारित जयंती व पुण्यतिथि मनाया जायेगा। साथ ही महापुरुषों का स्मृति भवन बनाने का भी निर्णय लिया।

हवाई उड़ानें हुई महंगी

दरभंगा । ईद नजदीक है। बड़ी संख्या में लोग दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे महानगरों से घर लौट रहे हैं। पश्चिम एशिया में महासंग्राम से घरेलू उड़ान के किराये में भारी इजाफा हुआ है। इसका सीधा खामियाजा हवाई सफर करने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद से दरभंगा के लिए एयरलाइंस कंपनियां सामान्य दिनों की अपेक्षा दोगुने मूल्य पर टिकट उपलब्ध करा रही है। इससे त्योहार पर घर लौटने वाले यात्रियों की जेब ज्यादा ढीली हो रही है। 17 से 25 मार्च के बीच मुंबई से दरभंगा आनेवाली अकासा के विमान में एक टिकट 6,784 से लेकर 17,142 रुपये उपलब्ध कराया जा रहा है।

जल्द खुलेंगे तरकारी ब्रांड के आउटलेट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। राज्य में सब्जी किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने सब्जी की खरीद-बिक्री और प्रसंस्करण के लिए वेजीफेड (बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी फेडरेशन लिमिटेड) का गठन किया है। इसके तहत सुधा डेयरी की तर्ज पर प्रखंड स्तर पर तरकारी ब्रांड के आउटलेट खोले जाएंगे, जहां किसानों की सब्जियां सीधे बाजार में बेची जाएंगी।

बताया गया कि वेजीफेड भी कामफेड की तरह कार्य करेगा और किसानों की सब्जियों को बाजार तक पहुंचाने में मदद करेगा। इसके लिए राज्य में कुल नौ यूनियन बनाए गए हैं। समस्तीपुर जिला हरित यूनियन का हिस्सा होगा, जिसका मुख्यालय पटना में रहेगा।

वहीं मिथिला यूनियन में दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों को शामिल किया गया है। इन जिलों के किसानों को भी इस योजना से जोड़ा जा रहा है।

वेजीफेड को मजबूत बनाने के लिए सहकारिता विभाग आधारभूत संरचना विकसित कर रहा है। इसके तहत तीन स्तर पर व्यवस्था तैयार की जा रही है। समस्तीपुर जिले में ताजपुर में सब्जी कलेक्शन सेंटर बनकर तैयार हो चुका है। वहीं पटोरी, दलसिंहसराय, हसनपुर, बिथान और कल्याणपुर में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसे जल्द पूरा करने की योजना है।

इस योजना का सबसे अधिक लाभ छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों को मिलेगा। किसानों को समिति के माध्यम से बीज उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए उन्हें केवल 25 प्रतिशत राशि अग्रिम देनी होगी। बाकी भुगतान फसल तैयार होने के बाद करना होगा और इस पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा।किसान अपने उत्पाद को कलेक्शन सेंटर के माध्यम से आसानी से बेच सकेंगे, जिससे उन्हें उचित कीमत मिलने की संभावना बढ़ेगी।

विभाग ने फिलहाल ओल, मिर्च और प्याज की खेती को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने की तैयारी की है।

प्रो. दिनेश प्रसाद के निधन पर शोकसभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के अधिवक्ता संघ सभागार में जनेश्वर विकास केंद्र एवं जन विकास परिषद, महोत्सव परिवार के तत्वाधान में संयुक्त रूप से अनुग्रह स्मारक कॉलेज के प्रोफेसर दिनेश प्रसाद के मृत्यु के उपरांत शोकसभा आयोजित की गई। शोकसभा में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह, सिन्हा कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर रामाधार सिंह, ज्योतिषाचार्य शिव नारायण सिंह, वरिष्ठ कवि लवकुश प्रसाद, साहित्य संवाद के अध्यक्ष लालदेव प्रसाद, अरुण सिंह, शामली में सभी लोगों ने उनके छायाचित्र के ऊपर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित की। सभी वक्ताओं ने कहा कि दिनेश बाबू संघर्षों के साथी थे हमेशा समाज के प्रति उनका त्याग और समर्पण की भावना लोगों प्रेरित करती रहेगी। काफी वक्त से बीमार रहते हुए भी उन्होंने समाज को प्राथमिकता देना सबसे पहला दायित्व समझा। उन्होंने कहा कि सामाजिक

कार्यों में उनकी अभिरुचि हमेशा देखने को मिलती थी जो आज के समय में बहुत कम मिलता है। महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि दिनेश प्रसाद अपने स्वाभिमान के साथ कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने हमेशा अपने कर्मों का प्राथमिकता दिया। वह अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, उन्हीं के संघर्ष का देन है, शिवगंज में सीता थापा महोत्सव शुरू हुआ, जन विकास परिषद के अध्यक्ष भी रहे हैं, अन्य कई विभिन्न दायित्व का उन्होंने निर्वहन किया। ऐसा व्यक्तित्व का चला जाना समाज का एक बहुत बड़ी क्षति है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समाजसेवी आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि दिनेश बाबू व्यक्तित्व के धनी इंसान थे और उनके ज्ञान के सामने गूगल भी छोटा था। ऐसे ज्ञाता थे दिनेश प्रसाद जी, उनका चल जाना समाज के लिए बड़ी क्षति है।

कलाकार धर्मेंद्र यादव, मुकेश चौबे, अपनी संगीत में प्रस्तुति से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पूरे सभा को भावुक कर दिया। इस मौके पर सुमन अग्रवाल, सुरेंद्र सिंह ,प्रमोद सिंह, अशोक सिंह, धीरेंद्र सिंह ,अरुण सिंह, अनिल कुमार, अन्य कई लोग मौजूद थे।

अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी /गयाजी। उत्पाद थाना शेरघाटी की टीम ने डोभी थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डोभीझ्रगया मुख्य मार्ग पर पथरा मोड़ के समीप एचपी पेट्रोल पंप के पास की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान गौरव कुमार (19 वर्ष), पिता रंजीत सिंह, निवासी बुटी मोड़, थाना खरेगांव , जिला डुमरडगा (झारखंड) के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन से 1632 बोतल विदेशी शराब बरामद की, जिसकी कुल मात्रा 293.760 लीटर बताई गई है। साथ ही शराब ढोने में प्रयुक्त सफेद रंग की टोयोटा इटियोस कार को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है।

बौद्ध विहार बचाओ संघर्ष मोर्चा का धरना 170वें दिन भी जारी

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा : अमरेश कुशवाहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चन्दौली (उ.प्र.)। बौद्ध विहार बचाओं संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में विगत 27 सितम्बर, 2025 से मिल्कीपुर में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध चल रहा अनिश्चित कालीन धरना का पुरजोर समर्थन करते हुए तथागत विहार चेरिटेबुल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं गोलाघाट, रामनगर निवासी अमरेश कुशवाहा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भूमि अधिग्रहण खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेंगा। हमारे धरना का नारा है-जान देंगे, जमीन नहीं देंग। यह धरना बिल्कुल शांतिमय और अहिंसात्मक ढंग से निरन्तर चल रहा है। आज धरना का 170वां दिन पूरा हो रहा है।

ज्ञातव्य है कि तथागत विहार चेरिटेबुल ट्रस्ट चन्दौली जिलान्तर्गत मिल्कीपुर मौजा में गंगा नदी के तट पर

सरकार इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक हब के नाम पर हड़पना चाहती है जमीन

बन्दरगाह के पास साढ़े सात बिगहा भूमि में स्थित है। सरकार बन्दरगाह और इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने के लिए ट्रस्ट की जमीन को भूमि अधिग्रहण के नाम पर हड़पना चाहती है, जिसे बचाने के लिए ट्रस्ट द्वारा भरपूर प्रयास किया जा रहा है। श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकारी सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि यहाँ रामनगर के पास पूर्वी भारत का सबसे बडा इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक हब बनाने की तैयारी चल रही है, जिसकी आधारशिला भी देश का प्रधानमंत्री सितम्बर 2025 में रख चुके हैं लेकिन जो कतई न्यायसंगत नहीं है।

श्री कुशवाहा ने बताया कि मोदी सरकार गंगा नदी के जरिये सड़कमार्ग, रेलमार्ग एवं जलमार्ग का सीधा और निर्बाध संगम बनाने की सोच रहीं है, जो मुझे सम्भव नहीं लगता है। उन्होंने बताया कि मेरी दृष्टि में सरकार की यह परियोजना पूर्णतः असफल होते नजर आ रहीं है। इसका कारण यह है कि गंगा नदी में बारहो महीने पर्याप्त पानी नहीं रहता है। गर्मी के दिनों में एक तरफ से गंगा नदी बिल्कुल सूख जाती है, जिसमें नाव या जहाज चलाना संभव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के कारण खासकर मिल्कीपुर, ताहिरपुर वगैरह गांवों के गरीब किसान-मजदूरों की परेशानी बहुत बढ़ जाएगी, क्योंकि मोदी सरकार भूमि को अधिग्रहण कर उसे अडानी को दे देगीकइस परियोजना से मुनाफा कम और नुकसान ही ज्यादा है। श्री कुशवाहा ने कहा कि इस अनिश्चितकालीन धरना को पूर्ण रूप से सफल बनाने में गाँधीवादी चिंतक एवं ट्रस्ट के महामंत्री विद्याधर, संयुक्त मंत्री बीरेन्द्र कुमार मौर्य, कोषाध्यक्ष पवन कुमार मौर्य, सत्यनारायण मौर्य, विनय कुमार मौर्य (अधिवक्ता), अखिलेश कुमार मौर्य, मुन्ना सिंह मौर्य, बच्चालाल मौर्य, संतराम मौर्य, मस्त राम मौर्य, चन्द्रप्रकाश मौर्य, चेखुर प्रसाद प्रजापति, वगैरह तथा अन्य संगठन के बहुत सारे सामाजिक कार्यकर्ता तन-मन-धन से समर्पण के साथ लगे हुए है, जिन्हें मैं से हृदय से धन्यवाद एवं साधुवाद देता हूं।

अबूधाबी में दिघवारा का युवक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। मध्य पूर्व में जारी ईरान-इजराइल तनाव के बीच मिसाइल हमले का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करना दिघवारा के एक युवक को भारी पड़ गया।

जानकारी के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के अबूधाबी में पुलिस ने इस मामले में उसे गिरफ्तार कर लिया है। युवक की गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद उसके परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल है। परिजन सरकार और जनप्रतिनिधियों से मदद की उम्मीद लगाए हुए हैं।

गिरफ्तार युवक की पहचान दिघवारा थाना क्षेत्र के चकनूर वार्ड संख्या पांच निवासी पूर्व वार्ड पार्षद सिकंदर राम के 22 वर्षीय पुत्र रितेश कुमार के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि रितेश को 11 मार्च की देर रात अबूधाबी पुलिस ने हिरासत में लिया। हालांकि आधिकारिक रूप से परिजनों को अभी तक वहां की पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई है।

स्वजन के अनुसार, कई दिनों तक रितेश का फोन नहीं आने और काल करने पर भी संपर्क नहीं होने से घरवालों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद जब उन्होंने रितेश के साथ काम करने वाले दोस्तों से संपर्क किया तो उसकी गिरफ्तारी की जानकारी मिली।

इस सूचना के बाद से घर का माहौल काफी गमगीन हो गया है। परिवार के लोग लगातार चिंता में हैं और किसी तरह बेटे की रिहाई की उम्मीद लगाए हुए हैं।

बताया जाता है कि रितेश करीब दो वर्ष पहले एसी मरम्मत का काम सीखकर रोजगार के सिलसिले में दुबई के अबूधाबी गया था।

वहीं, काम के दौरान हाल में क्षेत्र में बढ़े युद्ध जैसे हालात के बीच हो रही मिसाइल और बमबारी की घटनाओं का वीडियो उसने अपने मोबाइल से बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर दिया था।

आपदा से मुकाबले की नई तैयारी, उत्तर बिहार का दौरा करेंगे राज्यपाल

राज्य में आपदा प्रबंधन की योजना और उसकी बारीकियों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के नए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने बिहार आपदा प्रबंधन के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों को लेकर विभागीय पदाधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित उत्तर बिहार के लोगों से वह जल्द जाकर मुलाकात करेंगे। इन्हें आपदा से बचाने के लिए जल्द ही कारगर कार्य योजना तैयार की जाएगी। बिहार के राज्यपाल का पदभार संभालने पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में सोमवार को उनके स्वागत में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। इसे संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए तकनीक और फंडिंग पर सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए राज्य में चलाई जा रही योजनाओं और उनके सफल क्रियान्वयन पर प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि पदाधिकारियों को स्वयं के साथ आंतरिक समीक्षा पर भी जोर देना होगा। आपदा प्रबंधन में प्रोफेशनल अटेंशन जरूरी है। आपदा की घटनाओं से सबसे अधिक बच्चे, महिलाएं और बूढ़े प्रभावित होते हैं। यह खुशी की बात है कि बिहार जैसे राज्य में इन वर्गों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं। आपदा प्रबंधन के लिए राज्य भर में जन-जागरुकता अभियान चलाने पर जोर दिया। कहा कि इसे स्कूलों में विशेष रूप से लागू किया जाना चाहिए। श्री हसनैन ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को आपदा प्रबंधन एक्ट 2005 की बारीकियों से अवगता होना चाहिए। इस दौरान राज्यपाल ने विभागीय वेबसाइट बीएसडीएमए डॉट बिहार डॉट जीओवी डॉट इन का भी उद्घाटन किया। विभागीय सचिव डॉ चंद्रशेखर सिंह ने राज्यपाल को बताया कि बिहार में सूखाड़, बाढ़ और अगलगी जैसी घटनाएं अत्यधिक होती हैं। इनसे निपटने के लिए सरकार हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्लोगन है कि राज्य के खजाने पर आपदा प्रभावितों का पहला अधिकार है। उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए राज्यभर में लागू योजनाओं की सिलसिलेवार जानकारी दी। लघु फिल्म के माध्यम से आपदा प्रबंधन की योजनाओं से राज्यपाल को रूबरू कराया गया। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि आपदा प्रबंधन में पहली भूमिका पुलिस की होती है। इसकी प्रतिक्रिया सबसे पहले सामने आती है। राज्य के सभी पुलिस थाने भूकंपरोधी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल स्तर पर बड़ी संख्या में आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जा रही है। आने वाले समय में सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर को भी इसकी ट्रेनिंग दिलाने की योजना है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 से 20 वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बिहार में जो काम हुए, उनकी बदौलत राज्य आज देश के अग्रणी प्रदेशों में शामिल हो चुका है। इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत मिश्र ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए अधिकारियों की हौसला आफजाई की। कार्यक्रम में विशेष कार्य पदाधिकारी संदीप कुमार के साथ दूसरे पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मैथिली भाषा और साहित्य की अमर विरासत को और अधिक समृद्ध करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. महेंद्र झा को उनकी चर्चित कृति 'धात्री पात सन गाम' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। दशकों तक शिक्षण और साहित्य-सृजन को एक साथ साधने वाले डॉ. झा ने मिथिला के लोकजीवन, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को अपनी लेखनी से जिस सजीवता से उकेरा है, वह अतुलनीय है। यह पुरस्कार केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि संपूर्ण मिथिला, मैथिली साहित्य जगत और बिहार के लिए गर्व का अवसर है। मेरी कामना है कि उनकी साहित्य-साधना अनवरत जारी रहे और उनकी प्रेरणादायी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहे।

नीट अभ्यर्थी छात्रा कांड : हॉस्टल मालिक की जमानत अर्जी खारिज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना के चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र स्थित एक हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में आज बालकों का लैंगिक अपराध से संरक्षण अधिनियम (पौक्सो एक्ट) की विशेष अदालत ने जेल में बंद अभियुक्त हॉस्टल मालिक की जमानत याचिका खारिज कर दी। पौक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन रमन की अदालत ने मामले के जेल में बंद अभियुक्त एवं शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष कुमार रंजन की नियमित जमानत याचिका पर तीन दिनों तक सुनवाई करने के बाद 12 मार्च 2026 को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने पटना पुलिस, एस आई टी और सीबीआई तीनों के अनुसंधानकर्ताओं को अदालत में बुलाकर उनका पक्ष सुना था। विशेष अदालत ने क्षेत्राधिकार के प्रश्न पर भी सभी पक्षों को सुना था। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त एवं पीड़िता के वकील को भी कई बार सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रखा था। अदालत ने आज पारित किए गए आदेश में सबसे पहले न्यायालय के क्षेत्राधिकार के प्रश्न पर अलग से निर्णय देते हुए कहा कि इस विशेष अदालत को इस मुकदमे की सुनवाई करने की अधिकारिता है क्योंकि इसकी स्थापना पौक्सो एक्ट के तहत की गई है जो एक विशेष अधिनियम है। उसके बाद जमानत अर्जी पर विस्तार से दोनों पक्षों के दलीलों की चर्चा करते हुए एवं परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए मामले का अनुसंधान प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण अभियुक्त की जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन अभियुक्त छूट दी है कि वह मुकदमे में आगे की कार्रवाई में उचित परिस्थितियां आने पर जमानत की प्रार्थना कर सकता है। गौरतलब है कि 9 जनवरी 2026 को पटना के चित्रगुप्त नगर थाना की पुलिस ने मृतका के पिता के फर्दबयान पर मामला दर्ज किया था। आरोप के अनुसार मृतका अपने हास्टल में बेहोश पायी गयी थी। मृतका के पिता ने अपनी पुत्री के शरीर पर चोट का निशान पाये जाने की बात कही थी। साथ ही, उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाने का प्रयास किये जाने का भी शक जाहिर किया था। बाद में इलाज के दौरान छात्रा की मृत्यु अस्पताल में हो गई थी।

अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के तत्वावधान में आयोजित अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत बालक वर्ग की नृत्य प्रतियोगिता का भव्य एवं गरिमामय आयोजन बी. डी. कॉलेज, पटना के सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक समिति की समन्वयक डॉ. विनीता तिवारी द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ हुई। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रत्ना अमृत ने निर्णायक मंडल एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में कला-संस्कृति के प्रति रुचि और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। प्रतियोगिता में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. कीर्ति एवं पर्यवेक्षक प्रो. रीता दास की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। निर्णायक मंडल में डॉ. अनिल कुमार तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा नामित संगीता रमन कुट्टी तथा सोमा चक्रवर्ती शामिल थीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का गहनता एवं निष्पक्षता से मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दिव्या कुमार एवं डॉ. मनीता कुमारी यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जबकि अंत में डॉ. स्वर्णा कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के परिणामों में शास्त्रीय नृत्य (एकल) में आयुर्मान यास्क (पी.जी. संगीत विभाग, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) ने प्रथम, निलेश आचार्य (बी. एस. कॉलेज, दानापुर) ने द्वितीय तथा विशाल कुमार (ए. एन. कॉलेज, पटना) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उपशास्त्रीय/अर्ध-शास्त्रीय नृत्य (एकल) में निलेश आचार्य प्रथम, मोनू निगम (नालंदा कॉलेज, बिहारशरीफ) द्वितीय तथा लक्की कुमार (ए. एन. कॉलेज, पटना) तृतीय स्थान पर रहे।

पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एम.एस.एम.ई. विकास कार्यालय, पटना द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना में एक दिवसीय 'विपणन एवं उद्यमिता उन्मुख प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वकर्मा कारीगरों को उद्यमिता विकास, विपणन, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता से जोड़ते हुए उन्हें सशक्त बनाना था। इस दौरान प्रतिभागियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं, उद्यम पंजीकरण/ऑनबोर्डिंग, क्यूआर कोड सृजन तथा एमएसएमई मंत्रालय एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में संजीव कुमार वर्मा, सहायक निदेशक , एमएसएमई-डीएफओ, पटना, डॉ. श्वेता एम. देवतले, आईईडीएस, सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ, पटना तथा संस्थान के उप विकास पदाधिकारी सत्यानन्द शर्मा उपस्थित रहे।

पटना में सजी भोजपुरी सिनेमा की सितारों भरी शाम

विधानसभा अध्यक्ष ने कलाकारों से सकारात्मक संदेश देने वाली फिल्मों के निर्माण की अपील की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना का ऐतिहासिक बापू सभागार रविवार की शाम भोजपुरी सिनेमा की चमक-दमक, संगीत और सितारों की मौजूदगी से जगमगा उठा। अवसर था 7वें सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स समारोह का, जो पूरे भव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। शाम छह बजे शुरू हुआ यह समारोह देर रात तक चलता रहा और भोजपुरी फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों, गायकों, निर्देशकों, तकनीशियनों तथा सिने प्रेमियों की बड़ी उपस्थिति ने इसे एक यादगार सांस्कृतिक उत्सव बना दिया। इस समारोह में लगभग 80 विभिन्न श्रेणियों में भोजपुरी सिनेमा के कलाकारों और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े प्रतिभाशाली लोगों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अवॉर्ड समारोह में कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, कृषि मंत्री राम कृपाल यादव, मंत्री संजय सिंह, दिल्ली प्रेस के संपादक परेश नाथ, दिल्ली प्रेस के कार्यकारी प्रकाशक अनंत नाथ तथा इम्पा के अध्यक्ष अभय सिन्हा प्रमुख रूप से शामिल रहे। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भोजपुरी सिनेमा आज केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और लोक जीवन की झलक भी प्रस्तुत करता है। उन्होंने कलाकारों से समाज को सकारात्मक संदेश देने वाली फिल्मों के निर्माण की अपील की। विधायक ने कहा कि भोजपुरी भाषा और संस्कृति की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और ऐसे आयोजनों से कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सिनेमा भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवित रखता है।

आइएचएम हाजीपुर में 'पर्यटन शिक्षा एक्सपो 2026' का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। होटल प्रबंधन संस्थान हाजीपुर द्वारा भारत पर्यटन (पूर्वी क्षेत्र), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार को संस्थान परिसर में 'पर्यटन शिक्षा एक्सपो 2026' का सफल आयोजन किया गया। व्यावसायिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की इस बड़ी पहल में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के कक्षा 8 से 12 तक के 160 से अधिक छात्र, उनके अभिभावक और शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं नोडल अधिकारी सुमित चटर्जी के स्वागत भाषण से हुआ जिसमें उन्होंने वैश्विक आतिथ्य सत्कार के क्षेत्र में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात वरिष्ठ व्याख्याता अनुपम कुमार ने एक्सपो के उद्देश्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए स्कूली शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच की दूरी को कम करने पर जोर दिया। संस्थान की विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं की झलक दिखाने के लिए व्याख्याता के. पी. अरुण और सहायक व्याख्याता डॉ. मोहम्मद हलीम ने ऑडियो-विजुअल माध्यम से आईएचएम हाजीपुर की शैक्षणिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

25वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सोमवार को पटना स्थित एक निजी होटल में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया पेंशनर्स एवं सेवानिवृत्तजन संघ की 25वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। मौके पर उमेश तिवारी ने स्वागत भाषण दिया, वाईस चेयरमैन अमरेन्द्र कुमार ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल दे कर गणमान्य पदाधिकारियों का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन आरएस त्रिवेदी ने की। मंच पर अध्यक्ष प्रकाश एस. पटकी, कार्यकारी अध्यक्ष देवाशीष सेन गुप्ता, महासचिव हरविंदर सिंह तथा कोषाध्यक्ष अमीता शर्मा उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन एवं बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन अद्यतन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। यह उल्लेख किया गया कि जहां केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा भारतीय रिजर्व बैंक सहित विभिन्न संस्थानों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन का समय-समय पर अद्यतन किया जाता है, वहीं देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बैंक कर्मचारियों के लिए अब तक पेंशन अद्यतन लागू नहीं किया गया है। इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से आग्रह किया गया कि बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के पुनरीक्षण के लिए भी आवश्यक प्रावधान करने पर विचार किया जाए। इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के ग्रुप स्वास्थ्य बीमा पर लगने वाले जीएसटी को हटाने के संबंध में भी चर्चा की गई। केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले बीमा प्रीमियम पर लगाए गए जीएसटी को हटाने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए, ताकि पेंशनभोगियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर बिहार इकाई अध्यक्ष एचएन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, उपाध्यक्ष एससी मिश्रा, संयुक्त कोषाध्यक्ष ज्योति शंकर वर्मा, अभय कुमार सिन्हा, राम शंकर प्रसाद सहित अन्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुई तथा संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय और सदस्योन्मुख बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में एचएन अग्रवाल द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया एक्रेक्स 2026 में लाया व्यापक एचवीएसी इकोसिस्टम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने दक्षिण एशिया की एचवीएसी और इंटेलिजेंट बिजनेस सॉल्यूशंस की सबसे बड़ी प्रदर्शनी, एक्रेक्स इशराए इंडिया 2026 में हिस्सा लिया। एलजीई इंडिया ने इस प्रदर्शनी में अपना सबसे व्यापक एचवीएसी पोर्टफोलियो प्रस्तुत किया जिसमें आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोग के उत्पाद शामिल थे। कंपनी ने ऐसे इनोवेशन को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जो भारत के लिए इंटेलिजेंट, भरोसेमंद और ऊर्जा-कुशल जलवायु समाधान प्रदान करते हैं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी उन्नत वीआरएफ, चिलर्स और कैसेट रेंज के एसी प्रदर्शित किए जो भारत की विविध जलवायु और उपभोक्ताओं की जरूरतों के लिए सबसे उपयुक्त थे।

एनडीए प्रत्याशियों की जीत हमारी एकजुटता का प्रमाण : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने राज्यसभा चुनाव में एनडीए के सभी पांच उम्मीदवारों की जीत पर प्रसन्नता जताते हुए विजयी सभी उम्मीदवारों को बधाई और नए दायित्वों के लिए शुभकामना दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए के विधायकों ने आज तीन पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को जीत दिलाई है। भाजपा अध्यक्ष ने सभी विजयी उम्मीदवारों भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश राम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे गठबंधन एनडीए की बहुत प्रभावी और प्रमाणित जीत है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के लोग अपने उम्मीदवार की जीत को लेकर अफवाह फैलाते रहे, लेकिन जीत एनडीए के पक्ष में रही। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए की एकजुटता से एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला था और इस चुनाव में भी हमारी एकजुटता पूरे देश को दिखी है। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि एनडीए सभी प्रत्याशियों की जीत हमारी एकजुटता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित सभी पांच लोगों के राज्यसभा पहुंचने से उच्च सदन में एनडीए बहुत ही प्रभावी तरीके से उभरेगा जिसका लाभ बिहार को मिलेगा। इस चुनाव परिणाम से स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष पूरी तरह से साफ हो चुका है। उन्होंने एनडीए के उम्मीदवारों को समर्थन देने वाले विधायकों का भी आभार जताते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस बिहार में नेतृत्वविहीन हो चुके हैं। दोनों दल आज अपने विधायकों को भी नहीं संभाल पा रहे हैं। उन्होंने दावे के साथ कहा कि राजद के पास आज अगर पूर्ण बहुमत होता तो वे किसी दूसरे को नहीं, बल्कि अपने परिवार के किसी सदस्य को उम्मीदवार बनाती।

आपदा के समय तनाव प्रबंधन जरूरी : डॉ मोहम्मद अली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र के सभागार में आपदा प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के लगभग 13 राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्व युवक केंद्र और प्रेम यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना तथा आपदा के समय मानसिक संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ काम करने के लिए तैयार करना था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर तथा विश्वविद्यालय के इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. मोहम्मद अली ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने 'आपदा के समय युवाओं का तनाव प्रबंधन कैसे करें' विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे और युवाओं को जीवन तथा समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर सोचने के लिए प्रेरित किया।

कुशल युवा कार्यक्रम के 409 केंद्रों को नोटिस, संचालकों में चिंता, पुनर्विचार की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) के तहत राज्य के लगभग 409 प्रशिक्षण केंद्रों को बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने से केंद्र संचालकों के बीच चिंता का माहौल बन गया है। मिशन की ओर से जारी पत्र में 40 प्रतिशत से कम इंटेक यूटिलाइजेशन का हवाला देते हुए केंद्रों से स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा सुधार नहीं होने पर आगे की कार्रवाई की बात कही गई है। केंद्र संचालकों का कहना है कि पिछले कुछ समय से नामांकन प्रक्रिया कई तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से प्रभावित रही है। आधार आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रणाली में तकनीकी समस्या, पोर्टल से संबंधित दिक्कतें, नए नॉलेज पार्टनर के साथ बैच बनाने में जटिलता तथा नामांकन से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण कई जिलों में नामांकन अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया। संचालकों का मानना है कि जब राज्यभर के सैकड़ों केंद्रों को एक साथ नोटिस जारी किया गया है तो यह स्पष्ट है कि समस्या केवल किसी एक केंद्र की नहीं बल्कि व्यापक स्तर पर उत्पन्न परिस्थितियों का परिणाम है। ऐसे में केंद्र संचालकों ने बिहार कौशल विकास मिशन से अनुरोध किया है कि इस विषय पर पुनर्विचार करते हुए केंद्रों को नामांकन सुधार के लिए उचित समय और आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। केंद्र संचालकों ने यह भी कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम राज्य के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल विकास योजना है जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल साक्षरता एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण मिल रहा है।

मिसेज ग्लोबल बिहार के बारहवें सीजन की विजेता बनी डॉ. प्रियंका और मेधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रंग-बिरंगी जगमग रौशनी के बीच जैसे हीं मॉडल्स ने अपनी प्रस्तुति देनी शुरू की वैसे ही सारा हॉल तालियों की गरगराहट से गूंज उठा। मौका था ब्रांड एनसी एवं नारी नीति फाउंडेशन इंडिया द्वारा पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित होटल डेस्टिनी में आयोजित मिसेज ग्लोबल बिहार सीजन-12 के ग्रैंड फिनाले का। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत मुख्य अतिथि ब्रांड एन सी की गुडविल एम्बेसडर डॉ. तारा स्वेता आर्या, विशिष्ट अतिथि आयुष्मान भारत के सीईओ आईएएस शशांक शेखर, आईपीएस अनु व फैशन डिजाइनर सह शो डायरेक्टर नीतीश चंद्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की।

अब नहीं सड़ेगी फसल, सोलर ड्रायर से किसान कमाएगा डबल मुनाफा : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि राज्य को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने के संकल्प के साथ बिहार सरकार किसानों को कटाई के बाद प्रबंधन के लिए निरंतर सशक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की जलवायु और यहां की विविध फसलों–जैसे टमाटर, प्याज, मिर्च, फूलगोभी, पत्तागोभी, करेला, हल्दी, मशरूम आदि–के लिए उपयोगी सोलर क्रॉप ड्रायर एक क्रांतिकारी समाधान के रूप में उभर रहा है। श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की फसलों की बर्बादी रोकना और उन्हें अपनी उपज का मूल्य निर्धारक बनाना है। उन्होंने बताया कि फसलोत्तर प्रबंधन योजनान्तर्गत बिहार सरकार सोलर ड्रायर की स्थापना पर विशेष प्रोत्साहन दे रही है। 100 किलोग्राम क्षमता वाले सोलर ड्रायर की अनुमानित लागत 3,50,000 रुपये है जिस पर 1,40,000 रुपये अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मंत्री ने कहा कि सोलर ड्रायर के भीतर नियंत्रित तापमान पर फसल को सुखाने से उसका प्राकृतिक रंग, स्वाद और सुगंध बरकरार रहती है। इससे उत्पाद की गुणवत्ता बेहतर होती है और वह प्रीमियम मार्केट तथा निर्यात के लिए अधिक उपयुक्त बनता है। उन्होंने कहा कि खुले में सुखाने के दौरान धूल, बारिश, नमी और फफूंद से जो नुकसान होता है, सोलर ड्रायर उस जोखिम को काफी हद तक समाप्त कर देता है। इस तकनीक से 30 से 40 प्रतिशत तक फसल की बर्बादी रोकी जा सकती है। श्री यादव ने कहा कि अब किसान बाजार में कम दाम मिलने पर फसल बेचने को मजबूर नहीं होंगे। सोलर ड्रायर के माध्यम से फसल को सुखाकर सुरक्षित रखा जा सकेगा और उपयुक्त समय पर अधिक कीमत पर बेचा जा सकेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उन्हें अपनी उपज के बेहतर विपणन का अवसर मिलेगा।

सरकारी भवनों की गुणवत्ता पर रहेगी उड़नदस्ता दल की नजर, राज्य में 10 टीमें गठित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यभर में चल रहे सरकारी भवनों के निर्माण कार्य की समुचित जांच करने और इनकी पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य विशेष पहल की गई है। भवन निर्माण विभाग की ओर से राज्य में चल रहे नये भवनों के निर्माण या जिन भवनों की मरम्मती चल रही है उनमें गुणवत्ता का खासतौर से ध्यान रखा गया है या नहीं, इसकी जांच यह टीम करेगी। प्रत्येक उड़नदस्ता दल में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता स्तर के अभियंताओं को शामिल किया गया है। नए भवनों में विद्युत कार्यों की जांच के लिए खासतौर से उड़नदस्ता दल को नियुक्त किया गया है। निरीक्षण के दौरान जांच टीम कार्य स्थल से सैंपल एकत्र कर उन्हें अंचल स्तरीय या केंद्रीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजकर जांच करवाएगी। उड़नदस्ता दल में शामिल अधीक्षण अभियंता अपने पदस्थापन अंचल को छोड़कर अन्य किसी भी प्रमंडल की योजनाओं की जांच करेंगे। उड़नदस्ता दल मुख्य अभियंता (गुणवत्ता अनुश्रवण) के नियंत्रण में कार्य करेंगे। विभाग के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्यों में ईंट, कंक्रीट, बालू, गिट्टी आदि सामाग्रियों की जांच केंद्रीय प्रयोगशाला में कराई जा रही है।

संपादकीय

कैंसर बेल्ट की ओर बढ़ता उत्तर भारत?

हाल के वर्षों में भारत में कैंसर का रोग जिस पैमाने पर बढ़ता देखा जा रहा है, उसने समूचे चिकित्सा जगत में चिंता पैदा कर दी है। विडंबना यह है कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम प्रगति के बावजूद देश में कैंसर के मामलों में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आमतौर पर इसके उपचार पर तो ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन बचाव की दिशा में नहीं सोचा जा रहा है। नतीजतन, कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।पिछले दिनों राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मौतों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में इन चारों क्षेत्रों में कुल चार लाख सत्रह हजार से अधिक मरीजों के आने का अनुमान है।आंकड़ों के हिसाब से चंडीगढ़ में ही प्रतिदिन दो लोगों की मौत हो रही है। बीते पांच वर्षों में करीब दो लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों की मौत से स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। गौरतलब है कि हर साल कैंसर के करीब पंद्रह लाख नए मरीज सामने आते हैं। अगले बीस वर्षों में यह संख्या पच्चीस लाख पहुंचने का अंदेशा है। महज दवाओं को सस्ता करने और कैंसर अस्पताल खोल देने भर से यह समस्या दूर नहीं होगी। सच यह है कि मरीजों को इस समय सस्ता और सुलभ उपचार की जरूरत है।मगर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए कैंसर की रोकथाम पर काम करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। फिलहाल लक्ष्य यह होना चाहिए कि पहले चरण में ही मर्ज की पहचान कर ली जाए और जिन कारणों से मामले बढ़ रहे हैं, उनको जड़ से खत्म किया जाए।पंजाब और हरियाणा सहित सभी राज्यों में कीटनाशकों के बेलगाम इस्तेमाल पर रोक लगाना होगा, क्योंकि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना गया है। औद्योगिक कचरों के सख्ती से निपटान के साथ वायु और भू-जल प्रदूषण पर भी अंकुश लगाने की तत्काल जरूरत है।दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था।

दुनिया देखेगी तीसरा विश्वयुद्ध?

अमेरिका काटने जा रहा ईरान की जीवनरेखा ?

(रेनू तिवारी)

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की 'सबसे भीषण बमबारी' की है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था। यहाँ का समुद्र इतना गहरा है कि दुनिया के सबसे बड़े तेल टैंकर यहाँ आसानी से डॉक कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप मुख्य भूमि ईरान (जो इराक से 4 गुना बड़ा है) पर हमला करने के बजाय खर्ग द्वीप पर (जमीनी सेना) उतारने का प्रलोभन महसूस कर सकते हैं। यह द्वीप मुख्य भूमि से 25-28 किमी दूर है। यदि अमेरिका इस पर अचानक कब्जा कर लेता है, तो ईरान के लिए कम समय में वहां सेना भेजना नामुमकिन होगा। खर्ग पर कब्जा करने का मतलब है ईरान की 90त्न कमाई पर ताला लगा देना। इससे ट्रंप को ईरान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने की अपार शक्ति मिलेगी।

ईरान युद्ध के दो हफ़्ते बीत जाने के बाद भी, अमेरिका और इज़राइल का एक मुख्य लक्ष्य -- देश में सत्ता परिवर्तन -- अभी भी पूरा नहीं हो पाया है, जबकि युद्ध के पहले ही दिन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके थे। इसके बजाय, ईरान ने इस संघर्ष को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया है और उसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य और वहाँ से गुज़रने वाले तेल को प्रभावी ढंग से बंधक बना लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्य ईरान, इराक या वेनेज़ुएला जैसा नहीं है, और वहाँ ज़मीन पर सेना उतारने से भारी जान-माल के नुकसान का काफ़ी जोखिम होगा -- जो उनके घरेलू दर्शकों (देश की जनता) के लिहाज़ से एक राजनीतिक रूप से जोखिम भरी रणनीति होगी। इसे सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए, ईरान इराक से चार गुना बड़ा है और वहाँ विशाल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका है।

हालाँकि, खर्ग : जो लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने कुल क्षेत्रफल से भी छोटा द्वीप है और ईरान के तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है -- ठीक वैसी ही जगह है जो किसी भी सैन्य कमांडर की नज़र में हमले के लिए सबसे उपयुक्त जगहों की सूची में सबसे ऊपर होगी।

इस द्वीप के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है; यह हमेशा गोपनीयता के आवरण में लिपटा रहता है और इसकी सुरक्षा आईआरजीसी के कमांडो करते हैं। ईरानियों के लिए, इसे 'वर्जित द्वीप' के नाम से जाना जाता है, जहाँ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही जाने की सख़्त अनुमति है। लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? पाँच मील लंबा होने के बावजूद, खर्ग असल में ईरान के तेल निर्यात का नियंत्रण केंद्र है।

खर्ग द्वीप इतना महत्वपूर्ण क्यों है?: दिलचस्प बात यह है कि 1979 की क्रांति के दौरान ईरान ने अमेरिका से खर्ग द्वीप को अपने कब्ज़े में ले लिया था। आज, यहाँ से ईरान के कुल तेल निर्यात का 90त्न हिस्सा संसाधित होता है, और यहाँ सालाना लगभग 950 मिलियन बैरल तेल का प्रबंधन किया जाता है। सबसे अहम बात यह है कि खर्ग गहरे पानी के करीब है, जहाँ तेल टैंकर सुरक्षित रूप से डॉक कर सकते हैं और कच्चा तेल लोड कर सकते हैं; यह तेल ज़्यादातर भारत और चीन जैसे एशियाई बाज़ारों में जाता है।

2024 में, ईरान ने तेल की बिक्री से लगभग 78 बिलियन (7.2 लाख करोड़) कमाए। इस कमाई का ज़्यादातर हिस्सा खर्ग से बेचे गए कच्चे तेल से आया। यह पैसा न केवल सरकारी कामकाज के लिए फंड देता है, बल्कि ईरान के रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए भी बहुत ज़रूरी है–जिसमें उसके मिसाइल और ड्रोन बेड़े का विकास भी शामिल है।

इसलिए, खर्ग पर कब्ज़ा करना ईरानी शासन के लिए आर्थिक और सैन्य, दोनों ही लिहाज़ से एक जानलेवा झटका साबित होगा। इससे ट्रंप को काफी ज़्यादा मोलभाव करने की ताकत मिलेगी। आखिर, उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावना को खुला रखा है। ठीक वैसे ही, जैसा उन्होंने वेनेज़ुएला के साथ किया था।

दरअसल, एईस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में व्हाइट हाउस में हुई एक बेहद गोपनीय बैठक में, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने खर्ग पर कब्ज़ा करने की संभावना पर चर्चा की थी।

शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने मीडिया को बताया कि इस तरह का ज़मीनी युद्ध होगा या नहीं, यह सवाल नहीं है; सवाल तो बस यह है कि यह कब होगा।

भू-राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ पेप ने कहा, पिछले 100 सालों में, हवाई हमलों के ज़रिए किसी शासन को उखाड़ फेंकने की कई कोशिशें हुई हैं, लेकिन इस पूरे समय में, सिर्फ़ हवाई ताकत के दम पर ऐसा कभी नहीं हो पाया है। किसी शासन को बदलने के लिए, आपको न सिर्फ़ ज़मीनी युद्ध लड़ना पड़ता है, बल्कि एक बेहद क्रूर युद्ध लड़ना पड़ता है–जिसमें दोनों तरफ़ भारी नुकसान होता है और बहुत ज़्यादा जानें जाती हैं।

खर्ग द्वीप, भले ही ईरान के तेल का मुख्य केंद्र हो, लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति (दूरी) की वजह से यह उसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। यह द्वीप मुख्य भूमि से लगभग 28 किलोमीटर दूर स्थित है–जो भारत और श्रीलंका के बीच की दूरी से थोड़ा ही कम है। इसलिए, अगर अमेरिका और इज़रायल की सेनाएँ अचानक ज़मीनी हमला कर दें, तो इतने कम समय में खर्ग तक अपनी सेना पहुँचाना ईरान के लिए मुमकिन नहीं होगा। लेकिन अमेरिका का ज़मीनी हमला किस तरह से आगे बढ़ेगा? एक काल्पनिक स्थिति का अंदाज़ा लगाने के लिए, हमने रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन से बात की है।

अमेरिका खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की कोशिश कैसे कर सकता है?: वहाँ मौजूद भारी सैन्य ताकतों को देखते हुए, खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की किसी भी कोशिश के लिए एक बहुत ही सोच-समझकर बनाई गई, कई चरणों वाली योजना की ज़रूरत होगी। ज़मीनी हमले की शुरुआत शायद हवाई क्षेत्र में अपनी पूरी पकड़ बनाने और ईरान के हवाई सुरक्षा तंत्र को पंगु बनाने से होगी–ताकि लड़ाकू विमान हमलावर सैनिकों को वहाँ उतार सकें; ठीक उसी तरह का ऑपरेशन, जैसा कि अमेरिका का दावा है कि उसने शुक्रवार को अंजाम दिया था। उन्नीथन के अनुसार, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन में संभवतः नौसेना और वायुसेना का एक संयुक्त हमला शामिल होगा, जिसमें नेवी सील्स, डेल्टा फोर्स और आर्मी रेंजर्स जैसी स्पेशल फोर्स यूनिट्स हिस्सा लेंगी।

डिस्ट्रॉयर्स से लैस यूएस नौसेना का एक बेड़ा हवाई सुरक्षा कवर देगा, जबकि असॉल्ट जहाज़ सैनिकों को वहाँ पहुँचाएँगे। इसके अलावा, स वायुसेना अतिरिक्त सैनिकों को उस द्वीप तक पहुँचाएगी।

संयोग से, यूएस जापान से 2,500 मरीन सैनिकों और तीन एम्फीबियस युद्धपोतों–जिनमें यूएसएस ट्रिपोली भी शामिल है–को मध्य-पूर्व की ओर भेज रहा है; इससे यह संकेत मिलता है कि ज़मीनी हमला कभी भी शुरू हो सकता है।

अगर ऐसा होता है, तो ज़्यादातर सैन्य कार्रवाई शायद खर्ग के उत्तरी हिस्से पर केंद्रित होगी, जहाँ हवाई पट्टी और आईआरजीसी की सुविधाएँ मौजूद हैं। दक्षिणी हिस्से में, जहाँ तेल टर्मिनल और जेट्टी हैं, वहाँ शायद कम कार्रवाई होगी। खर्ग पर अमेरिका का संभावित हमला चार चरणों में हो सकता है।

4 चरणों में हमला

चरण 1: पहला कदम शायद द्वीप पर मौजूद ईरानी रडार, हवाई-रक्षा प्रणालियों और जहाज़-रोधी मिसाइल बैटरियों पर हमले करना होगा। इन्हें निष्क्रिय करने से द्वीप की ओर आ रहे विमानों और जहाज़ों के लिए जोखिम कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी सैनिकों के अंदर आने का रास्ता साफ़ हो जाएगा। ऐसा लगता है कि बमबारी के ज़रिए यह काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

चरण 2: एक बार जब अमेरिकी विशेष बल द्वीप पर पहुँच जाएँगे, तो उनका मुख्य उद्देश्य द्वीप की हवाई पट्टी पर कब्ज़ा करना और उसे सुरक्षित करना होगा। द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित हवाई पट्टी को सुरक्षित करना चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि इसका प्रबंधन आईआरजीसी करता है।

चरण 3: रनवे पर कब्ज़ा करने के बाद, सी-130 सुपर हरक्यूलिस विमानों और चिनूक हेलीकॉप्टरों के ज़रिए सैनिकों को वहाँ लाया जा सकता है। साथ ही, पास में मौजूद अमेरिकी युद्धपोत हवाई-रक्षा कवच प्रदान कर सकते हैं। इसके बाद ये सैनिक तेज़ी से आगे बढ़कर द्वीप पर मौजूद तेल के बुनियादी ढाँचे और मुख्य जेट्टियों को सुरक्षित कर सकते हैं।

चरण 4: अंतिम चरण में, मुख्य जेट्टियों पर लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स जैसे उभयचर जहाज़ों से अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया जा सकता है। ईरानी यूएवी से बचाव के लिए ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ तैनात की जा सकती हैं, जबकि सैनिक पूरे द्वीप पर एक सुरक्षा घेरा बना लेंगे।

साथ ही, आरआरजीसी की नौसेना इकाइयों द्वारा संभावित हमलों से बचाव के लिए तेज़ हमलावर जहाज़ आस-पास के पानी में गश्त करेंगे।

इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?: अगर इस तरह का समन्वित हमला ठीक से किया जाता है, तो यह निस्संदेह ईरान की कमर तोड़ देगा। ईरान के नौसैनिक बल पहले ही काफ़ी हद तक तबाह हो चुके हैं। इस हफ़्ते की शुरुआत में, ट्रंप ने दावा किया था कि लगभग 50 ईरानी नौसैनिक जहाज़ पहले ही नष्ट हो चुके हैं। इसलिए, खर्ग पर हमले की स्थिति में, ईरान कम समय में मुख्य भूमि से सैनिकों को दोबारा रसद नहीं पहुँचा पाएगा।

'मां उंगली पकड़कर संगीत की दहलीज पर ले गई तो सासू मां ने आगे बढ़ना सिखाया'

(पूनम बिष्ट)

भूली-बिसरी लोक कला को जीवन दे रहीं शास्त्रीय गायिका और लोक कलाकार डॉ कुसुम भट्ट। कोई भी हुनर तभी अच्छे से निखरता है जब उसे अपने घर पर इसके लिए सकारात्मक माहौल मिलता है और जब बात एक महिला के हुनर की हो तो यह सपोर्ट एक नहीं दो-दो घरों से चाहिए होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज हम आपको ऐसी ही शख्सियत के बारे में बता रहे हैं जो रंगमंच से लेकर टीवी जगत तक में उत्तराखंड की लोक संस्कृति का एक जाना पहचाना नाम हैं। हम बात कर रहे हैं डॉ कुसुम भट्ट की।

रामलीला से शुरू हुआ सफर : उत्तराखंड में बर्फ से ढंकी वादियों से घिरे पौड़ी गढ़वाल में पली-बढ़ीं डॉ कुसुम की शिक्षा और संगीत की दीक्षा पौड़ी में रहकर ही हुई। उन्हें अपने गुरु श्री मोहन सिंह रावत पौड़ी में ही मिले। वह बताती हैं, पांच भाई-बहनों के हमारे परिवार में मैं दूसरे नंबर की बेटी हूं। मां ने गायिकी में मेरी रुचि देखी तो उन्होंने प्रोत्साहित किया और संगीत की दीक्षा दिलवाई। पिता देवेंद्र दत्त कारोबारी तो मां रोशनी देवी गृहिणी मगर उन्होंने मुझे कभी संगीत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नहीं रोका। यह इसलिए अहम है कि उस दौर में संगीत से जुड़े लोगों खासकर महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। मैंने रामलीला में गायन से शुरुआत की। महज 12 साल की उम्र में 1996 में मुझे सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार मिला। वहीं रहकर मैंने शास्त्रीय संगीत और तबला वादन में विशारद की। आगे की राह तलाशने के लिए 21 साल की उम्र में दिल्ली आ गई। शुरुआत में कई स्कूलों में म्यूजिक टीचर के तौर पर काम किया। इस दौरान सीडी, डॉक्युमेंट्री, शो में गाना शुरू किया।

ससुराल में मिलीं नई गुरु : ऐसे ही एक दिन मुझे एक शो के दौरान परफॉर्मेंस करते हुए ग्वालियर घराने की शास्त्रीय गायिका सविता देवी मिलीं। वह आकाशवाणी की आर्टिस्ट थीं। उन्हें मेरी कला और व्यक्तित्व इतना अच्छा लगा कि उन्होंने अपने बेटे के लिए मेरा हाथ मांग लिया। इस तरह मेरे जीवन में एक और गुरु का प्रवेश हुआ। मेरी सासू मां हमेशा मुझे संगीत के रियाज के लिए प्रोत्साहित करतीं। वह चाहती थीं कि शादी के बाद जिस तरह ज्यादातर कलाकारों को अपना हुनर त्यागना पड़ता है, वैसा मेरे साथ न हो। उन्हीं के प्रोत्साहन से मैंने संगीत के क्षेत्र में काम जारी रखा। सासू मां के बाद पति पीयूष शर्मा ने हर कदम पर साथ दिया। वह खुद भी कारोबारी हैं और क्रिकेटर रहे हैं।

पहाड़ों की नाट्य शैली दिल्ली में लाई : परिवार के इसी सपोर्ट के बदौलत, घर की जिम्मेदारियां निभाते हुए मैंने शास्त्रीय संगीत से एक कदम आगे बढ़ाकर उत्तराखंड के लोक नाट्य, लोक संगीत, लुप्त हो रही परंपराओं पर शोध शुरू किया। 2019 में मैंने उत्तराखंड के होली गीतों पर अपनी पीएचडी पूरी की। उसके बाद पहाड़ों की लुप्त हो रही पांडवानी पर रिसर्च शुरू की। दिल्ली में रहकर पहाड़ों की लुप्त हो रही कलाओं पर शोध कैसे करती हैं, इस सवाल पर डॉ कुसुम बताती हैं, संपर्क खोजकर मैं उन इलाकों तक जाती हूं जहां आज भी ये विधाएं अपने मूल रूप में हैं। हाल ही में मैं केदारघाटी, ऊखीमठ इलाके में गई जहां मुखौटा शैली, पांडवानी आज भी जिंदा है। मेरी कोशिश है कि रिसर्च के साथ मैं दिल्ली के युवाओं को भी इन विधाओं से अवगत कराऊ, इसीलिए मैं युवाओं को फ्री में पांडवानी, मुखौटा, होली गीत की वर्कशॉप कराती हूं। बुराड़ी, बदरपुर में ऐसी वर्कशॉप कर चुकी हूं। दिल्ली सरकार की गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी अकादमी से मिले प्रोत्साहन की बदौलत बीते वर्ष में मैंने मोर मोर्याण, द्रौपदी को नारैण जैसे नाटक किए। द्रौपदी को नारैण पांडव शैली में लिखा गया मेरा नाटक है जिसे खूब सराहना मिली है। वहीं मोर मोर्याण मुखौटा शैली का नाट्य है। यह वही मुखौटा शैली है जिसे यूनेस्को से भी मान्यता मिली है। उत्तराखंड के वरिष्ठ रंगकर्मी डी आर पुरोहित ने इस क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हीं से प्रभावित होकर मैंने उत्तराखंड की मुखौटा शैली पर काम आगे बढ़ाया है।

कहीं जिम्मेदारियों के बोझ तले दम तो नहीं तोड़ रहे आपके सपने?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

(सुप्रिया सत्यार्थी)

जिंदगी में हम हमेशा कुछ न कुछ चाहने की आदत में बंधे रहते हैं। यह चाहत ही शायद हमें इंसान बनाती है, हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कभी ये इच्छाएं छोटी होती हैं, जैसे किसी अपने की मुस्कान, किसी परीक्षा में सफलता, या एक सुकून भरी शाम और कभी बहुत बड़ी जैसे एक बेहतर भविष्य, पहचान, सम्मान और अपने सपनों की उड़ान। मगर हर इच्छा, हर ख्वाब हमें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

जब हम अपनी आंखों में ख्वाब संजोते हैं, तो वह ख्वाब हमें इस दुनिया के हर कोने में कुछ नया खोजने की प्रेरणा देता है। इन्हीं ख्वाबों के सहारे हम अपने जीवन के भविष्य के महल मन ही मन बना लेते हैं, मानो हर मंजिल हमारी मुट्ठी में हो। उस समय हमें लगता है कि हम कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी पा सकते हैं, लेकिन क्या कभी हमने ठहरकर यह सोचा है कि इन ख्वाबों को पूरा करने का रास्ता उतना आसान नहीं होता, जितना हमें शुरुआत में लगता है?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

हकीकत की ठोकरें हमें हमारे ख्वाबों की असली कीमत समझाने लगती हैं। जिन रास्तों पर हमने फूलों की कल्पना की थी, उन्हीं रास्तों पर कांटे उग आते हैं। असफलताएं हमें घेर लेती हैं और हमारी उम्मीदें धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगती हैं। ऐसा आमतौर पर होता है कि जब कोई चीज हमें आसानी से मिल जाती है, तो हम उसकी कीमत समझने की कोशिश नहीं करते। इसी तरह, अगर कोई व्यक्ति हमसे विनम्र और सद्भावपूर्ण व्यवहार करता है, हमें अपनी बात रखने या अपनी पसंद से आचरण करने की जगह मिलने पर कोई आपत्ति नहीं करता, तो हम वैसे व्यक्ति को हल्का मानकर उसकी अनदेखी करते हैं या उसे कम करके आंकते हैं।

मगर यही जब हमारे व्यक्तित्व में घुल जाता है, तब हम ऐसे व्यवहार की आदी हो जाते हैं और हमारे भीतर एक विचित्र अहं अपने पांव पसारने लगता है। हमें इसका भान तब होता है, जब हम किसी के लिए कुछ करते हैं और उसकी कद्र करते हैं और वह हमें कोई महत्त्व नहीं देता। दरअसल, बात यहां यह है कि हमें दूसरों के प्रति ही वैसा व्यवहार करना चाहिए, उसकी कद्र करनी चाहिए, जो हम अपने लिए दूसरों से अपेक्षा करते हैं। वक्त का पहिया कभी रुकता नहीं। यह बिना किसी से पूछे हमें आगे धकेलता रहता है।

इस रफ्तार में हम अक्सर अपने ख्वाबों को पीछे छोड़ देते हैं। हमें लगने लगता है कि दुनिया के साथ चलने के लिए हमें अपने सपनों से समझौता करना पड़ेगा। जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का बोझ हमारे कंधों पर इतना बढ़ जाता है कि हम खुद के लिए समय निकालना ही भूल जाते हैं। परिवार, समाज और परिस्थितियों की अपेक्षाएं हमें जकड़ लेती हैं। धीरे-धीरे हम अपने भीतर के उस इंसान से दूर हो जाते हैं, जो कभी बड़े सपने देखा करता था। वक्त की इस अंधी दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि एक समय था जब हमारे ख्वाब हमारे जीने का कारण हुआ करते थे।

फिर किसी एक शाम, जब हम अकेले होते हैं और जिंदगी की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाती है, तब अचानक हमारे भीतर कहीं कोई आवाज गूंजने लगती है। यह आवाज हमारे उन्हीं ख्वाबों की होती है, जो कभी हमारी आंखों में चमक बन कर बसे थे। जब कोई ठंडी हवा चेहरे को छूती है और हम अपनी जिंदगी के बीते वर्षों को याद करते हैं, तो दिल के किसी कोने से एक सवाल उठता है- 'क्या हुआ उन ख्वाबों का, जो कभी तुम्हारी आंखों में उम्मीदों की तरह चमकते थे?' यह सवाल हमें बेचैन कर देता है। हमें एहसास होता है कि कहीं न कहीं हमने अपने ख्वाबों को रास्ते में ही छोड़ दिया है।

जिंदगी की दौड़ में हम बहुत-सी चीजों को खो देते हैं। हम अपने शौक, अपनी मासूम इच्छाएं, और कभी-कभी अपनी पहचान भी खो बैठते हैं। दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते-करते हम खुद की अपेक्षाओं को दबा देते हैं, लेकिन यह बेहद जरूरी है कि हम खुद को पूरी तरह से बदलने न दें। कभी इतना न बदल जाएं कि हम अपने असली ख्वाबों को ही भूल जाएं, क्योंकि यही ख्वाब थे, जिन्होंने हमें एक दिशा दी थी, जिन्होंने हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी थी। अगर हम अपने ख्वाबों को मरने देंगे, तो हम धीरे-धीरे अपनी असल पहचान भी खो देंगे।

सपने हमें जीने की वजह देते हैं। वे हमें हर गिरावट के बाद उठने की ताकत प्रदान करते हैं। यह सच है कि ख्वाबों की राह आसान नहीं होती। इस राह में असफलताएं आती हैं, निराशा मिलती है, और कई बार खुद पर भी शक होने लगता है। मगर इन्हीं मुश्किलों से गुजर कर सपने साकार होते हैं। संघर्ष के बिना कोई भी सपना सच नहीं होता। जरूरी यह नहीं है कि हम हर ख्वाब पूरा कर ही लें, जरूरी यह है कि हम उन्हें जिंदा रखें।

वैश्विक सर्वेक्षणों के अनुसार यदि अक्षय ऊर्जा को नीति और निवेश के साथ जोड़ा जाए तो इससे न केवल अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरणीय समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

प्रदूषण की लगातार बढ़ती समस्या और प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना आज दुनिया की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। हर देश और नागरिक इस स्थिति से प्रभावित हैं। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जाए, क्योंकि यह प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले रहा है।

संक्षिप्त समाचार

तीसरे दिन गणित का वार्षिक मूल्यांकन

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के ठाकुर राधा सुरेश मंडल प्राथमिक विद्यालय चकमन में वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा जारी हैं। इस कड़ी में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभय कुमार ने बताया कि 12 मार्च से वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा शुरू हुई हैं जो की 19 मार्च को समाप्त होगा। वार्षिक मूल्यांकन

के तीसरे दिन सोमवार को प्रथम पाली में वर्ग तीन से वर्ग पांच के छात्र - छात्राओं का गणित का वार्षिक मूल्यांकन/परीक्षा हुआ। उन्होंने बताया कि इस बार प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया हैं। ई - शिक्षाकोष पर प्रश्न पत्र को डाउनलोड कर उन्हें ब्लैक बोर्ड पर लिखा जाता हैं एवं सभी छात्र - छात्राओं को उत्तर पुस्तिका दी जाती हैं,सभी छात्र - छात्राएं ब्लैक बोर्ड से प्रश्न पत्र देखकर उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखते हैं,जिससे छात्र - छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। शिक्षा विभाग पहले की तरह प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका अगर उपलब्ध कराता हैं तो छात्र - छात्राओं को परीक्षा देने में कठिनाइयों का सामना करना नहीं पड़ेगा। वहीं वार्षिक मूल्यांकन में ठाकुर राधा सुरेश मंडल प्राथमिक विद्यालय चकमन के शिक्षक को प्राथमिक विद्यालय मीरकहां में प्रतिनियुक्त किया गया हैं। वहीं प्राथमिक विद्यालय मीरकहा के शिक्षकों को ठाकुर राधा सुरेश मंडल प्राथमिक विद्यालय चकमन में प्रतिनियुक्त किया गया हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभय कुमार, वरीय शिक्षक पूर्णिमा कुमारी जयसवाल,टोला सेवक पवन कुमार रजक सहित प्राथमिक विद्यालय मीरकहां के प्रतिनियुक्त शिक्षक सद्दाम हुसैन,हुस्न आरा,सरिता कुमारी आदि उपस्थित रहे ।

किसान कांग्रेस कार्यालय मनसाही एवं मखदुमपुर में इफ्तार पार्टी आयोजित

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। किसान कांग्रेस कार्यालय मनसाही एवं मखदुमपुर में इफ्तार पार्टी आयोजित की गई । किसान कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस नेत्री इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता की अगुवाई में एवं मखदुमपुर में समाजसेवी मो. अशफाक के अगुवाई में आयोजित इस इफ्तार पार्टी में मुस्लिम रोजेदारों के साथ हिंदू भाइयों ने भी इफ्तार

किया और एक दूसरे को भाईचारा का संदेश दिया । इस अवसर पर बरारी विधानसभा के राजद नेत्री बेबी कुमारी, संयोजक जिला किसान कांग्रेस कटिहार इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता, पूर्व अध्यक्ष जिला किसान कांग्रेस कटिहार चंद्रभानु गुप्त, जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, किसान कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जमशेद आलम, कांग्रेश कार्यकर्ता में खुर्शीद आलम उर्फ राजा, प्रमोद कुमार रजक, रतन कुमार यादव, मो. मजहर आलम, मो. नईम, लालू प्रसाद यादव, सुनील कुमार यादव, आजाद कुमार यादव,मो. मतीन,रविंद्र कुमार यादव, नरंजन कुमार उर्फ पिंकू यादव, मुखिया मुकेश पासवान, सरपंच नित्यानंद पासवान, पैक्स अध्यक्ष सुनील साह,उपसरपंच कुंदन साह, चाँद अली, अनवर आजाद, मो. नजिम, मो. इफ्तेखार आदि उपस्थित रहे ।

श्रीराम नवमी शोभायात्रा को लेकर बजरंग दल की बैठक

बरारी/कटिहार (नबिटासं)। बरारी हाट स्थित सार्वजनिक श्री भगवती मंदिर परिसर में सोमवार शाम बजरंग दल बरारी संगठन की ओर से एक बैठक आयोजित की गई।बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी श्रीरामनवमी शोभायात्रा के सफल और भव्य आयोजन को लेकर विचार - विमर्श करना था। इस दौरान शोभायात्रा की तैयारी, व्यवस्था, सहभागिता

और आयोजन को शांतिपूर्ण व आकर्षक बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बजरंग दल संगठन के प्रवीण रिंकू, पवन चौरसिया, राजीव भगत, प्रमोद कुमार, रौनित जायसवाल, ऋषव प्रकाश, उत्सव प्रकाश, अंशु गुप्ता, सूरज शर्मा, मनी पॉल सहित बड़ी संख्या में श्रीराम भक्त उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित बजरंग दल के कार्यकताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय, अनुशासन और व्यापक जनसहभागिता पर जोर दिया। साथ ही शोभायात्रा के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी आपसी राय बनाई गई।

मनिहारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक 19 को

मनिहारी/कटिहार (नबिटासं)। आगामी दिनों में रामनवमी एवं ईद की त्योहार के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन गंभीर है। त्योहार शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण माहौल मे मनाये जाने को लेकर समाज के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों की के साथ शांतिसमिति की बैठक थाना परिसर में 19 मार्च को दोपहर एक बजे बुलाई गयी है। इस आशय की जानकारी थानाध्यक्ष पंकज आनंद ने दी है।

बीपीआरओ ने किया रिंकी गैस एजेंसी का निरीक्षण

डंडखोरा/कटिहार (नबिटासं)। रसोई गैस की किल्लत को लेकर बीते कई दिनों से उपभोक्ताओं के बीच अफरा-तफरी मची हुई है।लोग एजेंसी का चक्कर लगाते देखे जाते हैं।गैस की कालाबाजारी एवं वितरण की अनियमियता को रोकने के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा सभी प्रखंडों में धावा दल का गठन किया गया है।धावा दल के सदस्य सह प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी दीपशिखा ने सोमवार के अपराह्न में अपर थानाध्यक्ष अमलेंदु सिंह तथा पुलिस बलों के साथ रिंग गैस एजेंसी का निरीक्षण किया।बीपीआरओ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान किसी तरह की अनियमितता नहीं पाई गई। उन्होंने बताया कि आज का स्टॉक 70 सिलेथडर था।जिसेमें 22 सिलेंडर घरेलु उपभीक्ताओं को तथा शेष को विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को आपूर्ति की गई है।भंडार में में कोई भरा सिलेंडर नहीं पाया गया।बीपीआरओ ने बताया कि एजेंसी द्वारा बताया गया कि कल गैस आने की संभावना है।

पोठिया लूटकांड का खुलासा कुख्यात अपराधी सूरज महलदार समेत 4 धराए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा । जिले के पोठिया पुलिस ने बीते दिनों कार सवार परिवार के साथ हुई लूटपाट की घटना का सफल उदभेदन कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जबकि घटना में शामिल तीन अन्य विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया है। सदर एसडीपीओ टु रंजन कुमार सिंह ने बताया कि 14 मार्च 2026 की रात करीब 9 बजे वादी आलमगीर अपने परिवार के साथ कार से जा रहे थे।

इसी दौरान रंगाकोल मोड़ के पास 3-4 नकाबपोश अपराधियों ने लोहे की रॉड और भाला दिखाकर उनकी गाड़ी रोक ली।

अपराधियों ने आलमगीर की कनपटी पर हथियार सटाकर उनका मोबाइल और 19 हजार रुपये नकद लूट लिए थे। इस हमले में पीड़ित का दाहिना हाथ भी जख्मी हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, कटिहार के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर सूरज कुमार महलदार (19) भंगहा निवासी को गिरफ्तार किया। उसके साथ तीन अन्य नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है।

मुख्य अभियुक्त सूरज कुमार महलदार का पुराना अपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वह पहले भी फलका और पोठिया थाना क्षेत्र में लूट और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त पाया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही है ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता किया जा सके।

डूमर अग्निकांड में दो घर जलकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ अग्निपीड़ितों के बीच राशन सामग्री का वितरण

समेली (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के डूमर पंचायत के वार्ड संख्या 2 में बीती रात भीषण अग्निकांड की घटना सामने आई । जिसमें दो परिवारों के घर जलकर पूरी तरह राख हो गए। आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार डूमर पंचायत के वार्ड संख्या 2

पुवारी टोला निवासी बिजली देवी पति विनोद मंडल तथा पार्वती देवी पति वकील साह का घर आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग की लपटों में घर में रखा करीब पांच हजार रुपये नकद, अनाज, कपड़े, बर्तन सहित अन्य जरूरी सामान जलकर खाक हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर आग पर किसी तरह काबू पाया, जिससे आसपास के अन्य घरों को बचाया जा सका।

घटना की जानकारी मिलते ही डूमर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुमन शर्मा ने समेली के जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि रौशन कुमार मंडल, अंचलाधिकारी प्रियरंजन कुमार, थानाध्यक्ष नवीन कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को दूरभाष के माध्यम से सूचना दी। सूचना मिलने के बाद डूमर पंचायत के भूतपूर्व मुखिया विनोद कुमार चौधरी,पूर्व मुखिया कल्पना देवी,पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह प्रमुख प्रतिनिधि सुबोध कुमार मंडल तथा वर्तमान मुखिया मनीष ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और अग्निपीड़ित परिवारों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्हें सूखा राशन एवं नगद सहायता भी प्रदान की गई। वहीं समेली के जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि रौशन कुमार मंडल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निपीड़ित परिवारों से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अग्निपीड़ितों के बीच सूखा राशन सामग्री का वितरण किया। इसके अलावा वार्ड संख्या 2 के वार्ड सदस्य प्रतिनिधि ज्योतिष उरांव ने भी मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अग्निकांड से प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द सरकारी सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

सड़क हादसे में 8 वर्षीय बच्ची की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। थाना क्षेत्र के बैरिया पंचायत अंतर्गत वार्ड 12 निवासी नूर आलम के 8 वर्षीय पुत्री शमा परवीन की सड़क हादसे में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार बैरिया पंचायत वार्ड संख्या 12 निवासी नूर आलम के 8 वर्षीय पुत्री बांसबाड़ी में खेल रही थी।

इसी बीच बच्ची को मिट्टी से लदे ट्रेक्टर ने रोंद दिया और मौके पर ही बच्ची की मौत हो गई। आजमनगर थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने जानकारी देते हुए कहा है कि सड़क हादसे में एक 8 वर्षीय बच्ची की

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

मौत होने की जानकारी उनके ही परिजनों द्वारा दिए गए हैं। साथ ही शव को पोस्टमार्टम नहीं करने के लिए लिखित आवेदन देकर मिट्टी देने की मांग की है।

पांच पियक्कड़ों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्राणपुर (कटिहार)। नशा के खिलाफ छापामारी अभियान में पांच पियक्कड़ों को हो - हल्ला एवं मारपीट करते हुए प्राणपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर मेडिकल जांच के बाद उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार महतो ने बताया कि मंटू मंडल साकिन अठ्ठारे, बलराम मंडल साकिन सबलधार, हीरालाल किस्कू साकिन भेमरा, राहुल मंडल साकिन काठघर, डोमा मंडल साकिन काठघर को शराब के नशे में हो -हंगामा करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने मोटरसाइकिल सवार को मारा धक्का, हुआ फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । नारायणपुर - पूर्णियाँ फोर लेन सड़क के एनएच 131 ए के मनसाही थाना क्षेत्र के कजरा चौक पर मनिहारी से कटिहार की ओर जा रहे एक बाइक सवार को पीछे से एक स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में मोटर साइकिल चालक सहित दो महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के दौरान स्कॉर्पियो चालक स्कॉर्पियो लेकर भागने में सफल रहा। इस सड़क दुर्घटना के बाद मनसाही पुलिस एवं स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल कटिहार भेजा गया, मगर घायल लोगों की स्थिति नाजुक होने के कारण सभी को सदर अस्पताल कटिहार

से मेडिकल कॉलेज कटिहार रेफर कर दिया सभी घायल बरारी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

वहीं बाइक चालक करन कुमार इंदु देवी एवं नूतन देवी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही मनसाही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर कर आगे की कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को थाना लाकर आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बोलेरो सवार की मौत, सात घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। सोमवार की अहले सुबह एनएच-31 पर बिशहरी स्थान देवीपुर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बोलेरो पर सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान पूर्णिया जिला के श्रीनगर निवासी अनुपलाल के रूप में हुई है। वहीं घायलों में सुनील कुमार (40), चंद्रदीप आनंद (65), संजय कुमार (30), विश्वजीत

(54), जयकृष्ण राय (60) और योगेंद्र यादव (70) व एक अन्य शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

बताया जा रहा है कि बोलेरो सवार सभी लोग नवगछिया की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी और चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद एनएच-31 पर कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। बोलेरो सवारों की चीख-पुकार से मौके पर कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश में जुट गई है।

21 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में प्रसव पूर्व 21 गर्भवती महिलाओं की जांच हुई। इस मौके पर आशा के द्वारा लाए गए गर्भवती महिलाओं को एएनएम के द्वारा रजिस्ट्रेशन किया गया। इनके उपरांत वजन,हाइट,बीपी,शुगर आदि की जांच की गई। लेब के राजीव रमण के द्वारा ब्लड की जांच की गई। इनके उपरांत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर प्रेम राज ने सभी महिलाओं को खान-पान कामकाज के बारे में जानकारी दिए कहा कि प्रसव होने तक महिलाओं को अपने आप पर विशेष ध्यान देना हैं,समय

पर कार्य के साथ दवाई का भी सेवन करना हैं,उन्होंने कहा कि हर माह के 9,15 एवं 21 तारीख को निःशुल्क प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता हैं,सभी गर्भवती महिलाएं इस शिविर में अवश्य जांच करावे। वहीं सभी गर्भवती महिलाओं को सभी तरह की दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य साहेबनगर मधुसूदन पासवान उर्फ कन्हैया ने भी क्षेत्र भ्रमण के दौरान अस्पताल में चल रहे गर्भवती महिलाओं के जांच के बारे में जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर प्रेम राज,क्लर्क पुष्कर राज,लेखापाल अनिमेष कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनवर आलम,परिवार कल्याण कार्यकर्ता सुधीर कुमार स्वास्थ्य कार्यकर्ता में जिमी झा आदि उपस्थित रहे ।

गेहूं फसल की बर्बादी मामले में सरपंच को भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। दियारा के खेत मे लगे गेहुं की फसल बर्बाद करने के आरोप मे बघार पंचायत के सरपंच रामनिवास यादव उर्फ पागल यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । थानाध्यक्ष पंकज आनंद ने बताया कि कांटाकोश मौजा तथा झारखंड के साहेबगंज जिला क्षेत्र के रामनगर दियारा मे कांटाकोश गांव के किसानो का गेहुं फसल नौ मार्च की रात बर्बाद कर दिया गया था । जिसमे दोनो पक्षो के आवेदन पर थाना मे मामला दर्ज किया गया था।

थानाध्यक्ष ने बताया कि पहले पक्ष के किसान रामगोपाल यादव के आवेदन पर पागल यादव सहित अन्य

आठ लोग तथा दुसरे पागल यादव पक्ष के बिहारी यादव के आवेदन पर रामगोपाल यादव सहित आठ लोगो पर प्राथमिकी दर्ज की गई है । थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि जांच के दौरान कई तथ्यों पर पागल यादव को दोषी पाया गया है । उसी आरोप में पागल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है । इस बाबत सरपंच पागल यादव ने बताया कि इनके छवि धूमिल करने के लिए साजिश रची गई है । वही सरपंच पागल यादव की पत्नी सह पूर्व जिप अध्यक्ष अंजली देवी ने बताया कि इनके पति पागल यादव को कुछ लोगो ने राजनितिक षड्यंत्र के तहत छुठे मुकदमा मे फंसा दिया है । उन्होंने कोई फसल का बबार्दी नही किया है। पूर्व जिप अध्यक्ष ने घटना का उच्च स्तरीय जांच कराने का मांग पुलिस अधीक्षक से की है ।

धावा दल ने गैस गोदाम का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। जिला पदाधिकारी कटिहार के निदेर्शानुसार प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी बरारी राज कुमार सिंह एवं सब इंस्पेक्टर छोटू कुमार के नेतृत्व में बरारी प्रखंड के धावा दल ने श्री राधे भारत गैस ग्रामीण वितरक बरेटा सेमापुर का औचक निरीक्षण किया। धावा दल ने गैस गोदाम सहित वितरण व्यवस्था की जांच की। जांचोपरांत प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी राज कुमार सिंह ने बताया कि आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था संतोषप्रद पाया गया।

मौके पर उपस्थित किसी उपभोक्ता ने अधिक राशि लेने अथवा अनियमितता की शिकायत नहीं की। धावा दल के इस आकस्मिक निरीक्षण से अनियमित

ढंग से गैस बेचने वाले तथा कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों में भय का माहौल है।बीपीआरओ ने कहा कि धावा दल द्वारा इस प्रकार का जांच लगातार जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अफवाह पर ध्यान नहीं देने एवं पेनिक नहीं होने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अगर कोई बिचौलिया या दुकानदार गैस का जमाखोरी या कालाबाजारी करते है तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपील की कि गैस के जमाखोरी एवं कालाबाजारी की सूचना प्रशासन को दे । ताकि समुचित कार्रवाई की जा सके।

एनएच-31 पर ट्रक-हाइवा की टक्कर में चालक घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। एनएच-31 पर देवीपुर ढाबा सुतारा के समीप सोमवार की सुबह ट्रक और हाइवा के बीच टक्कर हो गई। दुर्घटना में ट्रक चालक घायल हो गया तथा ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक आगे जा रही हाइवा में पीछे से टकरा गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किरान की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को

सड़क से हटवाया। इस दौरान कुछ देर तक एनएच-31 पर आवागमन बाधित रहा। बाद में वाहनों की आवाजाही सामान्य कराई गई। बताया जाता है कि घटना के बाद हाइवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

मार्केट में बड़े-बड़े जब मांग रहे पानी तो 35 प्रतिशत उछला शेयर

अब दक्षिण एशिया में मिला बड़ा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में पिछले एक महीने से बड़ी-बड़ी कंपनियों के शेयर जब पानी मांग रहे हैं तो तेजस नेटवर्क की तेजी सबको हैरान कर रही है। इस कंपनी के शेयर एक महीने में करीब 35 पर्सेंट उछल चुके हैं। जबकि, इस अवधि में निफ्टी 9 पर्सेंट से अधिक टूटा है। आज एक नई खबर ने तेजस के शेयर को और ऊंची उड़ान दी है। दक्षिण एशिया में मिले एक बड़े प्रोजेक्ट से आज स्टॉक उड़ान भर रहा है। शुरुआती कारोबार में इसमें 9 प्रतिशत की तेजी देखी गई। ग्लोबल ब्रॉडबैंड, ऑप्टिकल और वायरलेस नेटवर्किंग कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दरअसल, कंपनी को दक्षिण एशिया में 4त्र नेटवर्क विस्तार परियोजना के लिए चुना गया है। इस खबर के बाद निवेशकों में उत्साह का माहौल है और शेयरों की खरीदारी बढ़ गई है। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 9.08 प्रतिशत उछलकर 463 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:36 बजे तक यह 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 445.79 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था।

बीते महीने ही कंपनी ने 5जी मैसिव मिमो रेडियो के उत्पादन और आपूर्ति के लिए एनईसी कॉर्पोरेशन के साथ एक समझौता किया था। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो दिसंबर तिमाही के नतीजों में कंपनी को 197 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 166 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इस दौरान कंपनी का परिचालन से राजस्व घटकर 307 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,642 करोड़ रुपये था।

कंपनी के शेयर का प्रदर्शन और 52-वीक हाई-लो

बता दें कि तेजस नेटवर्क्स के शेयर ने 22 अप्रैल 2025 को 914.40 रुपये का अपना 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर छुआ था। वहीं, 27 जनवरी 2026 को यह 294 रुपये के निचले स्तर पर आ गया था। पिछले एक सप्ताह में स्टॉक में 4.37 प्रतिशत और एक महीने में करीब 35 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, साल 2026 की शुरुआत से अब तक इसमें 1.64 प्रतिशत की गिरावट आई है। सोमवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि उसे दक्षिण एशिया के एक मोबाइल नेटवर्क के लिए अपने अत्याधुनिक 4त्र रेडियो एक्सेस नेटवर्क समाधान उपलब्ध कराने का ऑर्डर मिला है। इस समझौते के तहत, कंपनी के 4त्र मल्टीबैंड रेडियो उत्पादों को मोबाइल ऑपरेटर के नेटवर्क में कई जगहों पर स्थापित किया जाएगा।

भारत के पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन का मानना है कि ऐसा खतरा जितना बताया जा रहा है

इतिहास बताता है कि नई तकनीकें..

एआई से छंटनी पर बोले रघुराम राजन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर इन दिनों एक बड़ी बहस चल रही है। कई रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा है कि आने वाले कुछ सालों में एआई बड़ी संख्या में व्हाइट-कॉलर यानी दफ्तरों में काम करने वाली नौकरियों को खत्म कर सकता है। लेकिन भारत के पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन का मानना है कि ऐसा खतरा जितना बताया जा रहा है, हकीकत में उतना तेज नहीं होगा। उनके मुताबिक, तकनीक का असर जरूर पड़ेगा, लेकिन यह बदलाव धीरे-धीरे आएगा और समाज, सरकार तथा बाजार की नीतियां यह तय करेंगी कि इसका असर कितना बड़ा होगा।

एक लेख में, जो प्रकाशित हुआ, राजन ने उस रिपोर्ट पर चर्चा की जिसमें कहा गया था कि 2028 तक एआइ ज्यादातर व्हाइट-कॉलर नौकरियों को खत्म कर सकता है। यह अनुमान इक्विटी रिसर्च फर्म ने लगाया था। हालांकि, राजन का कहना है कि यह अनुमान काफी निराशावादी है। इतिहास बताता है कि नई तकनीकें उद्योगों में फैलने में अक्सर उम्मीद से ज्यादा समय लेती हैं। उदाहरण के तौर पर,

ऑटोमेटेड टेलीफोन सिस्टम आने के बाद भी मानव ऑपरेटरों की जगह पूरी तरह लेने में कई दशक लग गए थे।

राजन ने क्या कहा

राजन के मुताबिक एआई के भविष्य के कई संभावित रास्ते हो सकते हैं। एक स्थिति यह हो सकती है कि कुछ बड़ी टेक कंपनियां एआई के क्षेत्र में बहुत आगे निकल जाएं और बाजार पर उनका दबदबा बन जाए। जैसे कि मेटा प्लेटफॉर्म्स जैसी कंपनियां अगर मजबूत तकनीकी बढ़त बना लें, तो वे अपने एआई सिस्टम का इस्तेमाल करने के लिए कंपनियों से ज्यादा कीमत वसूल सकती हैं। ऐसे में कई उद्योग अपने काम को ऑटोमेट करके व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों की संख्या कम कर सकते हैं, जिससे कई लोगों को दूसरी नौकरियों में जाना पड़ सकता है।

न कि हर तरह की नौकरी को तुरंत बदलने में।

कुल मिलाकर राजन का मानना है कि एआई से बदलाव जरूर आएगा, लेकिन यह प्रक्रिया धीरे-धीरे होगी। इस दौरान कर्मचारियों के पास नए कौशल सीखने और एआई के साथ काम करने के तरीके अपनाने का समय होगा। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सरकारों और कंपनियों को अभी से अलग-अलग संभावित स्थितियों के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, ताकि भविष्य में आने वाले बदलावों से अर्थव्यवस्था और रोजगार दोनों को संतुलित रखा जा सके।

एआई सेवाओं की कीमत कम रह सकती है

एक दूसरा परिदृश्य भी संभव है। अगर बाजार में प्लेटफॉर्म लगभग समान क्षमता के साथ मौजूद रहें — जैसे प्रतिस्पर्धा के कारण एआई सेवाओं की कीमत कम रह सकती है। इससे तकनीक का फायदा सिर्फ कुछ कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था में फैल सकता है। उत्पादकता बढ़ने से वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें कम हो सकती हैं, जिससे रोजगार पर पड़ने वाला असर कुछ हद तक संतुलित हो सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में सरकारों की भूमिका भी बेहद अहम हो सकती है। राजन के अनुसार, सरकारें प्रतिस्पर्धा से जुड़े नियम, एआई की कीमतों पर नियंत्रण या बड़ी टेक कंपनियों के मुनाफे पर टैक्स जैसे कदम उठाकर यह तय कर सकती हैं कि एआई का फायदा समाज में किस तरह बांटा जाए। अगर लोगों को बड़े पैमाने पर नौकरी का नुकसान होता है तो राजनीतिक दबाव भी बढ़ेगा और सरकारों को हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। एआई से नौकरी पर असर उतनी तेजी से नहीं पड़ेगा जितना कुछ लोग सोच रहे हैं। उन्नत सिस्टम को चलाने के लिए बहुत ज्यादा कंप्यूटिंग पावर की जरूरत होती है, जो फिलहाल काफी महंगी है। कई इंजीनियर जटिल एआई टूल्स इस्तेमाल करते समय रोज हजारों डॉलर तक खर्च कर देते हैं। इसलिए कंपनियां फिलहाल एआई को सिर्फ हाई-वैल्यू कामों जैसे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में ही ज्यादा इस्तेमाल करेंगी।

सोना, शेयर, म्यूचुअल फंड समेत हर मोर्चे पर झटका देगा कच्चा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले 15 सालों में भारतीय बाजार ने कई बड़े संकट और युद्ध देखे हैं। हर बार बाजार इन संकट से बाहर निकलने में कामयाब रहा। कोविड संकट के दौरान भारी गिरावट देखने वाले भारतीय बाजारों ने अगले कुछ वर्षों में लगभग 21-22प्रतिशत तक मुनाफा दिया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशकों को हर मोर्चे पर बुरी तरह झटका लगा है। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब सभी निवेश विकल्पों (एसेट क्लास) में एक साथ गिरावट आई है।

इसका प्रमुख कारण कच्चे तेल के बेतहाशा चढ़ते दाम हैं। यदि कच्चा तेल 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा तो निवेशकों का जोखिम और बढ़ सकता है। मध्य-पूर्व में जंग शुरू होने के बाद से कच्चे तेल के दाम चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। संघर्ष शुरू होने के समय यह 72.48 डॉलर प्रति बैरल था, जो नौ मार्च को 65 फीसदी उछलकर 119.40 डॉलर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में कीमतों में कुछ गिरावट आई लेकिन यह एक बार फिर 100 डॉलर के पार निकल गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि होर्मुज जलमार्ग पर आपूर्ति चार से आठ सप्ताह तक बाधित रहती है तो तेल की कीमत 110 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। ऐसी स्थिति में भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए शेयर बाजार में भारी गिरावट जारी रहने और महंगाई उछलने का दोहरा संकट खड़ा हो सकता है।

सोना-चांदी: पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बावजूद सोने-चांदी की कीमतें गिर गई हैं। फरवरी के आखिर से अब तक सोना करीब छह फीसदी और चांदी नौ फीसदी तक टूट चुकी है। इसका प्रमुख कारण डॉलर में आई मजबूती है। कच्चे तेल का कारोबार ज्यादातर डॉलर में होता है, इसलिए इसके दाम उछलने से डॉलर की मांग बढ़ जाती है। जब डॉलर मजबूत होता है तो सोने पर दबाव बढ़ता है।

आगे की संभावना: फिलहाल बाजार का पैसा डॉलर, बॉन्ड और तेल से जुड़े निवेश विकल्प में ज्यादा जा रहा है। हालात बिगड़ने पर सोने-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव आ सकता है।

शेयर बाजार: मार्च में अब तक घरेलू बाजार आठ फीसदी तक लुढ़क गए हैं। पिछले हफ्ते पांच फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। कई सालों बाद किसी एक हफ्ते में बाजार इतना गिरा है। इससे पहले 2020 में कोविड की शुरुआत में तेज गिरावट आई थी।

निवेश जोखिम बढ़ा

मध्य-पूर्व और अन्य क्षेत्रों में बढ़े संघर्ष ने कई वित्तीय निवेश विकल्पों में उतार-चढ़ाव बढ़ा दिया है, जिससे भारतीय निवेशकों को तेज झटका लग रहा है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक इक्विटी शेयर, म्यूचुअल फंड, कच्चे तेल से जुड़े क्षेत्र, मुद्रा बाजार, बॉन्ड और कुछ कमोडिटी में युद्ध की वजह से जोखिम काफी अधिक बढ़ गया है।

हर बड़े झटके से उबरे

विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले 15 सालों में भारतीय बाजार ने कई बड़े संकट और युद्ध देखे हैं। निकलने में कामयाब रहा। कोविड संकट के दौरान भारी गिरावट देखने वाले भारतीय बाजारों ने अगले कुछ वर्षों में लगभग 21-22 प्रतिशत तक मुनाफा दिया था।

2030 तक बदलेगा बाजार

जेन जेड की जेब में होगा 120 लाख करोड़ का दम

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, साल 2030 तक भारत की कुल आबादी में जेन जी (सन् 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग) की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत हो जाएगी और वे 1.3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 120 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने को लीड करेंगे। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पीढ़ी अनुभवों, स्थिरता और डिजिटल सुविधा पर ध्यान केंद्रित करके कंज्यूमर मार्केट को नया आकार दे रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने इस रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि त्वद्दट्ठ ' का ब्यूटी एंड पर्सनल केयर यानी बीपीसी सेक्टर से जुड़ाव लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत के कुल बीपीसी बाजार में इस समूह की हिस्सेदारी लगभग 19 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस पीढ़ी की हर दूसरी महिला अपनी आय का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बीपीसी उत्पादों पर खर्च करती है। पिछले कुछ वर्षों में इस समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों की औसत संख्या दोगुनी हो गई है, जिसमें त्वचा, बाल और शरीर की देखभाल के लिए अलग-अलग दिनचर्या शामिल हैं।

फैशन में बदलते ट्रेंड: जेंडरलेस ब्यूटी और किफायती कीमतों पर जोर

ब्यूटी ट्रेंड अब जेंडरलेस हो गए हैं, जहां बड़ी संख्या में युवा पुरुष भी मेकअप और व्यक्तिगत देखभाल को अपना रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में 'पुरुषों की त्वचा देखभाल दिनचर्या' से जुड़े सर्च में 850 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पुरुषों के लिए कॉस्मेटोलॉजी और मेकअप एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जहां जेन जेड पुरुष मुंहासे छुपाने, फिलर, बाल हटाने और आइब्रो जैसी चीजों के जरिए अपने रूप को निखार रहे हैं। वहीं, फैशन उद्योग की बात करें तो 2030 तक इसका आधा हिस्सा के हाथों में होगा। इसमें कपड़े, जूते और एक्सेसरीज शामिल हैं। फास्ट फैशन में 1,000 रुपये से कम कीमत वाली वस्तुएं इनकी पहली पसंद बनी हुई हैं। हालांकि त्वद्दर्ठ भारत के प्रमुख फैशन ई-कॉमर्स साइटों पर सबसे बड़ा उपयोगकर्ता समूह बन गया है।

फिटनेस और हेल्दी लाइफ स्टाइल पर त्वद्दर्ठ का जोर

फिटनेस भी त्वद्दर्ठ की प्राथमिकता सूची में शामिल है। इस समूह का एक-तिहाई हिस्सा अपनी आय का कम से कम 20 प्रतिशत फिटनेस और खेलों पर खर्च करता है। एथलीजर (खेलों से प्रेरित आरामदायक कपड़े) की बिक्री में साल-दर-साल दोगुनी वृद्धि हुई है। ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर किफायती स्पोर्ट्सवियर इस ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं, जहां सबसे ज्यादा बिकने वाले स्पोर्ट्स फुटवियर ब्रांडों में से 60 प्रतिशत की कीमत 500 से 1,000 रुपये के बीच है। हेल्दी डाइट के बढ़ते चलन ने वैकल्पिक प्रोटीन (जैसे प्लांट-बेस्ड प्रोटीन) की मांग को बढ़ा दिया है। नियमित रूप से व्यायाम करने वाले 40 प्रतिशत त्वद्दर्ठ प्रोटीन के इन्हीं वैकल्पिक स्रोतों को प्राथमिकता देते हैं। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर प्रोटीन सप्लीमेंट की लिस्टिंग में 2024 और 2025 के बीच 230 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो संतुलित पोषण के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। रेडसीर के अनुसार, 2030 तक त्वद्दर्ठ फिटनेस और खेलों पर 40 अरब डॉलर का खर्च करेगा।

करोड़ों का लग गया दांव

शो पर जजों को बना दिया मुरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ की निमिषा और बूंदी (राजस्थान) के नवीन सुमन ने कमाल कर दिया है। इन दोनों कंप्यूटर साइंस इंजीनियरों ने एलोवेरा से बैटरी बनाई है। यह पूरी तरह ईको-फ्रेंडली है। राजस्थान के जयपुर में पढ़ाई के दौरान उनका ये सफर शुरू हुआ। इसने आज एक स्टार्टअप का रूप ले लिया है। इसका नाम एलो ईसेल है। यह न केवल कचरे को कम कर रहा है बल्कि खेती के लिए खाद भी उपलब्ध कराने में जुटा है। इस जोड़ी ने जब रियलिटी शो 'भारत के सुपर फाउंडर्स' में अपने प्रोडक्ट की खूबियां बताई और दिखाई तो चार के चारों जज उनके मुरीद हो गए। उन्होंने करोड़ों का दांव लगा दिया। आइए, यहां निमिषा और नवीन सुमन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। निमिषा और नवीन राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट रहे हैं। वे एलो ईसेल प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर हैं। यह स्टार्टपअप एलोवेरा से बनी बैटरियां बनाता है। ये बैटरियां 100 फीसदी ईको-फ्रैंडली हैं। गर्म होने पर फटती भी नहीं हैं। अपनी रिसर्च के दौरान दोनों ने पाया कि पारंपरिक बैटरियों में लेड और मरकरी जैसे घातक रसायन होते हैं। ये ई-कचरे का बड़ा हिस्सा हैं। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए उन्होंने नींबू, आलू और केले जैसे कई जैविक पदार्थों पर परीक्षण किए। अंत में एलोवेरा और कुछ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का मिक्सचर सफल साबित हुआ। इससे ऐसी बैटरी तैयार हुई जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल है।

निमिषा और नवीन ने अपनी पढ़ाई के दौरान ही एलो ईसेल की नींव रखी।

आईडीबीआई बैंक अब नहीं होगा प्राइवेट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। सरकार ने इस बैंक के रणनीतिक डिसइन्वेस्टमेंट से कदम पीछे खींच लिया है। रिपोर्ट के अनुसार हिस्सेदारी बेचने के लिए जो वित्तीय बोलियां लगाई गई थी वो रिजर्व प्राइस से भी कम है। बता दें, डिसइन्वेस्टमेंट नियमों के अनुसार सरकार की तरफ से ऐसी कोई बोली स्वीकार्य नहीं की जा सकती जो रिजर्व प्राइस से भी कम है। रिपोर्ट के अनुसार हिस्सेदारी बेचने के लिए रिजर्व प्राइस काफी अधिक है। वह बैंक के प्राइस टू बुक वैल्यूएशन के हिसाब से ज्यादा है। बोलीदाताओं में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और एमिरेट्स एनबीडी ने 6 फरवरी को फाइनेंशियल बिड्स को जमा किया था। कोटक महिंद्रा बैंक भी बोलीदाता के तौर पर चयनित किए गए थे। हालांकि, कोटक महिंद्रा बैंक ने पहले ही संकेत दिया था कि वो इस बिडिंग प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे।

मौजूदा समय में सरकार की होल्डिंग 45.48 प्रतिशत है। वहीं, एलआईसी के पास 49.24 प्रतिशत हिस्सा है। सरकार इस डिसइन्वेस्टमेंट प्रक्रिया के जरिए अपना और एलआईसी का हिस्सा मिलाकर 60.70 प्रतिशत बेचना चाहती थी। जिसमें 30.48 प्रतिशत सरकार की हिस्सेदारी और 30.24 प्रतिशत एलआईसी की हिस्सेदारी होगी। इस डिसइंवेस्टमेंट के बाद सरकार के पास 15 प्रतिशत हिस्सा और एलआईसी के पास 19 प्रतिशत हिस्सा बचता है।

7 जनवरी 2023 से शुरू है प्रोसेस: यह डिसइन्वेस्टमेंट प्रक्रिया 7 जनवरी 2025 से चल रही है। यह वही समय है जब डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट ने कई बिडर्स ने संपर्क किया था। बता दें, सरकार और एलआईसी दोनों अपनी हिस्सेदारी घटाना चाह रहे थे। अगर यह प्रक्रिया पूरी हो जाती तो भारत के इतिहास का सबसे बड़ा बैंकिंग प्राइवेटाइजेशन होता। शुक्रवार को आईडीबीआई बैंक के शेयर 6.69 प्रतिशत की गिरावट के बाद 92.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

ऑयल मार्केट में भूचाल: आईईए के भंडार खोलने के बावजूद कच्चा तेल 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने रविवार को ऐलान किया कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए तेल संकट से निपटने के लिए स्ट्रेटजिक ऑयल रिजर्व को तुरंत जारी किया जाएगा। इस योजना के तहत एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के देशों को सबसे पहले राहत मिलेगी, जबकि अमेरिका और यूरोप के सदस्य देशों की सप्लाई मार्च के अंत से शुरू होगी। हालांकि, इस ऐलान के बावजूद आज ब्लूमबर्ग पर ब्रेंट क्रूड 102.68 डॉलर प्रति बैरल और क्रूड 97.59 डॉलर प्रति बैरल पर था। सरकारी नियंत्रण वाले कुल 271.7 मिलियन बैरल तेल भंडार को दुनिया भर में इस आपातकालीन कार्रवाई के तहत जारी किया जाएगा।

तेल बाजार का सबसे बड़ा झटका

सदस्य देशों ने बुधवार को युद्ध के कारण बढ़ी कीमतों के जवाब में तेल भंडार को कम करने पर सहमति जताई थी। यह अपनी तरह का अब तक का सबसे बड़ा समन्वित हस्तक्षेप है। एजेंसी ने इस व्यवधान को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट में युद्ध वैश्विक तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी सप्लाई में व्यवधान पैदा कर रहा है। यह आपातकालीन भंडार जारी करने का द्बध्न के इतिहास में छठा मौका है।

एसएंडपी की चेतावनी: सीमित राहत के आसार

एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी ने आगाह किया है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद रहा तो 400 मिलियन बैरल इमरजेंसी ऑयल रिजर्व जारी करने की व्यापक योजना केवल सीमित राहत ही प्रदान कर सकती है। एसएंडपी का कहना है कि यह रिलीज मौजूदा असंतुलन को दूर करने में मदद करेगी।

कीमतों पर असर क्यों नहीं

इस ऐतिहासिक हस्तक्षेप के बावजूद, तेल की कीमतों में कोई खास कमी नहीं आई है। अभी भी कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर हुआ है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है और युद्ध से पहले के 70 डॉलर से काफी ऊपर है। यह स्थिति बाजार की इस चिंता को दर्शाती है कि ऐतिहासिक भंडार जारी करना भी फारस की खाड़ी में शिपिंग मार्गों में व्यवधान के कारण हुई सप्लाई की कमी की भरपाई पूरी तरह से नहीं कर सकता है। स्पष्ट किया है कि असली समाधान केवल भंडार जारी करना नहीं है, बल्कि होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से सामान्य टैंकर यातायात की बहाली है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बाद से ईरान ने इस रणनीतिक स्ट्रेट को प्रभावी रूप से अवरुद्ध कर दिया है। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा प्रणाली के सबसे महत्वपूर्ण चोकप्वाइंट में से एक है और आमतौर पर दुनिया के कुल तेल शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा यहीं से गुजरता है।

पुलिस ने फ्लैग मार्च कर शरारती तत्वों को दी चेतावनी

प्रशासन ने लोगों से की ईद और रामनवमी सौहार्दपूर्ण मनाने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आगामी ईद और रामनवमी त्योहार को देखते हुए जिले में अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निदेर्शानुसार पुलिस लाइन से फ्लैग मार्च की शुरूआत की गई।

फ्लैग मार्च में धनबाद पुलिस को हाल ही में प्राप्त 40 नए वाहनों पर सवार होकर पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए आम नागरिकों को सुरक्षा का संदेश दिया। इस दौरान पुलिस बल ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में गश्त करते हुए लोगों को आगामी त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

फ्लैग मार्च पुलिस लाइन से निकलकर स्टील गेट, सरायढेला, गोल बिल्डिंग, मेमको मोड़, धईया, सिटी सेंटर, बेकार बांध, श्रमिक चौक, बैंक मोड़, केंदुआडीह, शिमला बहाल, कतरास मोड़ झरिया, धनसार, नया बाजार होते हुए गुजरा। इस दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने जिले के आम नागरिकों से आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की घटना, अवैध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत डायल 112 पर दें, ताकि पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सके। साथ ही उन्होंने शरारती तत्वों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फांसी लगाकर आत्महत्या

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहगानी मोहल्ले में सोमवार को एक प्रोजेक्ट मैनेजर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित कोलवा गांव निवासी ओमप्रकाश विश्वकर्मा के 37 वर्षीय पुत्र आशीष रंजन के रूप में हुई है। आशीष पिछले दो वर्षों से बिहारशरीफ में आनंद ट्रांसफार्मर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और अपने सहकर्मियों के साथ किराए के मकान में रहते थे।

घटना की जानकारी तब हुई जब सोमवार सुबह काफी देर तक आशीष ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। परिजनों ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे उनकी आशीष से फोन पर सामान्य बातचीत हुई थी, जिसमें उसने खाना खाने जाने की बात कही थी।

विचित्र बछड़े का जन्म क्षेत्र में बना चर्चा का विषय

उमड़ी भीड़, मान रहे अलौकिक अवतार, पूजा-अर्चना शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। झारखंड के गुमला में भरनो प्रखंड मुख्यालय स्थित पंडित मुहल्ला, बरकोचा में एक गाय द्वारा एक आंख वाले विचित्र बछड़े को जन्म देने की घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है।

किसान ननवा उरांव के घर जन्मे इस बछड़े की शारीरिक बनावट सामान्य बछड़ों से काफी अलग है, जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, ननवा उरांव की गाय ने सोमवार को एक बछड़े को जन्म दिया। जन्म के बाद जब परिवार के लोगों और ग्रामीणों ने उसे देखा तो सभी हैरान रह गए।

बताया जा रहा है कि बछड़े के माथे के बीच में केवल एक ही आंख है और उसकी नाक भी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। इसके कारण उसका चेहरा सामान्य बछड़ों की तुलना में काफी अलग दिखाई दे रहा है।पशु चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, इस प्रकार की स्थिति को साइक्लोपिया कहा जाता है। यह एक दुर्लभ जन्मजात विकृति होती है, जिसमें भ्रूण के विकास के दौरान आंखों और चेहरे का सामान्य विकास नहीं हो पाता।

हालांकि ग्रामीण इलाकों में इस तरह की घटनाओं को लोग अलग-अलग नजरिए से देखते हैं। जैसे ही इस अनोखे बछड़े के जन्म की खबर गांव और आसपास के क्षेत्रों में फैली, बड़ी संख्या में लोग ननवा उरांव के घर पहुंचने लगे।

देखते ही देखते वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और लोग बछड़े को देखने के लिए कतार लगाने लगे। कई लोग इसे एक अलौकिक घटना या चमत्कार मान रहे हैं, जबकि कुछ ग्रामीण इसे भगवान का संकेत मानकर पूजा-अर्चना भी कर रहे हैं।

ग्रामीणों के बीच इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। कोई इसे प्रकृति का अद्भुत रूप बता रहा है तो कोई इसे ईश्वरीय संकेत मान रहा है।

फिलहाल ननवा उरांव के घर के बाहर लोगों का तांता लगा हुआ है और यह अनोखी घटना पूरे भरनो क्षेत्र में कौतूहल का विषय बनी हुई है।

फर्जी बंदोबस्ती पर एसडीओ सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका में सरकारी जमीन की फर्जी बंदोबस्ती कर उसे बेचने का मामला तूल पकड़ रहा है। जमीन माफिया मिलीभगत से जमीन अपने नाम कराकर ऊंचे दामों पर बिक्री कर रहे हैं।

रविवार को एसडीओ के निर्देश पर अंचलाधिकारी अमर कुमार ने नगर थाना की मदद से दुधानी के महुआडंगाल में नौ बीघा (करीब 180 कट्ठा) सरकारी जमीन पर चल रहे निर्माण कार्य को रोक दिया। साथ ही जमीन पर दावा करने वाली गुड्डी वर्मा से बंदोबस्ती संबंधी कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया। स्थानीय रैयतों ने लंबे समय से इस फजीर्वाड़े का विरोध किया था और प्रशासन को आवेदन भी दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ ने जमीन की खरीद-बिक्री और निर्माण पर तत्काल रोक लगा दी है।

जानकारी के अनुसार, गुड्डी वर्मा दुधानी की रैयत नहीं है। इसके बावजूद उसने 1971 में जमीन की बंदोबस्ती अपने नाम कराई और बाद में ऊंचे दामों पर बिक्री शुरू कर दी। अधिकारियों का कहना है कि उसे इस जमीन को बेचने का अधिकार कभी नहीं दिया गया।

सीओ कार्यालय ने कई बार गुड्डी वर्मा से बंदोबस्ती संबंधी कागजात मांगे, लेकिन उसने अब तक मूल दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। आशंका जताई जा रही है कि बंदोबस्ती फर्जी हो सकती है।

गुड्डी वर्मा ने सरस्वती देवी नामक महिला को तीन कट्ठा जमीन 19 लाख रुपये में बेच दी। रविवार को जब वह मकान की ढलाई करा रही थीं, तभी पुलिस ने काम बंद करा दिया।

सरस्वती ने बताया कि उन्होंने मेहनत से पैसे जुटाकर जमीन खरीदी थी, लेकिन गुड्डी ने कभी यह नहीं बताया कि यह सरकारी जमीन है। कागजात भी नहीं दिए गए।

फंदे से लटकी मिली छात्र की लाश

पूर्णिया। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामबाग स्थित महाराजगंज मोहल्ले में एक पॉलिटेक्निक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महाराजगंज निवासी चंदन ठाकुर के 21 वर्षीय पुत्र रौनक कुमार के रूप में हुई है। रौनक मूल रूप से मधेपुरा जिले के पुरैनी बाजार के रहने वाले थे और रामबाग स्थित मिल्लिया कॉलेज में पॉलिटेक्निक फाइनल ईयर के छात्र थे।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर मिले सबूतों ने इस मामले को और रहस्यमय बना दिया है। कमरे में दो थालियों में परोसा हुआ चिकन और करीब 12 सिगरेट के अवशेष मिले, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि घटना के समय कमरे में कोई दूसरा व्यक्ति भी मौजूद था।

पत्नियों के झगड़े से परेशान हो पेड़ से लटककर दे दी जान

दोनों पत्नी से है बेटा-बेटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। मसलिया के जामजोरी गांव में शनिवार की रात दो पत्नियों के विवाद से परेशान होकर 35 साल के विनोद मरांडी ने घर से चंद कदम दूर पेड़ से लटककर जान दे दी। रविवार को ग्रामीणों से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर मेडिकल कालेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। पुलिस आत्महत्या करने का कारण जानने का प्रयास कर रही है।

घरवालों की माने तो विनोद ने दस साल पहले जामजोरी गांव की ही युवती से शादी की थी। इस शादी के बाद दोनों को बेटा हुआ। आज बेटा सात साल का है। बाद में विनोद पत्नी की छोटी बहन से प्रेम करने लगा। बाद में घरवालों की सहमति से उसके साथ भी शादी कर ली।इस शादी से भी बेटी हुई, जो अभी तीन साल की है।

घरवालों ने बताया कि पिछले कुछ माह से दोनों बहनों के बीच विवाद होने लगा। दो दिन पहले जमकर झगड़ा हुआ तो गांव वालों ने बात कर मामले को शांत करा दिया। लगातार हो रहे झगड़े की वजह से विनोद तनाव में रहने लगा।

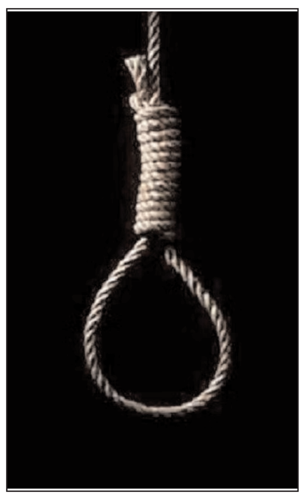

शनिवार की रात जब परिवार के सभी सदस्य सो गए तो विनोद घर से निकल गया और गांव के पास पेड़ से लटकर जान दे दी। सुबह ग्रामीणों ने पेड़ से लटका शव देखने के बाद पुलिस को सूचित किया। एएसआई उमेश सिंकू ने स्थल पर जाकर जांच की और शव कब्जे में लिया। थाना प्रभारी राजेश रंजन का कहना है कि प्रारंभिक जांच से तो यही पता चल रहा है कि विनोद ने मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद की वजह से अपनी जान दे दी है। मामला दर्ज कर आत्महत्या का कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है।

एआई+ नोवा पॉड्स और नोवा वाच सीरीज

- 699 से 7,999 रुपए तक एआई+ के छह नए AIoT प्रोडक्ट लॉन्च, ईयरबड्स और स्मार्टवॉच की पूरी सीरीज बाजार में
- तीन ईयरबड्स और तीन स्मार्टवॉच पेश, हर बजट के लिए नए विकल्प तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एआई+ ने भारत में AIoT के छह नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। इनमें तीन ईयरबड्स और तीन स्मार्टवॉच शामिल हैं। इनकी कीमत 699 रुपए से लेकर 7,999 रुपए तक रखी गई है, यानी लगभग हर बजट के लिए विकल्प मौजूद है।

नोवा पॉड्स गो (699) में 24 घंटे तक का कुल बैटरी बैकअप मिलता है। इसमें डुअल माइक्रोफोन और IPX4 वाटर रेसिस्टेंस भी दिया गया है। इस कीमत में यह वायर वाले ईयरफोन से काफी बेहतर विकल्प माना जा सकता है।

अगर नोवा पॉड्स प्रो (1,999) की बात करें तो इसमें हाइब्रिड अठउ, छह माइक्रोफोन और ब्लूटूथ 6.0 जैसे फीचर्स मिलते हैं। आमतौर पर ऐसे फीचर्स उन प्रोडक्ट्स में मिलते हैं जिनकी कीमत इससे करीब तीन गुना ज्यादा होती है।

नोवा पॉड्स क्लिप्स (3,999) को फैशन और टेक्नोलॉजी को साथ लेकर डिजाइन किया गया है। यह ईयररिंग की तरह कान के बाहर क्लिप होकर बैठता है और स्टाइलिश भी लगता है। इसका ओपन-ईयर क्लिप डिजाइन कान के अंदर दबाव नहीं डालता, इसलिए लंबे समय तक पहनना आसान रहता है।

स्मार्टवॉच सेगमेंट में नोवा वॉच एक्टिव (2,499) में 1.73 इंच का अमोलेड ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले दिया गया है। इसके साथ हार्ट रेट मॉनिटरिंग, SpO2 ट्रैकिंग, स्ट्रेस ट्रैकिंग, महिलाओं की हेल्थ से जुड़े फीचर्स और IP68 रेटिंग भी मिलती है। इस कीमत में इसे काफी अच्छा वैल्यू पैकेज माना जा रहा है।

नोवा वॉच किड्स 4G (2,999) खास तौर पर स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए डिजाइन की गई है। इसमें रियल-टाइम GPS ट्रैकिंग, जियो-फेंसिंग, रडर कॉलिंग और टू-वे वीडियो कॉल जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उपयोगी डिवाइस बनाते हैं। वहीं नोवा वॉच वियरबड्स (7,999) इस सीरीज का सबसे अलग और खास प्रोडक्ट है। यह भारत में अपनी तरह की पहली स्मार्टवॉच है जिसमें डायल के अंदर ही ईयरबड्स दिए गए हैं। इसमें 2GB लोकल म्यूजिक स्टोरेज, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग और चैट GPT इंटीग्रेशन जैसे फीचर्स भी मिलते हैं।

माधव शेठ के सपोर्ट और करीब दस लाख मौजूदा एआई+ स्मार्टफोन यूजर्स के साथ यह पूरा इकोसिस्टम बाजार में खास ध्यान खींच रहा है।

जिला स्तरीय एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पीएम योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में 14 पीएम विद्यालयों के 750 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी तथा अन्य ने समवेत रूप से किया।

एफएलएन मेला का आयोजन विद्यालय स्तर पर पहले ही किया जा चुका है, विद्यालय स्तर से चुने गए सर्वश्रेष्ठ टी एल एन को जिला स्तर पर प्रदर्शित किया गया। जिसमें पीएम विवेकानंद सेवा आश्रम मध्य विद्यालय टुंडी को प्रथम पुरस्कार, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांगेपारा को द्वितीय पुरस्कार तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुमदुमी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों को एक-एक राज्य आवंटित किया गया था। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीएम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलियापुर को बिहार की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर, द्वितीय स्थान पीएम आदर्श मध्य विद्यालय राजगंज को बंगाल की सभ्यता संस्कृति बहुत प्रस्तुत करने पर तथा तृतीय पुरस्कार पीएम पार्षद मध्य विद्यालय केसरकुराल को गोवा की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर मिला। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा यह अच्छा मंच है, बच्चों को और आगे बढ़ना चाहिए और खेल-खेल में सीखने के क्रम को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम

के विषय में उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को जानने और समझने का एक अच्छा प्रयास है। इसका संपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह जी ने कहा कि दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम योजना ने उन्हें एक बहुत अच्छा मंच प्रदान किया है। एफएलएन मेला के टीएलएम को देखकर उन्होंने प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने सभी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह आरंभ है इसी प्रकार आगे बढ़ते जाना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों के आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने इसके लिए अपनी पूरी टीम शिक्षकों और छात्रों का धन्यवाद भी किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार पांडे ने किया। इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मुठभेड़ में अपराधी जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र में सोमवार को पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अपराधियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार घायल अपराधी की पहचान प्रणव कुमार धीरज के रूप में हुई है, जिसका इलाज अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि हिस्ट्रीशीटर बताए जा रहे कुछ बदमाशों ने दियारा क्षेत्र में किसानों की राई की फसल जबरन काट ली थी और उसकी दमाही कर रहे थे। इसी दौरान एसटीएफ को सूचना मिली कि पंडारक दियारा इलाके में कुछ बदमाश हथियार के साथ मौजूद हैं। सूचना मिलते ही एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, जहां अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई।

अफवाह से अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के दाऊदबाट इलाके में सोमवार को रसोई गैस लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारों में खड़े उपभोक्ता अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया।

कई उपभोक्ताओं ने बताया कि बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें समय पर गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने यह भी शिकायत की कि गैस वितरण के दौरान मोबाइल पर ओटीपी नहीं आने की वजह से सिलेंडर लेने में दिक्कत हो रही है। इसके कारण कई लोग घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौट गए।

बढ़ रही ग्लूकोमा पीड़ितों की संख्या से विभाग हैरान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। काला मोतियाबिंद यानी ग्लूकोमा को आंखों का काला चोर कहा जाता है। यह बीमारी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे आंखों की रोशनी चुरा लेती है। कई लोग इसकी चपेट में आकर देखने की क्षमता खो चुके हैं, जबकि कई मरीज बची हुई रोशनी को बचाने के लिए इलाज करा रहे हैं।

चिकित्सकों के अनुसार, इस बीमारी की सबसे गंभीर बात यह है कि एक बार दृष्टि चली जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव होता है। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आप्थल्मोलॉजी विभाग के अनुसार, ओपीडी में रोज आने वाले करीब 100 मरीजों में औसतन 6-7 लोग ग्लूकोमा से पीड़ित पाए जाते हैं।

चिकित्सकों के मुताबिक, ग्लूकोमा में आंख के अंदर का दबाव बढ़ जाता है, जिससे ऑप्टिक नर्व क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसके कारण धीरे-धीरे साइड विजन खत्म होने लगता है और समय पर इलाज नहीं मिलने पर पूर्ण अंधापन भी हो सकता है।

चिकित्सकों का कहना है कि 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक रहता है। इसलिए नियमित नेत्र जांच कराना जरूरी है। ओसीटी सहित अन्य जांचों के माध्यम से आंखों के दबाव और नसों की स्थिति का पता लगाकर ग्लूकोमा की पहचान की जा सकती है।

चिकित्सकों के अनुसार, सफेद मोतियाबिंद में सर्जरी कर लेंस ट्रांसप्लांटेशन के जरिए मरीजों की रोशनी वापस लाई जा सकती है, लेकिन ग्लूकोमा में ऐसा संभव नहीं होता। हालांकि दवाओं, लेजर या सर्जरी के माध्यम से आगे होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे और अन्य अध्ययनों के अनुसार झारखंड में करीब 10 से 12 प्रतिशत आबादी इस बीमारी से प्रभावित है।

सड़क हादसे में मौत

छपरा। बिहार के छपरा में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सारण जिले के रसुलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौसपुर गांव के पास हुआ, जहां बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने युवक को टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान मांझी थाना क्षेत्र के नचाप गांव निवासी शमसुद्दीन मियां के 25 वर्षीय पुत्र सद्दाम हुसैन अंसारी के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर रसुलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को भी जब्त कर थाने पहुंचा दिया है। परिजनों के अनुसार सद्दाम हुसैन गांव में एक छोटी गुमटी में किराना दुकान चलाता था और उसी से पूरे परिवार का भरण-पोषण करता था। सोमवार को वह साइकिल से एकमा बाजार दुकान का सामान खरीदने जा रहा था। इसी दौरान गौसपुर गांव के समीप भोला मोड़ और देकुली गांव के बीच बालू लदे ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। बताया जाता है कि हादसे के दौरान ट्रक का पहिया युवक के सिर पर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

तीन दिनों पूर्व गिरफ्तार कैदी की मौत, हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। साहिबगंज मंडल कारा में बंद बरहेट थाना क्षेत्र के संझोरी निवासी 45 वर्षीय नईम अंसारी की मौत सोमवार की सुबह सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में इलाज के दौरान हो गई।

नईम अंसारी को रविवार को मंडल कारा में तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया था, लेकिन तत्काल उसे प्राथमिक उपचार के लिए कैदी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा था।

रविवार की देर रात नईम की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। सोमवार की सुबह में कैदी वार्ड के सिपाहियों ने इलाज के लिए डॉक्टर को बुलाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि उसे मिर्गी की बीमारी थी। नईम अंसारी पर चोरी का मामला दर्ज था। उसके खिलाफ कोर्ट से वारंट निर्गत किया गया था। इसके बाद 13 मार्च को पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था।

जेल भेजने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ती चली गई। जेल पुलिस ने रविवार को इलाज के लिए सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती करवाया लेकिन उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया। इसमें डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. केशव कृष्णा व डॉ. प्रशांत शेखर शामिल थे।

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम होना था लेकिन मेडिकल बोर्ड ने यहां पोस्टमार्टम में हाथ खड़ा कर दिया और उसे फूलो झानो मेडिकल कॉलेज दुमका रेफर कर दिया। वहां, मंगलवार को पोस्टमार्टम होने की उम्मीद है।

नवनिर्वाचित पार्षद पर तथ्य छिपाने का लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद नगर निगम चुनाव 2026 के वार्ड संख्या 11 से निर्वाचित पार्षद बदरी रविदास पर नामांकन के दौरान तथ्य छुपाकर चुनाव लड़ने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में सोमवार को पुटकी स्थित नवनीत होटल में वार्ड 11 से पार्षद चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशी एकजुट होकर प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी गई।

प्रेस वार्ता में वार्ड 11 के पार्षद चुनाव में खड़े हुए पार्षद प्रत्याशी प्रहलाद कुमार, पंकज शर्मा, राजेश विश्वकर्मा, बिश्वनाथ राम, सूरज पासवान, चंद्र शेखर चौबे, मो. मनोवर अंसारी , अमित कुमार बाउरी ने प्रेस वार्ता में बताया कि नगर निकाय चुनाव के दौरान बदरी रविदास ने नामांकन पत्र के शपथ पत्र में केवल दो बच्चों का उल्लेख किया था, जबकि उनके तीन बच्चे होने का दावा किया गया है। आरोप है कि उनका तीसरा पुत्र सिद्धार्थ रंजन है, जिसका जन्म 22 नवंबर 2018 को हुआ है तथा उसका जन्म प्रमाण पत्र भी जारी है।

प्रत्याशियों ने कहा कि झारखंड नगर निकाय चुनाव नियमावली के अनुसार, 9 फरवरी 2013 के बाद तीन बच्चे होने की स्थिति में उम्मीदवार चुनाव लड़ने के योग्य नहीं होता है। ऐसे में आरोप लगाया गया कि उक्त तथ्य को छुपाकर चुनाव लड़ा गया और बाद में वे वार्ड 11 से विजयी घोषित हो गए।

प्रेस वार्ता में मौजूद प्रत्याशियों ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मामले की जानकारी मिली, तो सभी उम्मीदवारों ने संबंधित विभागों को पत्र भेजकर जांच की मांग की है। इसी क्रम में सोमवार को पुटकी अंचल अधिकारी (सीओ) विकाश आनंद को भी आवेदन सौंपा गया है, जिसमें मांग की गई है कि मामले की जांच पूरी होने तक होने वाले शपथ ग्रहण कार्यक्रम पर बदरी रविदास को शपथ में रोक लगाई जाए तथा नामांकन के दौरान दिए गए शपथ पत्र की जांच कराई जाए।

बताया गया कि इस संबंध में आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त धनबाद, झारखंड राज्यपाल तथा झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग, रांची को भी भेजी गई है। प्रेस वार्ता में वार्ड संख्या 11 के कई प्रत्याशी मौजूद रहे और उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की।

प्रेस वार्ता में वार्ड 11 के पार्षद में खड़े हुए पार्षद प्रत्याशी प्रहलाद कुमार , पंकज शर्मा, राजेश विश्वकर्मा, बिश्वनाथ राम, सूरज पासवान , चंद्र शेखर चौबे, मो मनोवर अंसारी , अमित कुमार बाउरी मौजूद थे।

आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की

पत्नी श्वेता पुंडीर कंटेंट क्रिएटर, क्रिकेटर पर पिछले साल रेप के 2 केस दर्ज हुए थे

बेंगलुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबपी) के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने 4 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। शादी में क्रिकेट जगत से किसी के शामिल होने की खबर नहीं है।

श्वेता पुंडीर दिल्ली की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और व्लॉगर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 5.87 लाख फॉलोअर्स हैं। वे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स लीग में ब्रॉडकास्टर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं।

यश दयाल पर पिछले साल 2025 में रेप के 2 केस दर्ज हुए थे। गाजियाबाद की एक महिला ने दयाल पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और जयपुर की एक नाबालिक ने रेप का दर्ज कराया था।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2-1 से वनडे सीरीज हराई

- तीसरा वनडे 11 रन से जीता, तंजिद का शतक, सलमान आगा की सेंचुरी बेकार गई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में 11 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। ढाका के शेरे बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तंजिद हसन तमिम ने शानदार शतक लगाते हुए टीम को 50 ओवर में 5 विकेट पर 290 रन तक पहुंचाया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 50 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए सलमान आगा ने 106 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन उनका शतक टीम को हार से नहीं बचा सका।

तमिम के शतक से बांग्लादेश का मजबूत स्कोर- टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत संभली हुई रही। सैफ हसन (36) और तंजिद हसन तमिम ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। सैफ के आउट होने के बाद भी तमिम ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 107 गेंद में 107 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के लगाए। मिडिल ऑर्डर में नजमुल हुसैन शांतो (27) और लिटन दास (41) ने टीम को स्थिरता दी। आखिरी ओवरों में तौहीद हृदय ने 44 गेंद में नाबाद 48 रन बनाकर टीम को 290 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत- 291 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 17 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। साहिबजादा फरहान (6), माज सादाकत (6) और मोहम्मद रिजवान (4) जल्दी आउट हो गए।

सिनर पहली बार इंडियन वेल्स चैंपियन

मेदवेदेव को हराया

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका जीतीं, फाइनल में रायबाकिना को मात दी

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स ओपन में इटली के जैनिक सिनर और बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने खिताब जीता। मेन्स सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने रूस के डैनियल मेदवेदेव को हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स टाइटल जीता। वहीं, विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

सिनर फेडरर और जोकोविच के क्लब में शामिल हुए- सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह एटीपी मास्टर्स 1000, निट्टो एटीपी फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी। सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था और अगले तीन सालों के भीतर ही उन्होंने हार्ड कोर्ट के सभी बड़े एलीट खिताब अपने नाम कर लिए।सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया।

खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की।

सबालेंका ने चैंपियनशिप पॉइंट बचाया और मैच जीता

विमेंस सिंगल्स का फाइनल में आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की। तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह सबालेंका का पहला इंडियन वेल्स खिताब है। इससे पहले वह दो बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में हार चुकी थीं।

रायबाकिना से पुराना हिसाब चुकता किया- साल 2023 के इंडियन वेल्स फाइनल में एलिना रायबाकिना ने ही सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। इस बार सबालेंका ने उस हार का बदला ले लिया।

गिल-मंधाना बीसीसीआई इंटरनेशनल

क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए

- 2 साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांचों टीमें सम्मानित, द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने रविवार को नमन अवॉर्ड 2026 में अपने क्रिकेटर्स को सम्मानित किया। नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारतीय कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ ईयर दिया गया।

यहां 1983 वर्ल्डकप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से दिया गया। वहीं, भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को भी यह सम्मान मिला।

यहां पिछले 2 साल में 5 आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली पांचों टीमों को सम्मानित किया गया।

बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर

1. **शुभमन गिल – पिछले साल तीनों फॉर्मेट के टॉप स्कोरर-** भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 991 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 447 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई।
2. **स्मृति मंधाना – वनडे वर्ल्ड कप में भारत की टॉप स्कोरर-** स्मृति मंधाना ने पिछले 2 सीजन में 36 मैचों में 1,984 रन बनाए, इनमें 7 शतक शामिल रहे। इनमें से 6 शतक वनडे क्रिकेट में आए। जबकि एक शतक टी-20 इंटरनेशनल में आया।

लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड

1. **राहुल द्रविड़- खिलाड़ी से कोच तक योगदान-** द्रविड़ को क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन बनाए और एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भारतीय क्रिकेट के भविष्य को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हेड ऑफ क्रिकेट के रूप में उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार किया और प्रतिभा की मजबूत पाइपलाइन बनाई। उनकी कोचिंग में भारत ने 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता। बाद में भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में उन्होंने 2024 में भारत को आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप जिताया।

रोजर बिन्नी | राहुल द्रविड़ | मिताली राज

2. **रोजर बिन्नी- 1983 वर्ल्डकप के टॉप विकेट टेकर-** 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान दिया। वे 1983 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बिन्नी ने 1985 वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम में भी जगह बनाई थी। वह पहले भारतीय क्रिकेटर थे, जिन्होंने वनडे मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों की शुरुआत की। बतौर कोच और प्रशासक के रूप में भी योगदान दिया। बिन्नी ने 2000 में भारतीय अंडर-19 टीम को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जिताया और 2012 से 2016 तक राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे। वे 2022 से 2025 तक बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष भी रहे और उनके कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट ने वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां हासिल कीं।
3. **मिताली राज- 23 साल का इंटरनेशनल करियर-** मिताली राज का इंटरनेशनल करीब 23 साल का रहा। उन्होंने 1999 में 16 साल की उम्र में आयरलैंड के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जून 2022 में संन्यास लिया। मिताली ने 232 वनडे मैचों में रिकॉर्ड 7805 रन बनाए, जो विमेंस क्रिकेट में सबसे ज्यादा हैं।

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

- पहले टी-20 में 92 रन का टारगेट मिला था, डेब्यू कर रहे मोकोएना को 3 विकेट

ओवल (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने पहले टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इसके साथ प्रोटियाज टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। 15 मार्च को माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय टीम के लिए सही साबित नहीं हुआ। कीवी टीम 14.3 ओवर में सिर्फ 91 रन पर ऑलआउट हो गई। इंटरनेशनल टी-20 में यह न्यूजीलैंड का 10वां सबसे छोटा स्कोर है। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया और सीरीज में 1-0 बढ़त हासिल कर ली। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

डेब्यूटेंट मोकोएना ने 3 विकेट लिए- साउथ अफ्रीका के लिए डेब्यू कर रहे नकोबानी मोकोएना ने 3.3 ओवर में 26 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं जेराल्ड कूट्जी और ओटनील बार्टमैन ने 3-3 ओवर में 2-2 विकेट झटके।

न्यूजीलैंड की बैटिंग फेल

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए जेम्स नीशम ने सबसे ज्यादा 21 गेंदों पर 26 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मिचेल सैंटनर ने 19 गेंदों पर 15 रन, कोल मैकॉन्ची ने 11 गेंदों पर 15 रन और बेवॉन जैकब्स ने 7 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। हालांकि टीम के सात बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 7वें विकेट के लिए हुई, जब नीशम और मैकॉन्ची ने 17 गेंदों में 26 रन जोड़े।

पाकिस्तान ने अंपायर के फैसले पर उठाए सवाल

मीरपुर एकदिवसीय में बांग्लादेश के रीव्यू को बताया गलत, मैच रेफरी से शिकायत की, पाकिस्तान सीरीज हारा

मीरपुर (एजेंसी)। मीरपुर में खेले गए तीसरे वनडे में अंपायर के एक फैसले को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मैच रेफरी नियामुर राशिद से शिकायत की है। पाकिस्तान का कहना है कि ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने बांग्लादेश को गलत तरीके से एलबीडब्ल्यू रीव्यू लेने की अनुमति दी।

पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का आरोप है कि बांग्लादेश ने रीव्यू उस समय लिया जब गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था।

क्या है पूरा मामला

घटना मैच की आखिरी दो गेंदों से जुड़ी है। उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों में 12 रन चाहिए थे। रिशाद हुसैन की गेंद शाहीन अफरीदी के पास से लेग साइड की तरफ निकल गई, जिस पर अंपायर ने वाइड दे दिया। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू के लिए रीव्यू लिया।

वाइड का फैसला पलटा, शाहीन अफरीदी हुए नाराज

डीआरएस में हॉक-आई पर साफ हुआ कि गेंद बैट के निचले हिस्से को छूकर निकली थी। इसलिए वाइड का फैसला बदल दिया गया। हालांकि बांग्लादेश का रिव्यू खारिज हो गया, लेकिन वाइड हटने के बाद समीकरण बदल गया और पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे। आखिरी गेंद पर शाहीन अफरीदी स्टंप आउट हो गए। इसके साथ ही बांग्लादेश ने मैच 11 रन से जीत लिया और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

रिव्यू लेने में नियमों का पालन नहीं किया गया- पाकिस्तान ने रिव्यू लेने में नियमों का पालन नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया है। पाकिस्तान का कहना है कि जब स्क्रीन पर गेंद के बल्ले के पास से गुजरने का वीडियो दिखाया गया, तभी बांग्लादेशी कप्तान ने अंपायर से रिव्यू लेने की अपील की। जबकि नियमों के अनुसार, डीआरएस का फैसला खिलाड़ी को बिना किसी बाहरी मदद या टीवी फुटेज देखे स्वयं लेना होता है। पाकिस्तान का यह भी कहना है कि रिव्यू लेने के लिए तय 15 सेकंड की समय सीमा का पालन नहीं किया गया। हालांकि, टीवी प्रसारण में कोई टाइमर दिखाई नहीं दिया, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि 15 सेकंड की समय सीमा समाप्त हुई थी या नहीं।

अर्जेंटीना-स्पेन के बीच होने वाला फाइनालिसीमा मैच रद्द

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कतर में 27 मार्च को नहीं होगा मुकाबला

कतर (एजेंसी)। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाला फाइनलिसिमा मुकाबला रद्द कर दिया गया है। यूरोपीय फुटबॉल संघ ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

यह मैच 27 मार्च को कतर की राजधानी दोहा में खेला जाना था। इसमें साउथ अमेरिका की चैंपियन अर्जेंटीना और यूरोप की चैंपियन स्पेन आमने-सामने होने वाली थीं। मुकाबले को लियोनेल मेस्सी और लामिन यामल की टीमों के बीच बड़ा मैच माना जा रहा था।

- **युद्ध के चलते सुरक्षा पर मंडराया खतरा-** मिडिल ईस्ट में ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच जारी संघर्ष और अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों

के कारण क्षेत्र में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। पिछले तीन हफ्तों से जारी इस तनाव के बीच कतर में मैच कराना जोखिम भरा माना गया। यूएएफए ने कहा कि कतर के आयोजकों के साथ चर्चा के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए 27 मार्च को कतर में मैच कराना संभव नहीं है।

लुसैल स्टेडियम में होना था मैच, जहां अर्जेंटीना बना था वर्ल्ड चैंपियन

यह मुकाबला लुसैल स्टेडियम में होना था। इसी मैदान पर 2022 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। उस मैच में मेस्सी ने दो गोल किए थे, जबकि किलियन एम्बाप्पे ने हैट्रिक लगाई थी।

अन्य विकल्पों पर नहीं बनी बात- मैच को दूसरे स्थान पर कराने के विकल्प भी देखे गए। मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मैच कराने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने इसे स्वीकार नहीं किया। एक विकल्प यह भी था कि मुकाबला दो लेग में कराया जाए। पहला मैड्रिड में और दूसरा ब्यूनस आयर्स में। इस प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं बन सकी। बाद में यूईएफए ने 27 मार्च को इटली में मैच कराने का प्रस्ताव दिया, लेकिन अर्जेंटीना ने इसे 31 मार्च को कराने की मांग रखी। यूईएफए के अनुसार चार दिन बाद मैच कराना संभव नहीं था, इसलिए आखिरकार इसे रद्द करना पड़ा।

क्या है फाइनलिसिमा

फाइनलिसिमा एक इंटरकॉन्टिनेंटल फुटबॉल मुकाबला है, जिसमें कोपा अमेरिका के विजेता और यूरोपीय चैम्पियनशिप (यूरो) के विजेता आमने-सामने होते हैं। यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल महासंघ ष्टह्हस्श्वद्भ्ह्रुऔर यूरोपीय फुटबॉल महासंघ श्वस्न्र के बीच सहयोग समझौते का हिस्सा है। इस समझौते के तहत दोनों संगठन फुटबॉल के विकास के लिए मिलकर कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। इनमें महिला फुटबॉल, फुटसल, युवा वर्ग के टूर्नामेंट, रेफरी का आदान-प्रदान और तकनीकी प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। फ़ाइनलिस्सिमा पहली बार 1985 में खेला गया था। उस समय इसे कहा जाता था, जिसका नाम यूईएफए के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर रखा गया था।

संक्षिप्त समाचार

भगवंत मान ने बीजेपी की विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

चंडीगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि केंद्र में भाजपा की अगुआई वाली एनडीए

सरकार की विदेश नीति के विफल रहने के कारण आज पूरा देश तेल और एलपीजी संकट से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री के लगातार विदेशी दौरों के बावजूद देश कूटनीतिक संबंधों और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने केंद्र में केवल कुछ नेताओं के हाथों में सत्ता की बागडोर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा रुझान लोकतंत्र के लिए बेहद घातक है। मुख्यमंत्री ने कहा, देश को एलपीजी और तेल संकट का पहले ही अनुमान होना चाहिए था और आम लोगों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए समय रहते उचित प्रबंध किए जाने चाहिए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से शनिवार को पंजाब दौरे के दौरान की गई टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह ने लोगों को गुमराह करने और नशे के मुद्दे पर पंजाब को बदनाम करने के लिए झूठे बयान दिए। मुख्यमंत्री गृह मंत्री को चुनौती दी कि वे अपने नियंत्रण वाली केंद्रीय एजेंसियों की विफलताओं के बारे में जनता को बताएं। उन्हें बताना चाहिए कि बीएसएफ और अन्य केंद्रीय एजेंसियां सीमा पार से नशे की तस्करी रोकने में क्यों असफल रहीं। मुख्यमंत्री ने देश के अन्य हिस्सों में भी नशीले पदार्थों की बड़ी बरामदगियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के गृह राज्य में मुंद्रा बंदरगाह से 3,000 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ बरामद किए गए, लेकिन इस पर चुप्पी साध ली गई। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे टिप्पणी की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में निर्णय लेने का काम कुछ गिने–चुने हाथों में ही सीमित है। उन्होंने कहा कि केवल दो 'बड़े' व्यक्तियों को छोड़कर पूरी केंद्रीय कैबिनेट में कोई मंत्री निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी नहीं है, और छोटे–छोटे फैसले भी यही जोड़ी लेती है, जो देश को तानाशाही ढंग से चला रही है। उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ने देशवासियों को समस्याओं की दलदल में धकेल दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हिंदी फिल्मों के पोस्ट–प्रोडक्शन तथा शूटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहले ही ठोस पहल शुरू की जा चुकी है।

हिमाचल में बिजली की नई दरों का प्रारूप तैयार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बिजली की नई दरों को लेकर फैसला इसी सप्ताह आने की संभावना है। राज्य बिजली बोर्ड की ओर से दायर बिजली दरों में बढ़ोतरी की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। अब नियामक आयोग नई दरों की घोषणा की तैयारी में है। उम्मीद है कि आने वाले तीन से चार दिनों में नए टैरिफ का एलान किया जा सकता है। नई दरें पहली अप्रैल से प्रभावी किया जाना प्रस्तावित है। 22 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं की नजर अब आयोग के फैसले पर टिकी हुई है। राज्य बिजली बोर्ड ने अपने बढ़ते खर्च को देखते हुए बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। बोर्ड ने आयोग के समक्ष दायर याचिका में घरेलू और अन्य श्रेणियों के लिए बिजली की दरों में 7 पैसे से लेकर 30 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी की मांग की है। बिजली बोर्ड का तर्क है कि सरकार की ओर से मिलने वाली फ्री बिजली के बंद होने के बाद बिजली की सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए बोर्ड को बिजली खरीदनी पड़ेगी। इससे बोर्ड का खर्च बढ़ रहा है, इसे पूरा करने के लिए दरों में बढ़ोतरी की जानी प्रस्तावित है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली बोर्ड की याचिका पर तीन बार सुनवाई की है। इसके अलावा आयोग ने सभी पक्षों के साथ एक खुला संवाद भी शिमला में किया था। इसमें औद्योगिक, घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर व्यवसायिक उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों को अपनी बात रखी है। सभी सुझावों और आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने नई बिजली दरों का प्रारूप तैयार कर लिया है। अब अंतिम औपचारिक घोषणा की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

साक्षरता की ओर बढ़ाया कदम, फरीदाबाद में बुजुर्गों ने दी उल्लास परीक्षा

पहले चरण में 2900 परीक्षार्थी बैठे

फरीदाबाद, एजेंसी। पढ़ाई के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। यह शहर के बुजुर्गों ने साबित कर दिया है। 35 केंद्रों पर रविवार को आयोजित हुई उल्लास चरण एक की परीक्षा में 2900 से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए। इनमें 350 से अधिक संख्या 60 वर्ष से ज्यादा के बुजुर्गों की थी। परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उल्लास योजना का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति पढ़ना-लिखना सीखता है तो वह अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बनता है, साथ ही आर्थिक रूप से मजबूत बनता है। योजना के तहत अध्यापकों ने दिसंबर और जनवरी में घर-घर जाकर सर्वे किया था, इस दौरान 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को पढ़ाई का महत्व बताया गया था। इन लोगों को सामाजिक चेतना केंद्रों पर शब्दों का ज्ञान दिया गया, जिससे वह परीक्षा के लिए तैयार हो सके। रविवार शिक्षकों की निगरानी में बुजुर्गों ने परीक्षा दी। परीक्षा का परिणाम तीन दिन बाद उल्लास के पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा। परीक्षा पास करने वाले लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद पढ़ना-लिखना सिखाया जाएगा। ट्रेनिंग के छह महीने बाद उल्लास की दूसरे चरण की परीक्षा का आयोजन सितंबर में किया जाएगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले लोगों को उनकी रुचि के अनुसार लोन दिलाकर शिक्षा विभाग द्वारा रोजगार स्थापित करने में मदद की जाएगी। जिससे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। उल्लास योजना के तहत सभी स्कूलों

में अध्यापकों की निगरानी में परीक्षा का आयोजन किया गया। जो लोग केंद्रों पर पहुंचने में असमर्थ थे, उनको घर से परीक्षा देने की सुविधा प्रदान की गई। परीक्षा का परिणाम पोर्टल पर अपडेट होगा, उत्तीर्ण होने वाले लोग अगली परीक्षा में शामिल होंगे।

शिक्षा का महत्व जब समझ आए तभी हाथ में किताब और कलम थाम लेनी चाहिए। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पढ़ाई की उम्र में पढ़ने का सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब मौका मिला है तो पढ़ने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया है। परिवार की जिम्मेदारी के कारण किताबें हाथ से छूट गई। एक दिन गली में सरकारी स्कूल के अध्यापक ने उल्लास योजना के बारे में बताया तो मानों ऐसा लगा कि बचपन का वह सपना आज पूरा हो सकता है। प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी में पोते-पोतियों ने साथ दिया है। आज परीक्षा दी है, अगली चरण की परीक्षा में भी जरूर शामिल होंगे।

चंडीगढ़ नगर निगम का बड़ा निर्णय कम्युनिटी सेंटर गेस्ट हाउस में बदलेंगे

रुक सकेंगे पर्यटक, बेहद कम चार्ज पर मिलेंगे कमरे

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रशासक के आदेश पर नगर निगम अफसरों ने बड़ा निर्णय लिया है। अब कम्युनिटी सेंटरों को गेस्ट हाउस में बदला जाएगा। चरणबद्ध तरीके से यह काम होगा। गेस्ट हाउस में ऊपरी मंजिलों पर गेस्ट रूम बनेंगे। पर्यटकों को होटलों से बेहद कम चार्ज पर रूम उपलबध हो सकेंगे। जिन कम्युनिटी सेंटर में रूम अभी बन सकते हैं उनकी पहचान की जा रही है। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने निगम अधिकारियों को कम्युनिटी सेंटरों का गेस्ट हाउस के तौर पर प्रयोग करने का सुझाव दिया था। कहा था कि फाइव, फोर, थ्री स्टार होटल में नहीं रुक सकने वालों के लिए खाली रहने वाले कम्युनिटी सेंटर खोलने चाहिए।

इससे उन लोगों को भी पर्यटन स्थलों को घूमने का अवसर मिलेगा। सस्ते में ठहरने की व्यवस्था हो जाएगी साथ ही नगर निगम को 12 महीने आय होने लगेगी। अभी कम्युनिटी सेंटर केवल शादी ब्याह जैसे कार्यक्रमों के लिए ही बुक होते हैं। यह भी केवल सीजन में बुक होते हैं। बाकी समय खाली ही रहते हैं। अभी चंडीगढ़ में सरकारी यूटी गेस्ट हाउस दो ही हैं। इनमें एक मुख्य स्टेट गेस्ट हाउस सेक्टर-6 में है। दूसरा गेस्ट हाउस सेक्टर-18 में है। हालांकि, यूटी स्टेट गेस्ट हाउस में हर किसी की बुकिंग नहीं होती। वहां अधिकारियों और खास वर्ग को ही जगह मिल जाती है। जबकि सेक्टर-18 गेस्ट हाउस की बुकिंग भी आम आदमी की पहुंच से बाहर है। साथ ही यहां भी सीमित रूम ही उपलब्ध हैं।

एसी से लेकर पार्किंग की बेहतर सुविधा: चंडीगढ़ में 40 से अधिक कम्युनिटी सेंटर का नेटवर्क है, जो शहर के हर हिस्से में मौजूद हैं। इनमें बहुत से कम्युनिटी सेंटर ऐसे हैं जिनमें एसी से लेकर कई अन्य सुविधाएं भी हैं। साथ ही पार्किंग स्पेस और मार्केट से कनेक्टिविटी है। एक बार निगम सदन की बैठक में कई पार्षदों ने भी कम्युनिटी सेंटर में गेस्ट रूम या निगम का एक गेस्ट हाउस बनाने का मुद्दा उठाया था। हालांकि बात इससे आगे नहीं बढ़ी थी। चंडीगढ़ भौगोलिक रूप से हिमालय पर्वत का ट्रांजिट प्वाइंट है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लेह लद्दाख, जम्मू एंड कश्मरी, पंजाब जैसे प्रदेशों के प्रमुख पर्यटन स्थलों को चंडीगढ़ से ही होकर जाया जाता है। इसलिए यहां पर्यटकों की आवाजाही बहुत ज्यादा रहती है। पहाड़ी क्षेत्रों में जाने वाले गेस्ट एक या दो दिन चंडीगढ़ में रुकते हैं। बीच में से होकर गुजरते हैं। चंडीगढ़ के होटलों में आक्यूपेंसी रेट हमेशा ही हाई रहता है। जबकि यहां चार या पांच बड़े होटलों को छोड़कर बाकी सभी एससीओ में चलने वाले छोटे होटल हैं। अर्बन इनोवेशन समिट में प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा था कि शहर की रचना लोकल रहने वालों के हिसाब से की है। बाहर से कितने लोगों का आना जाना होगा इस बात की कल्पना नहीं की गई। उसके हिसाब से न तो सड़क बनाई और न ही उनके ठहरने की जगह बनाई है और न ही सुविधा देने के लिए पहले से कोई इंफ्रास्ट्रक्चर है।

गुरुग्राम टू वडोदरा सिर्फ 10 घंटे में... दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे पर देश की पहली 8 लेन टनल तैयार

गुरुग्राम, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राजस्थान के कोटा में सुरंग का निर्माण कार्य पूरा हो गया। अगले महीने से इसे चालू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। यह देश की पहली आठ लेन वाली सुरंग है और इसके चालू होने के बाद गुरुग्राम से वडोदरा 20 से 22 घंटे की बजाय केवल 10 से 12 घंटे में पहुंच सकेंगे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली एवं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करने के उद्देश्य से 1380 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। यह आठ लेन का एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे है। इसे कई हिस्सों में बांटकर बनाया जा रहा है। एक्सप्रेसवे की शुरुआत सोहना के नजदीक गांव अलीपुर से हो रही है। कोटा से पहले एवं कोटा से आगे वडोदरा तक एक्सप्रेसवे का निर्माण कई महीने पहले पूरा हो चुका है। कोटा में मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व है। इसमें काफी संख्या में वन्यजीव हैं। इसे देखते हुए 4.9 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई गई है। वन्यजीव परेशान न हों, इस वजह से निर्माण कार्य के दौरान काफी सावधानी बरती गई। इस वजह से निर्माण में समय अधिक लग गया। सुरंग का निर्माण इस तरह से किया गया है ताकि वन्यजीवों को आभास तक न हो कि नीचे से वाहन गुजर रहे हैं। अगले महीने से इसे हर हाल में चालू करने की तैयारी है। बताया जाता है कि टनल की पूरी तरह जांच करने के बाद चालू कर दिया जाएगा। बाद में इसका विधिवत शुभारंभ कराया जाएगा। टनल चालू होने के बाद कोटा के नजदीक लगभग 25 किलोमीटर घुमावदार रास्तों से निजात मिल जाएगी। वडोदरा से मुंबई के बीच कुछ हिस्से का निर्माण बचा है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल जून तक बाकी हिस्से का निर्माण पूरा हो जाएगा।

पश्चिम बंगाल: पीड़ित परिवार ने दरिंदगी की शिकार महिला डॉक्टर की तस्वीर साझा कर मांगा न्याय

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता स्थित सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त, 2024 को दरिंदगी की शिकार हुई प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की तस्वीर उसके पिता ने आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। तस्वीर में पीड़िता का चेहरा नहीं छिपाया गया है। यह तस्वीर तेजी से प्रसारित हो रही है। कई लोगों ने माता–पिता के साहस की सराहना की है और न्याय की मांग दोबारा उठाई है। तस्वीर में पीड़िता अपने माता–पिता के साथ मुस्कुराते हुए खड़ी है। मालूम हो आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आपातकालीन भवन में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। घटना में कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलेंटियर संजय राय को गिरफ्तार किया गया था। शुरुआत में पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। बाद में, कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली। सीबीआई ने आरोपपत्र में संजय का नाम एकमात्र आरोपित के रूप में दर्ज किया था। बाद में सियालदह कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बता दें कि यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर करना अपराध है। पीड़िता के पिता का कहना है कि जब तक न्याय अधूरा है, पीड़िता को गुमनाम रहने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि असली अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

न युद्धविराम की मांग न ही बातचीत की': ईरान ने खारिज किया अमेरिकी दावा, भड़के ट्रंप बोले- झूठी खबरें फैला रहा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर

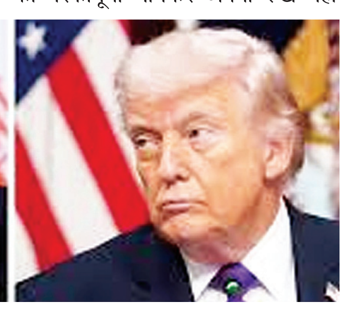

ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान युद्धविराम चाहता है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने न तो कभी सीजफायर मांगा है और न ही किसी तरह की बातचीत की मांग की है।

अराघची ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि ईरान तब तक अपनी रक्षा करता रहेगा जब तक जरूरत होगी। अमेरिकी मीडिया संगठन सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक कि अमेरिका इस युद्ध को गैरकानूनी मानकर अपना रुख नहीं बदलता। उन्होंने कहा फिर से इस बात को दोहराया कि हमने कभी सीजफायर नहीं मांगा और न ही बातचीत की मांग की है। हम जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं।

इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के विदेश मंत्री की तरफ से उनके बयान को खारिज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान जनता को सच्चाई नहीं बता रहा और गलत जानकारी फैला रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सच्चाई सामने रखी है, जबकि ईरान झूठी खबरें फैला रहा है। उनके मुताबिक, ईरान ने यह दावा किया था कि उसने अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह जहाज न तो कभी हमले का शिकार हुआ और न ही उसमें आग लगी थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें पहले अंदाजा नहीं था कि ईरान फर्जी खबरें फैलाने के लिए इतना बदनाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान भी ऐसी गलत जानकारियों को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें पता होता है कि वे सच नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर मीडिया जानबूझकर झूठी जानकारी फैलाता है, तो इसके लिए उन्हें गंभीर कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि यह युद्ध अमेरिका ने शुरू किया है और ईरान सिर्फ अपने बचाव में कार्रवाई कर रहा है। उनके अनुसार, जब तक डोनाल्ड ट्रंप को यह समझ नहीं आता कि यह युद्ध जीतने वाला नहीं है, तब तक ईरान अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। अराघची ने यह भी कहा कि अभी अमेरिका से बातचीत करने का कोई कारण नहीं है। उनका कहना था कि जब ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा था, उसी समय अमेरिका ने उस पर हमला कर दिया। इसलिए अब बातचीत का कोई भरोसा नहीं रह गया है।

ईरान युद्ध में फंसकर घरेलू मोर्चे पर घिर गए हैं ट्रंप

कमजोर जनसमर्थन और बढ़ती महंगाई बनी बड़ी चुनौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर ऐसे समय में घिरे हुए नजर आ रहे हैं, जब इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिकी जनता का व्यापक समर्थन नहीं मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि हाल के इतिहास में शायद ही कोई अमेरिकी राष्ट्रपति इतने कम सार्वजनिक समर्थन के साथ किसी बड़े युद्ध में उतरा हो। उपलब्ध सर्वेक्षणों में कहीं भी ऐसा संकेत नहीं मिलता कि ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिकी जनता का बहुमत ट्रंप के साथ खड़ा है। इसके उलट, कई जनमत सर्वेक्षणों में साफ तौर पर इस युद्ध के खिलाफ राय सामने आई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि आम तौर पर युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचता है, जनता का समर्थन और घटता जाता है, जिससे ट्रंप के सामने आगे और बड़ी राजनीतिक मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिकी जनता के सामने कोई स्पष्ट और ठोस सार्वजनिक मामला पेश नहीं किया। उन्होंने फारस की खाड़ी में सैन्य जमावड़े को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने और बातचीत के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति के रूप में पेश किया था। लेकिन बहुत कम समय में यह कूटनीतिक दबाव सीधे सैन्य कार्रवाई में बदल गया। कहा जा रहा है कि ट्रंप तेज, चौंकाने वाले

और नाटकीय अंदाज में सैन्य कार्रवाई को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने युद्ध से पहले व्यापक जनसमर्थन जुटाने की कोशिश नहीं की। यह भी माना जा रहा है कि ट्रंप को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने की अपनी रणनीतिक सफलता से भी हौसला मिला। हालांकि वह कदम भी अमेरिकी जनता के बीच बहुत लोकप्रिय नहीं था। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने ईरान के मामले में सार्वजनिक राय की अनदेखी की और अब उसी का राजनीतिक असर उन्हें झेलना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी युद्ध के समर्थन का सवाल केवल इस पर निर्भर नहीं करता कि लड़ाई कैसे चल रही है, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि जनता उस युद्ध का उद्देश्य क्या समझती है। राजनीतिक वैज्ञानिक ब्रूस जेंटलसन का तर्क है कि अमेरिकी जनता उन युद्धों का ज्यादा समर्थन करती है, जिनका उद्देश्य किसी आक्रामक शक्ति पर लगाम लगाना हो। इसके विपरीत, जब युद्ध का मकसद किसी दूसरे देश की राजनीतिक व्यवस्था बदलना या सत्ता परिवर्तन करना होता है, तो समर्थन काफी कमजोर पड़ जाता है। युद्ध को भी देखते हैं। उनका कहना है कि इस युद्ध का वास्तविक उद्देश्य रेजीम चेंज यानी ईरान में सत्ता परिवर्तन ही नजर आता है। ट्रंप पिछले कई महीनों से इस बारे में लगातार बोलते रहे हैं और अब भी उनकी बयानबाजी इसी दिशा की ओर इशारा करती है।

तेल संकट के बीच बढ़ेगा वैश्विक टकराव

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने करीब सात देशों से युद्धपोत भेजकर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की मांग की है। हालांकि अब तक किसी भी देश ने इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई है। ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह समुद्री मार्ग उन देशों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है जो पश्चिम एशिया से तेल आयात करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन देशों से कह रहा हूं कि वे खुद अपने क्षेत्र की सुरक्षा करें, क्योंकि यह उनके लिए ज्यादा जरूरी है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। आमतौर पर दुनिया के कुल कारोबार वाले तेल का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। युद्ध के कारण इस रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और तेल की कीमतें भी तेजी से ऊपर जा रही हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस रास्ते की उतनी जरूरत नहीं है क्योंकि उसके पास खुद के तेल के स्रोत हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन को लगभग 90% तेल इसी मार्ग से मिलता है, जबकि अमेरिका को बहुत कम तेल यहां से आता है। बता दें कि ट्रंप पहले ही कई देशों से इस मिशन में शामिल होने की अपील कर चुके हैं। इनमें चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन है। हालांकि इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने ट्रंप से बातचीत में कहा कि वैश्विक शिपिंग को सुरक्षित बनाने के लिए इस समुद्री मार्ग को फिर से सामान्य करना जरूरी है, लेकिन अभी तक ब्रिटेन ने अपने युद्धपोत भेजने का फैसला नहीं किया है। हालांकि इन सभी दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि कई देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए तेहरान से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि कुछ देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति भी दी गई है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए। ईरान का कहना है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नहीं।

पेरिस में अमेरिका-चीन के बीच व्यापार वार्ता शुरू

बीजिंग, एजेंसी। पेरिस में रविवार को अमेरिका और चीन के बीच अहम आर्थिक और व्यापारिक बातचीत शुरू हुई। इस बैठक का एक उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आगामी मुलाकात का रास्ता साफ करना भी है। ट्रंप करीब दो हफ्ते बाद बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग अपनी टीमों के साथ पेरिस पहुंचे हैं। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी है कि ट्रंप 31 मार्च से 2 अप्रैल तक चीन के दौरे पर रहेंगे। हालांकि, बीजिंग ने अभी इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को कहा था कि उनकी टीम अमेरिकी किसानों, मजदूरों और कारोबारियों के हितों को

सबसे ऊपर रखेगी। अमेरिकी वित्त विभाग ने बताया कि बेसेंट रविवार और सोमवार को हे लिफेंग के साथ बैठक करेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि दोनों पक्ष आपसी आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ट्रंप की यह चीन यात्रा 2017 के बाद पहली बार होगी। इससे पांच महीने पहले दोनों नेता दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में मिले थे। उस समय उन्होंने व्यापार युद्ध को एक साल के लिए रोकने पर सहमति जताई थी। इससे पहले दोनों देशों ने एक-दूसरे के सामान पर भारी टैक्स लगा दिया था, जिससे वैश्विक बाजार में हड़कंप मच गया था। इतनी कोशिशों के बाद भी दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर तनाव कम नहीं हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में चीन समेत 16 व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन का कहना है कि यह कदम वैश्विक सप्लाई चेन की सुरक्षा और स्थिरता को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने इसे गलती पर गलती करार दिया है। इस बैठक में ईरान युद्ध और तेल की सप्लाई पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

ड्रग सप्लाई चैन को तोड़ने के लिए उठाएं सभी जरूरी कदम : अपर समाहर्ता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार की रोकथाम को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर सोमवार को अपर समाहर्ता (एसी) मो. मुमताज अंसारी ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति (एनकोर्ड) की बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ जिले में ड्रग्स के अवैध कारोबार की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, पूर्व में हुई बैठक में दिए गए निदेशों के क्रमवार अनुपालन की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी समाज के लिए गंभीर चुनौती है और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि ड्रग्स की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

ड्रग इंस्पेक्टर व पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त छापेमारी का निर्देश

बैठक में अपर समाहर्ता ने ड्रग इंस्पेक्टर, एसडीपीओ चास, एसडीपीओ बेरमो तथा सिटी डीएसपी को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिले में संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों की पहचान कर नियमित रूप से विशेष अभियान चलाया जाए जहां नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की आशंका या शिकायत मिलती रही है। इसके साथ ही अवैध रूप से नशीले पदार्थों के भंडारण, बिक्री और परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

पोस्टल विभाग व कुरियर कंपनियों को सतर्क रखने का निर्देश

बैठक में पोस्टल विभाग एवं जिले में संचालित सभी कुरियर कंपनियों को अलर्ट करने का निर्देश दिया। कहा कि किसी भी संदिग्ध पार्सल और पैकेटों की विशेष निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि कई बार नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पार्सल सेवा का भी उपयोग किया जाता है, इसलिए ऐसे मामलों में विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है। यदि किसी भी प्रकार का संदिग्ध पार्सल या गतिविधि सामने आती है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन और पुलिस विभाग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश

अपर समाहर्ता ने जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी चेक पोस्ट को सक्रिय करते हुए वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से पड़ोसी राज्य में आगामी विधानसभा निर्वाचन की घोषणा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या नशीले पदार्थों की तस्करी को समय रहते रोका जा सके।

समन्वित कार्रवाई पर दिया गया जोर

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ड्रग्स से जुड़े मामलों में सभी विभाग आपसी समन्वय बनाए रखते हुए नियमित रूप से सूचना का आदान-प्रदान करें तथा संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। साथ ही, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए भी विभिन्न स्तरों पर जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में एसडीपीओ चास प्रवीण कुमार, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, आइबी डीएसपी स्नेहा गडकड़ी, डीईओ जगरनाथ लोहरा, डीएसई अतुल कुमार चौबे,सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, उत्पाद निरीक्षक सुन्नी तिर्की, ड्रग निरीक्षक, जिला तंबाकू नियंत्रण समन्वय समेत अन्य उपस्थित थे।

एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर' पुरस्कार से सम्मानित हुए बीएसएल के उत्कृष्ट अधिकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन उपस्थित थे. कार्यक्रम में संयंत्र के अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए. समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र एवं झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के कुल नौ अधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित गया. पुरस्कृत होने वाले अधिकारियों में उप महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) प्रभात कुमार सूर्या, सहायक महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) मनोज कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) पूनम त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक (आरएमपी) सुसोम साहा और सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-क्क एवं सीसीएस) आशीष रंजन शामिल हैं. इनके साथ ही वरीय प्रबंधक (एचएम-यांत्रिकी) ज्ञान प्रकाश आर्य, वरीय प्रबंधक (डीएनडब्ल्यू) प्रतीक कुमार, वरीय प्रबंधक (सीआरएम-क्क्क) विशांत कुमार तथा चिकित्सा अधिकारी (केआईओएम) डॉ. के. वी. बी. वसंता रायडू को भी पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया. निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं उनके परिजनों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित कार्य-कुशलता की सराहना की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह संगठन की सामूहिक प्रगति और कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए एक सशक्त प्रेरणा स्रोत भी है. विदित हो कि 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड' का मुख्य उद्देश्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि, लागत नियंत्रण तथा नवाचार के क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करना है. सभी पुरस्कृत अधिकारियों ने भविष्य में भी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में इसी ऊर्जा और उत्कृष्टता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई. इस प्रकार के प्रोत्साहन कार्यक्रमों से न केवल अधिकारियों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि यह संयंत्र के उत्पादन लक्ष्यों और परिचालन उत्कृष्टता को प्राप्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. कार्यक्रम का सुचारू समन्वय सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) अभिषेक द्वारा किया गया तथा समारोह के अंत में उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती माला रानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया.

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी पार्टी ने किया गैस संकट के खिलाफ प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आम आदमी पार्टी बोकारो की ओर से सोमवार को देश में गैस संकट के खिलाफ महात्मा गांधी चौक पर विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला प्रभारी अरविंद विकाश ने किया। इस मौके पर उपस्थित आप के प्रदेश सचिव प्रीतम मिश्रा ने कहा कि झारखंड के हर जिले में यह कार्यक्रम हो रहा है।मोदी सरकार की गलत विदेश नीति के कारण देश भर में एलपीजी गैस का संकट पैदा हो गया है। प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और इजराइल के आगे सरेंडर कर दिया है। ईरान जैसे पारंपरिक मित्र के साथ नहीं जाने के कारण पेट्रोलियम पदार्थ और एलपीजी का संकट पैदा हुआ है। प्रदर्शन में आप के जोनल पर्यवेक्षक विधान चंद्र राय, हरेंद्रनाथ चौबे, धर्मेंद्र शर्मा, संजय कुमार, भगवान सिंह कुशवाहा, अशोक कुमार, अनंत कुमार पांडेय, बिनोद तिर्की, शंभुनाथ चौधरी, बिनोद सत्यार्थी सहित अन्य उपस्थित थे।

वाहन की चपेट में आने से मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

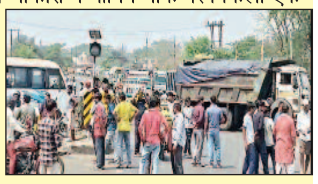

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना सेक्टर-12 थाना क्षेत्र स्थित एन एच की है। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने नेशनल हाईवे को जाम कर दिया, जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और वाहन सवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार सुबह टहलने निकली महिला को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। सड़क जाम के कारण हाईवे पर सैकड़ों वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया। जाम में शामिल लोगों का कहना है कि टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। लोगों ने आरोपी वाहन और चालक की गिरफ्तारी के साथ-साथ मृतक के पति को नौकरी देने की मांग की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक लोग जाम हटाने को तैयार नहीं थे।

अमन साहू गैंग ने बोकारो के व्यापारी से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के व्यापारियों को रंगदारी भरे कॉल आने लगे हैं। प्रिंस खान के बाद अब अमन साहू गैंग ने मां मैहर स्टील के प्रोपराइटर रितेश सिंह से 5 करोड़ की रंगदारी व्हाट्सएप कॉल के जरिए मांगी है। व्हाट्सएप से गैंग के सदस्य प्रकाश शुक्ला ने रंगदारी की मांग की है। रंगदारी नहीं देने पर रितेश सिंह उसके सहयोगियों और परिवार वालों को उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी कल दोपहर एक बजे उस वक्त मिला, जब रितेश दिल्ली से फ्लाइट पड़कर रांची आने वाले थे। रितेश सिंह को धमकी भरा मैसेज आने के बाद प्रशासन से अपना और अपने परिवार वालों की सुरक्षा की मांग की है। रितेश सिंह ने इस मामले को लेकर बोकारो स्टील सिटी थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। रंगदारी मांगने वाले प्रकाश शुक्ला ने बॉस राहुल दुबे, मयंक सिंह के आदेश पर रंगदारी देने की मांग की है। हालांकि पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी करने से बच रही है।

सेल एससी एसटी इम्पलाइज फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन से की मुलाकात

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल एससी एसटी इम्पलाईज फेडरेशन बोकारो यूनिट के प्रतिनिधिमंडल फेडरेशन के अध्यक्ष एमके अभिमन्यु के नेतृत्व में मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन अंजनी शरण से मिलकर एससी एसटी की समस्याओं से अवगत कराया एमके अभिमन्यु ने कहा कि 22 अगस्त 2025 को बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन के द्वारा विज्ञापन निकला गया था। जिसमें विभिन्न सेक्टरों में बंद पड़े भवन जैसे हायर सेकेंडरी, बोकारो इस्पात विद्यालय, अपना बाजार, हेल्थ सेंटर, और टेलीफोन को मिलाकर कुल 25 भवन को लाइसेंस पर देने की बात कही गई थी। विज्ञापन के माध्यम से जानकारी दी गई थी कि एक (01) अनुसूचित जाति और एक (01) अनुसूचित जनजाति के लिए रिजर्व रखा गया है। जबकि 25 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति दोनों को मिलाकर 06 भवन होना चाहिए। सेल एससी एसटी इम्पलाईज फेडरेशन बोकारो यूनिट, प्रबंधन से मांग करती है कि आरक्षण के नियम को ध्यान में रखते हुए 6 बिल्डिंग भवन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को दिया जाए। साथ हीं अधिशासी निदेशक मानव संसाधन से विधिवत एक भी बैठक नहीं हुई है। विधिवत बैठक की व्यवस्था की जाए। अंजनी शरण मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन ने समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते के बाद सकारात्मक आश्वासन दिए। इस वार्ता में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष शंभू प्रसाद संयुक्त महासचिव इंदल पासवान सचिव संतोष कुमार उपस्थित थे।

बीएसएल की नई पहल दुकानों के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र विस्थापितों के आर्थिक उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहा है. इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, नगर प्रशासन विभाग के माध्यम से बोकारो स्टील सिटी के विभिन्न सेक्टरों में नवनिर्मित एवं रिक्त कुल 96 दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है. यह पहल विस्थापितों को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. इस योजना के अंतर्गत नेबरहुड शॉप्स लो कॉस्ट शॉप्स तथा पान एवं सिगरेट की दुकानों का आवंटन विशेष रूप से केवल पात्र स्थानीय विस्थापित व्यक्तियों के लिए किया जाएगा. इन दुकानों का आवंटन पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष 'लॉटरी प्रणाली' के माध्यम से 11 माह की लाइसेंस अवधि हेतु किया जाएगा, जिसमें भविष्य में नवीनीकरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी.

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 में शामिल सभी प्रत्याशियों का अंतिम व्यय मिलान 19 मार्च को

मेयर/अध्यक्ष - वार्ड पार्षदों को सभी वाउचर, बैंक स्टेटमेंट,एफिडेविट एवं व्यय पंजी करना है जमा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत चुनाव में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों के चुनावी खर्च का अंतिम मिलान 19 मार्च 2026 को किया जाएगा। इस संबंध में सोमवार को समाहरणालय सभागार में चास नगर निगम के मेयर एवं वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशियों तथा उनके अभिकताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्याशियों/अभिकताओं को चुनाव व्यय संधारण, अभिलेखों के रख-रखाव तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दस्तावेज जमा करने की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला कोषागार पदाधिकारी गुलाब चंद्र उरांव, राज्य कर पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने चुनाव व्यय से जुड़े प्रावधानों व नियमों के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक प्रत्याशी को अपने चुनाव प्रचार के दौरान हुए खर्च का पूरा विवरण निर्धारित प्रारूप में जमा करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्याशियों को बताया गया कि उन्हें अपने चुनाव व्यय से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे - वाउचर, बैंक स्टेटमेंट, शपथ पत्र (एफिडेविट) तथा व्यय पंजी निर्धारित तिथि पर मिलान/जमा के लिए प्रस्तुत करना होगा। तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या अपूर्ण विवरण पाए जाने पर संबंधित प्रत्याशी से स्पष्टीकरण भी मांगा जा सकता है। अधिकारियों ने प्रत्याशियों एवं उनके अभिकताओं को यह भी जानकारी दी कि व्यय पंजी में प्रत्येक खर्च का स्पष्ट विवरण अंकित होना चाहिए तथा सभी खर्चों का प्रमाण संबंधित वाउचर/बिल के रूप में संलग्न करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्याशियों/अभिकताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का भी अधिकारियों ने समाधान किया।

चास नगर निगम के प्रत्याशियों के लिए व्यवस्था

प्रशासन द्वारा व्यय पंजी मिलान एवं जमा करने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। चास नगर निगम क्षेत्र के मेयर पद के प्रत्याशी तथा वार्ड संख्या 15 से 35 तक के वार्ड पार्षद प्रत्याशी अथवा उनके अभिकर्ता अपने व्यय पंजी का मिलान एवं जमा अनुमंडल कार्यालय, चास में करेंगे। वहीं, चास नगर निगम के वार्ड संख्या 01 से 14 तक के वार्ड पार्षद प्रत्याशी अथवा उनके अभिकर्ता अपने व्यय पंजी का मिलान एवं जमा प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, चास में करेंगे।

फुसरो नगर परिषद के लिए व्यवस्था

उधर, फुसरो नगर परिषद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी तथा सभी वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी अथवा उनके अभिकर्ता अपने व्यय पंजी का मिलान एवं जमा प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, बेरमो में करेंगे। प्रशासन द्वारा सभी प्रत्याशियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि को अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होकर चुनाव व्यय मिलान/जमा की प्रक्रिया को पूर्ण करें।

बोकारो सखी महोत्सव से महिला उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा : डीडीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेक्टर 04 स्थित मजदूर मेला में बोकारो सखी महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में संबंधित अधिकारियों एवं गठित कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान डीडीसी ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की तथा विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समय पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा ताकि महोत्सव का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा सके। डीडीसी शताब्दी मजूमदार ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव का आयोजन सेक्टर 04 स्थित मजदूर मैदान में होगा तथा आम जनता के लिए खुला रहेगा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्थानीय कला-संस्कृति का प्रदर्शन तथा विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से राज्य की समृद्ध परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी।

धनबाद पुलिस को मिले 40 आधुनिक वाहन, उपायुक्त और एसएसपी ने दिखाई हरी झंडी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा धनबाद पुलिस को उपलब्ध कराए गए 40 आधुनिक वाहनों को सोमवार को पुलिस लाइन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सभी वाहनों को जिले के विभिन्न थाना और पुलिस अंचल कार्यालयों के लिए आवंटित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और शहर के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पुलिस को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था कायम रखी जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है और लक्ष्य है कि दुर्गा पूजा से पहले इन्हें स्थापित कर दिया जाए। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के सभी जिलों को नए वाहन आवंटित किए गए हैं। इसी क्रम में धनबाद को 40 बोलेरो वाहन प्राप्त हुए हैं, जिन्हें विभिन्न थाना और अंचल कार्यालयों में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त धनबाद पुलिस को 45 अपाचे मोटरसाइकिल भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका उपयोग विशेष रूप से गश्त और त्वरित कार्रवाई के लिए किया जाएगा। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि सभी वाहनों के सही संचालन और रखरखाव के लिए संबंधित पदाधिकारियों और वाहन चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन वाहनों के माध्यम से पुलिस की पेट्रोलिंग और भी प्रभावी होगी, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा। किसी भी घटना या सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने और जरूरतमंदों तक शीघ्र मदद पहुंचाने में भी इन वाहनों से काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले वित्तीय वर्ष में भी धनबाद पुलिस को और नए वाहन मिलने की संभावना है, जिससे पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एसडीएम लोकेश बारांगे, डीएसपी मुख्यालय धीरेन्द्र नारायण बंका, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमत सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान उपस्थित थे।

बोकारो जनरल अस्पताल में ग्लूकोमा को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के नेत्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह' के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता को 'ग्लूकोमा' जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करना और समय रहते इसके निवारण के प्रति जागरूक करना है. इस कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. बिभूति भूषण करुणामय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उनके साथ अस्पताल के अन्य वरीय अधिकारी और विशेषज्ञ चिकित्सक भी शामिल हुए, जिनमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. अनिंदा मंडल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. इंद्रनील चौधरी तथा अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नेत्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोफिया अहमद प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं. कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने ग लूकोमा, जिसे सामान्य भाषा में 'काला मोतिया' भी कहा जाता है, के खतरों पर विस्तार से चर्चा की. चिकित्सकों ने बताया कि यह आँखों की यह एक ऐसी अत्यंत गंभीर स्थिति है जो धीरे-धीरे दृष्टि को स्थायी रूप से क्षति पहुँचाती है. विशेषज्ञों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि यदि प्रारंभिक अवस्था में ही इस बीमारी की पहचान कर ली जाए, तो प्रभावी उपचार के माध्यम से दृष्टि को सुरक्षित रखा जा सकता है. समय पर नियमित जाँच और उचित डॉक्टरी परामर्श ही व्यक्ति को पूर्ण अंधापन का शिकार होने से बचाने का एकमात्र उपाय है. आम जनता के बीच इस बीमारी के लक्षणों और बचाव के तरीकों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए अस्पताल प्रशासन द्वारा सूचनात्मक वीडियो और पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया. इन डिजिटल एवं दृश्य माध्यमों की सहायता से उपस्थित लोगों को आँखों की सेहत के प्रति जागरूक रहने और नियमित अंतराल पर नेत्र परीक्षण कराने की सलाह दी गई. यह आयोजन बोकारो जनरल अस्पताल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य और दृष्टि सुरक्षा की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. ग्लूकोमा जैसी साइलेंट बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाकर बीएसएल न केवल अपने कर्मियों बल्कि संपूर्ण समाज के लिए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है, जो एक स्वस्थ और दृष्टि-दोष मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक सार्थक कदम है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com